शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 209 | गुवाहाटी | मंगलवार, 21 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पांडु पोर्ट पहुंचा विश्व का सबसे लंबा रिवर क्रूज पेज 3
मध्य प्रदेश में शराब अहाते बंद करने का कैबिनेट का निर्णय क्रांतिकारी : उमा भारती पेज 4
विधानसभा में शिवपाल के नेतृत्व में सपा विधायकों ने किया प्रदर्शन पेज 5
जनसुनवाई हर विधायकर को करनी चाहिए : गहलोत पेज 8

पति और सास की निर्मम हत्या कर शवों के किए टुकड़े, पहाड़ियों से नीचे फेंका

शव के कुछ टुकड़े बरामद के बाद पुलिस के साथ आरोपी बंदना कलिता, उसका प्रेमी और दोस्त।

पति अमरेंद्र डे और सास शंकरी डे ।

गुवाहाटी (एजें /हिंस.)। गुवाहाटी में श्रद्धा वॉल्कर हत्याकांड जैसी वारदात सामने आई है। जहां, एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्तों के साथ मिलकर अपने पति और सास की हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए उसके टुकड़े किए और फिर पॉलीथिन बैग में भरकर पड़ोसी राज्य मेघालय की पहाड़ियों पर फेंक दिए। पुलिस ने सोमवार को इस बात की जानकारी साझा की है। साथ ही पुलिस ने बताया कि पिछले साल अगस्त-सितंबर के बीच इस अपराध को अंजाम दिया गया है, लेकिन रविवार को पुलिस ने शख्स की मां के शव के कुछ टुकड़े बरामद किए, जिसके बाद इस मामले ने सबको हैरान कर दिया। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने इस मामले की जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि हत्या करीब सात महीने पहले हुई थी। हमने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अब उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, पुलिस उपायुक्त दिगंत कुमार चौधरी ने कहा कि शख्स की पत्नी ने सितंबर में अपने पति और सास के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी और जिसके बाद जांच शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि मृतक पति और सास की पहचान अमरेंद्र डे और शंकरी डे के रूप में हुई है। चौधरी ने कहा कि कुछ समय बाद अमरेंद्र के चचेरे भाई ने भी इनके गुमशुदगी की एक शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपी महिला पर संदेह हुआ। अधिकारी ने कहा कि दोनों मामले नूनमाटी पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे और गुवाहाटी के चांदमारी और नारंगी इलाकों में दो अलग-अलग घरों में दो-दो हत्याएं हुईं। अधिकारी ने दावा किया कि हत्याएं कथित तौर पर अमरेंद्र की पत्नी, उसके प्रेमी और एक अन्य व्यक्ति द्वारा की गई हैं। माना जा रहा है तीसरा आरोपी महिला के प्रेमी का दोस्त है। चौधरी ने कहा कि हत्या के बाद, उन्होंने शवों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट दिया, उन्हें पॉलीथिन बैग में पैक किया और बैग मेघालय ले गए। वहां उन्होंने बैग को पहाड़ियों से नीचे फेंक दिया। हमने शवों का पता लगाया और कल मेघालय से कुछ हिस्से बरामद किए। दोनों मृतकों के शवों या शरीर के सभी हिस्सों को खोजने के लिए हमारा सर्च ऑपरेशन अब भी जारी है। मालूम हो कि गुवाहाटी के नारंगी स्थित एसबीआई बैंक के पास रहने वाले अमर ज्योति डे की शादी कुछ साल पहले बंदना कलिता से हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद से ही दोनों के बीच अनबन शुरू हो गई। पति-पत्नी के बीच अनबन रहने के दौरान बंदना के जीवन में धनजीत डेका नामक एक युवक आ गया। अब धनजीत को लेकर बंदना और उसकी पति अमर के बीच अक्सर झगड़ा होने लगा। अमर ज्योति की मां शंकरी डे पांच मंजिला -शेष पृष्ठ दो पर

पचास से कम बच्चे वाले मदरसों को बंद करेगी सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य के मदरसों को लेकर बड़ा प्लान तैयार किया है। सरकार की योजना ऐसे मदरसों को बंद करने की है जिनमें बच्चों की संख्या 50 से कम है। वहीं इन मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को बड़े मदरसे के साथ अटैच किया जाएगा जिससे कि मदरसों को बड़ी तादाद में फैलने से रोका जा सके और मदरसों का आकार बड़ा हो सके। इसके अलावा जिन मदरसों को तोड़ा जा रहा है उन मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलवाया जाएगा। इसके लिए सरकार पास के सरकारी स्कूलों में जगह की उपलब्धता भी करवा रही है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को यह बोला गया है कि आप बच्चों के बीच जाएं और उनके साथ कुछ एक्टिविटीज कीजिए, जिससे बच्चों को यह -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में भाजपा सरकार बनेगी : हिमंत

शिलॉन्ग। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया है कि इस बार मेघालय में भाजपा की सरकार बनेगी। शर्मा ने कहा कि हालात बदल चुके हैं और इस बार भाजपा मेघालय में सरकार बनाएगी। बता दें कि नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा ने शिलॉन्ग में एक जनसभा के दौरान कहा कि पिछली बार भाजपा दो सीटों पर जीती थी लेकिन इस बार हम सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार हमारी सरकार बनेगी। इस बार मुख्यमंत्री भी भाजपा का होगा। पहले हमें नेशनल पीपल्स -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पीयूष ने लिया नदी तट कटाव का जायजा

कोकराझार (हि.स.)। असम के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका सोमवार को गोसाईगांव में उपस्थित होकर गोसाईगांव महकमा के सुरेंद्रपुर, शिमलाबारी, बरघोपा में सांकल नदी के तट कटाव के साथ ही बागडोगरा में गंगाधर नदी का भी दौरा किया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि आगामी बरसात के मौसम में क्षेत्र में स्थायी तटबंधों का काम किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस बार मानसून के दौरान, बांध के लिए तात्कालिक तरीके से व्यवस्था की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ बीटीआर के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो, कार्यकारी पार्षद रेवरेवा नार्जारी, वकील मुसाहारी, पार्षद सजल कुमार सिंह, विधायक जिरोन बसुमातारी, जिला उपायुक्त वर्णाली डेका, महकमाधिपति अरण्यक सैकिया सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। मंत्री ने एक सवाल के जवाब में असम प्रदेश कांग्रेस (एपीसीसी) अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भूपेन बोरा को राजीव भवन में बैठने के बदले लोगों के बीच आना चाहिए।

संस्कृति व परंपराओं को बचाए रखें अरुणाचलवासी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के प्रयास से अरुणाचल प्रदेश में विकास कार्य बहुत तेजी से हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने 44 हजार करोड़ रुपए अरुणाचल प्रदेश के लिए मंजूरी किए हैं, इससे राज्य में खासकर कनेक्टिविटी, सड़क परियोजना, हवाई अड्डे आदि के विकास कार्यों में तेजी आएगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने अरुणाचलवासियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाए रखने का भी आग्रह किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को राजधानी इटानगर के इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित अरुणाचल -शेष पृष्ठ दो पर

स्थापना दिवस पर हिमंत की शुभकामना

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के 37वें राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर एक ट्वीट करते हुए कहा है कि अरुणाचल और मिजोरम भारत के गौरवशाली इतिहास के अभिन्न अंग हैं, जो सदियों से चली आ रही समृद्ध संस्कृति और अन्य परंपराओं से धनी हैं।

सुप्रभात

अपने हित से पहले, समाज और देश के हित को देखना एक विवेक युक्त सच्चे नागरिक का धर्म होता है।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

चुनावी रैली में जाते समय पांच महिलाओं की मौत

शिलांग (हि.स.)। मेघालय में सोमवार को एक सड़क हादसे में पांच महिला यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में कई अन्य यात्री घायल हो गए। घायलों में ज्यादातर महिलाएं हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि एक पिकअप वैन में एक दर्जन से अधिक लोग सवार होकर अदाकगड़ी इलाके में आयोजित तृणमूल कांग्रेस की एक चुनावी रैली में जा रहे थे। हादसा गारोपहाड़ जिला के बलमेदांग इलाके में सोमवार को दिन के करीब 11 बजे के आसपास हुआ। हादसे की सूचना मिलने पर -शेष पृष्ठ दो पर

शादी के लिए समान आयु वाली याचिका एससी ने की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए विवाह के लिए एक समान न्यूनतम आयु की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि जो मामले संसद के लिए आरक्षित हैं, उन मामलों पर अदालतें कानून नहीं बना सकती हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत संसद को कानून बनाने के लिए परमादेश (एक असाधारण रिट) जारी नहीं कर सकती है। पीठ ने याचिका को स्वीकार न करते हुए कहा कि हम यहां (कोर्ट) कानून नहीं बना सकते। हमें यह नहीं समझना चाहिए कि हम संविधान के एकमात्र संरक्षक हैं। संसद भी एक संरक्षक है। इस याचिका को शीर्ष अदालत अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर की गई थी। याचिका में पुरुषों और महिलाओं के लिए विवाह की कानूनी उम्र में समानता की मांग की गई थी। बता दें कि भारत में पुरुषों को 21 वर्ष की -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड : चुनाव पूर्व हिंसा में पांच लोग घायल

कोहिमा, एजेंसी। नगालैंड में चुनाव पूर्व हिंसा में कम से कम पांच लोग घायल हो गए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नोकलाक जिले की थोनोकन्यू विधानसभा सीट पर रविवार दोपहर नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और लोजपा समर्थकों के बीच झड़प हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच हुए पथराव में चार लोग मामूली रूप से घायल हो गये। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस, भारतीय रिजर्व बटालियन और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तैनाती के बाद स्थिति को -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बिल्पब कुमार देव घायल

चंडीगढ़। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बिप्लब कुमार देब सोमवार को हरियाणा के पानीपत जिले में एक सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनकी कार जीटी रोड पर खड़े एक वाहन से टकरा गई थी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना समालखा और पानीपत के बीच उस समय हुई, जब राज्यसभा सदस्य और भाजपा के हरियाणा प्रभारी देब दिल्ली से चंडीगढ़ आ रहे थे। पुलिस उपाधीक्षक (समालखा) ओम प्रकाश ने -शेष पृष्ठ दो पर

गोधरा ट्रेन कांड के 11 दोषियों को मौत की सजा हो : गुजरात सरकार

नई दिल्ली। 2002 के गोधरा ट्रेन आगजनी मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने 11 दोषियों की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को कहा कि वह उन दोषियों को मौत की सजा देने के लिए दबाव बनाएगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने मामले के कई आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तीन सप्ताह बाद की तारीख तय की है। अदालत ने दोनों पक्षों के वकील से एक समेकित चार्ट दाखिल करने को कहा है, जिसमें उन्हें दिए गए वास्तविक सजा और अब तक जेल में बिताए गए समय का विवरण दिया गया है। गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि हम उन दोषियों को मृत्युदंड देने के लिए गंभीरता से दबाव डालेंगे, जिनकी मृत्युदंड की सजा को गुजरात हाई कोर्ट ने आजीवन कारावास में बदल दिया गया था। यह सबसे दुर्लभ मामलों में से एक है, जहां महिलाओं और बच्चों -शेष पृष्ठ दो पर

वो एक फंसाते हैं तो तुम 10 फंसाओ : प्रमोद मुथालिक

बेंगलुरु। देश में *लव-जिहाद* को लेकर जारी विवाद के बीच कर्नाटक में श्रीराम सेना के प्रमुख प्रमोद मुथालिक का विवाद बयान सामने आया है। प्रमोद मुथालिक ने लव-जिहाद के जवाब में युवा हिंदू लड़कों को ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम लड़कियों को फंसाने का आमंत्रण देते हुए उन्हें सुरक्षा और रोजगार देने का भी आश्वसन दिया है। उन्होंने कहा कि अगर हम एक हिंदू लड़की को खो देते हैं, तो हमें 10 मुस्लिम लड़कियों को फंसाना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक के बागलकोट में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुथालिक ने कहा कि हम स्थिति से पूरी तरह से वाकिफ हैं। मैं यहां के युवाओं को आमंत्रित करना चाहता हूं कि अगर हम एक हिंदू लड़की को खो देते हैं, तो हमें 10 मुस्लिम लड़कियों को फंसाना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं तो श्री राम सेना आपकी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

त्रिपुरा : माकपा समर्थक की हत्या भाजपा पंचायत प्रधान गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा में रविवार को 55 वर्षीय माकपा समर्थक की हत्या का मामला सामने आया है। हत्या के आरोप में भाजपा पंचायत प्रधान को खोवई जिले से गिरफ्तार कर लिया गया है। माकपा ने आरोप लगाया कि भाजपा पंचायत प्रधान और उनके ड्राइवर ने मिलकर हत्या की है। हार के डर से भाजपा आतंक फैला रही है। वहीं, भाजपा के खोवई जिला अध्यक्ष और विधायक पिनाकी दास चौधरी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, लेकिन यह राजनीति से प्रेरित नहीं थी। पुलिस के अनुसार, माकपा समर्थक दिलीप शुक्ला दास प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य का लाभ नहीं देने का आरोप लगाते हुए द्वारिकापुर ग्राम पंचायत के प्रधान कृष्ण कमल दास से शनिवार को झगड़ रहे थे। उस समय वे नशे की हालत में थे। मामला बढ़ने पर प्रधान ने उनके सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे खून बहने लगा और वे वहीं गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें खोवई जिला अस्पताल ले जाया गया। बाद में उन्हें जीबीपी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां रविवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कानून, व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका जाहिर करते हुए शव को पार्टी मुख्यालय ले जाने से माकपा कार्यकर्ताओं को रोक दिया। विपक्ष के नेता माणिक सरकार और माकपा के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने विरोध जताते हुए कहा कि संभव है कि राजनीतिक दबाव की वजह से पुलिस ऐसा कर रही हो। हालांकि, बाद में पार्थिव शरीर को सर्किट हाउस ले जाने की अनुमति दे दी गई। नगालैंड में चुनाव पूर्व हिंसा में पांच लोग घायल हो गए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने रविवार को बताया कि नोकलाक जिले में रविवार दोपहर नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और लोजपा समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच पथराव में चार लोगों को चोटें आईं। अन्य घटना में अज्ञात लोगों ने एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष एंड्रयू अहोतो सेमा के काफिले पर उस वक्त पथराव किया जब वह चुनाव प्रचार से लौट रहे थे।

न्यूयॉर्क फैशन वीक में इंडियन फैशन ट्रंक

एनवाईएफडब्ल्यू में सीजन 7

गुवाहाटी। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (आईएनआईएफडी) और लंदन स्कूल ऑफ ट्रेंड्स (एलएसटी) ने न्यूयॉर्क फैशन वीक के दौरान 7 वें सीजन के लिए इंडियन फैशन ट्रंक प्रस्तुत किया। खादी कपड़े भारतीय संस्कृति और फैशन का एक अभिन्न अंग हैं। एक कालातीत सौंदर्य का प्रतीक खादी की मूल्यवान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता है। न्यूयॉर्क फैशन वीक के दौरान इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (आईएनआईएफडी) के युवा डिजाइनरों के द्वारा प्राकृतिक रूप से बुने खादी कपड़ों की जश्न मनाने के लिए इंडियन फैशन ट्रंक पेश किया गया। विभिन्न क्षेत्रों, परंपराओं और संस्कृतियों से घिरे, भारत भर

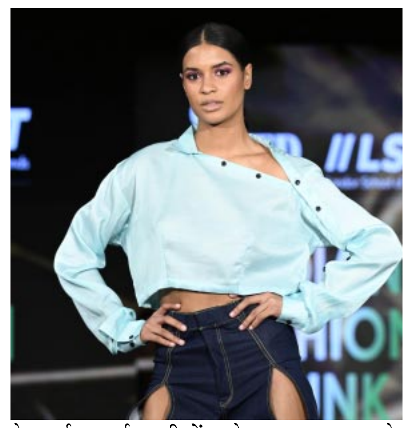

के आईएनआईएफडी केंद्र के छात्र मूल तत्व के रूप में खादी के साथ डिजाइन की गई समृद्ध विरासत के अपने संग्रह का प्रदर्शन किया। आईएनआईएफडी के उभरते डिजाइनरों को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फैशन वीक न्यूयॉर्क फैशन वीक में खादी को इस तरह के एक कपड़े के रूप में प्रदर्शित करते हुए देखा गया जो परंपरा और आधुनिकता को संतुलित करता है। विपुल देव, कॉन्सल (प्रेस, सूचना और संस्कृति), भारत के महावाणिज्य दूतावास, न्यूयॉर्क ने इस शो में उपस्थित रहकर युवा डिजाइनरों की अपार प्रतिभा और रचनात्मक डिजाइनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खादी पर आधारित सभी डिजाइन आकर्षक हैं, जिस वजह से खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन, जिसे हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्धृत किया जाता है। मुझे गर्व है कि खादी ने न्यूयॉर्क तक की यात्रा की और न्यूयॉर्क फैशन वीक में इसका प्रदर्शन किया गया।

पीएम मोदी ने की ऑपरेशन दोस्त की तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूकंप प्रभावित तुर्किये में तैनात भारतीय सहायता और आपदा राहत दलों के काम की सोमवार को सराहना की और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने न केवल आत्मनिर्भर बल्कि निस्वार्थ देश के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश के बाद सात फरवरी को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की कुल तीन टीम को भूकंप प्रभावित देश में भेजा गया था। बड़ी संख्या में भूकंप प्रभावित लोगों को व्यापक सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय सेना की मेडिकल टीम को भी तैनात किया गया था। तुर्किये से लौटे कर्मियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आपने मानवता की महान सेवा की है और भारत को गौरवान्वित किया है। मोदी ने राहत दल के सदस्यों से कहा कि हम दुनिया को एक परिवार मानते हैं और संकट में फंसे किसी भी परिवार के सदस्य की त्वरित मदद करना अपना कर्तव्य समझते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आत्मनिर्भर देश के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है जो निस्वार्थ भी है और अन्य देशों की मदद करता है। उन्होंने कहा कि जब भी दुनिया में कोई संकट आता है तो भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया देने के लिए हमेशा तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राहत एवं बचाव टीम के रूप में अपनी पहचान मजबूत करनी होगी। इससे पहले, मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने तुर्किये और सीरिया में ऑपरेशन दोस्त में शामिल कर्मियों से बातचीत की।

दिल्ली से देवघर जा रहे विमान में बम की सूचना

लखनऊ (हि.स.)। दिल्ली से देवघर जा रही इंडिगो के एक विमान में सोमवार को बम की सूचना मिली। इस पर विमान की लखनऊ हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि जांच के बाद यह सूचना झूठी निकली। लखनऊ एयरपोर्ट के प्रवक्ता की ओर से बयान जारी कर बताया गया कि दिल्ली से संचालित होने वाली इंडिगो की विमान (6ई 6191) बम की सूचना मिली थी। इसके बाद उसे अमौसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर विमान की सघन चेकिंग की गई।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender in prescribed form affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & paisa twenty Five) only are invited from eligible Contractors/ Firms (Govt. registered) for execution of the following works under CSS-IDWH Scheme during 2022-23 under Tinsukia Wildlife Division, Tinsukia as mentioned below: .

Sl. No.	Name of Work	Total unit	Tender Cost (Rs. in lakhs)	Location /Work site	Earnest money (%)	Time of Completion
1	Maintenance of Mechanized Boat	2 nos.	4.00	Guijan & Saikhowa ghat under Tinsukia Wildlife Division.	1% on estimated cost for SC/ST/OBC/MOBC and 2% for Others.	With in Stipulated time.
2	Maintenance of Speed Boat	1 nos.	1.50			
3	Maintenance of Country Boat	6 nos.	1.20			
4	Maintenance of patrolling path.	8 K.M	2.00	Inside Dibru Saikhowa National Park.		
5	Maintenance of existing Anti-Poaching Camp.	1nos.	2.00	Inside Dibru Saikhowa National Park.		

The tender will be received up to 2.00PM (IST) on 01-03-2023 in the office of the Divisional Forest Officer, Tinsukia Wildlife Division, Tinsukia and will be opened on the same day at 3.00 PM by Tender Evaluation Committee in presence of the interested bidder or their authorized representative. In the event of any unusual occurrence due to strike, Bandh, Holiday etc.The same will be received on the next working day up to 2.00 PM (IST) and will be opened at 3.00 PM.

Qualification, Terms & conditions for participation in bid in long tender notice is available in the office of the undersigned. The prescribed Tender paper may be collected from the office of the undersigned on any working day up to 5.00 P.M. (IST) on payment of Rs.500/-(Rupees five hundred) only by Demand Draft of Bank in favour of DFO, Tinsukia Wildlife Division.

The work is to be completed within the stipulated time period. The undersigned and Tender Evaluation Committee reserves the right to accept or cancelled any tender without assigning reasons thereof.

Acceptance of the bid and issue of work order is subject to released of fund by the Government of Assam/Competent Authority.

Divisional Forest Officer
Tinsukia Wildlife Division
Tinsukia.

-- Janasanyog /C/20587/22

नं.1 यारी जम में पापोन एंड टाबा चाके ने डिब्रूगढ़ में बांधा संगीतरात्रि का समां

मेकडुवेल नं.1 सोडा

डिब्रुगढ़। डिब्रुगढ़ में नए साल को जीवंत बनाते हुए मेकडुवेल नं.1 सोडा मशहूर गायक और संगीतकार, पापोन और मधुर संगीतकार, टाबा चाके को नं.1 यारी जम के लिए डिब्रुगढ़ लेकर आया। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस भव्य रात्रि को दर्शकों ने इन दोनों के साथ यारी की धुनों पर जमकर नृत्य किया। मेकडुवेल नं. 1 सोडा यारी की भावुक कहानियों का पर्याय है। अपनी दिलचस्प और आकर्षक कहानियों के साथ यह देश के युवाओं के बीच दोस्ती व प्रेम को बढ़ाता है। यारों के बीच रिश्तों को मजबूत करने की अपनी अवधारणा के अनुरूप, नं.1 यारी जमविद पापोन एंड टाबा चाके ने सच्ची दोस्ती का यह जश्न प्रस्तुत किया। इस संगीत समारोह में पापोन की क्लासिक हिट्स और टाबा चाके के नए ट्रैक्स ने डिब्रुगढ़ के संगीतप्रेमियों का मन मोह लिया। दोनों कलाकारों ने अपने आकर्षण और संगीत के जादू से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पापोन के प्रशंसकों ने उनके लोकप्रिय ट्रैक्स, बुलेया, जियें क्यों तथा टाबा चाके के मधुर गीतों जैसे शायद, आओ चलें और वॉक विद मी सुनते हुए अपने यारों के साथ बिताए समय को याद किया। इस अवसर पर पापोन ने कहा कि डिब्रुगढ़ में आकर बहुत अच्छा लगा! दर्शकों के उत्साह ने इस संगीत कार्यक्रम को जीवंत कर दिया और मुझे जोश से भर दिया। मेरे संगीत में हमेशा दोस्ती की एक अहम भूमिका रही है। मुझे हमेशा अद्वितीय यारों के बारे में गीत अच्छे लगे, और मुझे खुशी है कि नं.1 यारी जम ने मुझे अपने यारों के साथ मिलने वाली खुशी अपने संगीत के माध्यम से फैलाने का अवसर दिया। नं.1 यारी जम के बारे में टाबा चाके ने कहा कि मैं डिब्रुगढ़ के लोगों के सामने प्रस्तुति देने के लिए हमेशा तैयार रहता हूं क्योंकि यहां पर मुझे बहुत प्यार व स्नेह मिलता है। इस प्रस्तुति में पापोन का साथ अद्भुत था, जिसने मुझे नं.1 यारी जम के लिए ऊर्जा व उत्साह से भर दिया। यारी का मतलब प्यार, खुशी, और दोस्तों के साथ जिंदगी है। मेरे दोस्त मुझे सुरक्षा व सहयोग का आभास देते हैं, जिससे मुझे अपने संगीत के सफर और इस उद्योग में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मैं नं.1 यारी जमका हिस्सा बनकर गौरवान्वित, और आगामी यारी जाम कार्यक्रमों के लिए आशान्वित हूं। मैकडॉवेल नं1 सोडा – नं 1 यारी यारी जाम यूट्यूब एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर देखिए।

पृष्ठ एक का शेष

पति और सास ...

इमारत की मालकिन थी और एक फ्लोर पर अकेला रहती थी, जबकि चार फ्लोर उसने किराए पर दे रखे थे। किराए पर दिए गए मकानों का भाड़ा अमर ज्योति का मामा वसूलता था। इसी बात को लेकर अमर ज्योति की पत्नी बंदना कलिता काफी नाराज रहती थी। अमर ज्योति और वंदना का तलाक होने वाला ही था। इसी बीच एक दिन वंदना ने अपने पति और सास के लापता होने की प्राथमिकी नूनमाटी थाने में दर्ज कराई। पुलिस लापता दोनों को तलाश कर ही रही थी। एक दिन बंदना कलिता फिर थाने में पहुंची और अमर ज्योति के मामा के ऊपर शंकरी दे के बैंक अकाउंट से पांच लाख रुपए निकालने का आरोप लगाया। पुलिस ने जांच शुरू की तो पाया कि वंदना कलिता ने अपने सास के अकाउंट से पांच लाख रुपए निकाले हैं। जिसके बाद पुलिस को शक हुआ और पुलिस ने वंदना कलिता को थाने में बुलाकर कड़ाई से पूछताछ की जिसके बाद वह टूट गई और उसने अपने सास और पति की हत्या करने की बात स्वीकारी। जिसके बाद बंदना को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान वंदना ने पुलिस को बताया कि एक दिन चांदमारी की इमारत में अपनी सास की हत्या अरूप दास नामक एक युवक की मदद से की थी। सास के शव को चाकू से टुकड़े-टुकड़े कर तीन दिन तक फ्रिज में रखा और तीन दिन बाद उसने धनजीत डेका की मदद से अपने आवास पर अपने पति अमर ज्योति डे की भी बड़ी ही बेरहमी से गला घोट कर मौत के घाट उतार दिया। बंदना के अनुसार उसने अमर के शव को भी टुकड़े-टुकड़े कर पॉलिथीन में डालकर मेघालय के डाउकी में अन्य दो हत्यारों के साथ मिलकर लगभग 50 से 60 फुट गहरी खाई में फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में तिनसुकिया से धनजीत डेका और अनूप दास को खानापाड़ा से गिरफ्तार कर किया। तीनों हत्यारों को लेकर पुलिस की एक टीम मेघालय के डाउकी पहुंची और गहरी खाई से शव के कई हिस्से को बरामद किए। पुलिस को शक है कि इन दोनों की हत्या में कोई बड़ा गिरोह भी शामिल हो सकता है। पुलिस ने इस संबंध में हत्या का केस दर्ज कर लिया है। इस घटना को लेकर बंदना कलिता के पिता ने कहा कि अगर वाकई में मेरी बेटी ने इस तरह से हत्या की है तो उसे गोली मार दी जाए, मुझे जरा भी अफसोस नहीं होगा।

पचास से कम ...

पता चले कि मौलवी काजी हाफिज के अलावा भी वह कुछ बन सकते हैं। मसलन पुलिस ऑफिसर या फिर कुछ और। यह भी कहा गया है कि बच्चों को अस्पताल में जीत कर आए ताकि उनको यह पता चले कि डॉक्टर क्या होता है क्या वह बड़े होकर डॉक्टर क्यों नहीं बन सकते। इस तरीके से सिविल सोसाइटी में उनको ले जाकर अलग-अलग तबकों के बीच बच्चों की विजिट कराई जाए जिससे कि बच्चों का ब्रेनवाश हो सके और वह हाजी काजी या फिर मौलवी बनाने के या बनने के अलावा भी कुछ सोच सकें। इस बीच बाल विवाह को लेकर भी सख्त कार्रवाई के चलते असम चर्चा में बना हुआ है। असम में समाज के विभिन्न वर्गों ने रविवार को राज्य सरकार से बाल विवाह के मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से देखने और इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए जागरूकता पैदा करने पर अधिक जोर देने की अपील की। गौहाटी हाईकोर्ट ने कुछ दिन पहले अपनी टिप्पणी में कहा था कि असम में बाल विवाह के खिलाफ सख्त कार्रवाई ने लोगों के निजी जीवन में तबाही मचाई है। हालांकि, हिमंत विश्व शर्मा नीत राज्य सरकार कह रही है कि बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को और तेज किया जाएगा। लेकिन विपक्ष ने इस कवायद को संप्रदायिक डिजाइन वाला एक राजनीतिक स्टंट करार दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा था कि बाल विवाह के मामलों में आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं थी। उच्च न्यायालय ने बाल विवाह के आरोपियों पर यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम-2012 और बलात्कार के आरोप लगाने को लेकर 14 फरवरी को असम सरकार को फटकार भी लगाई थी। साथ ही, अदालत ने कहा था कि ये बिल्कुल ही विचित्र आरोप हैं।

मेघालय में भाजपा...

पार्टी के रूप में सहयोगी की जरूरत थी लेकिन अब हालात बदल गए हैं और भाजपा अपने पैरों पर खड़ी हो चुकी है। शर्मा ने कहा कि पिछली बार गठबंधन करना समय की जरूरत था। हमने वहीं किया जो हमें करना चाहिए था, लेकिन अब हम अपनी खुद की सरकार बनाना चाहते हैं। मेघालय में भाजपा को ईसाई विरोधी पार्टी बताए जाने पर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और पोप के बीच के तालमेल को देखा है। ऐसे में ईसाई विरोधी होने का सवाल ही कहां उठता है? असम के मुख्यमंत्री ने मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मेघालय सरकार को केंद्र सरकार ने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों खोलने के लिए खूब पैसा दिया लेकिन कुछ नहीं किया गया। मेघालय का युवा आज बेरोजगार है, जो पैसा आया वह सारा कहां गया? शर्मा ने टीएमसी पर भी निशाना साधा और कहा कि टीएमसी अभी तक पश्चिम बंगाल को ही विकसित नहीं कर पाई है, ऐसे में वह मेघालय को विकसित कैसे कर सकती है? बता दें कि मेघालय में 27 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे और दो मार्च को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

संस्कृति व परंपराओं को ...

प्रदेश के 37वें राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के प्राकृतिक सुंदरता, लोगों की वेशभूषा व संस्कृति की तारीफ की। उन्होंने लोगों से अपनी संस्कृति व परंपराओं को बचाए रखने का भी अनुरोध किया। उन्होंने असम के महान गायक डॉक्टर भूपेन हाजारिका के अरुणाचल प्रदेश पर गाए गए गीत की प्रशंसा की। उन्होंने आजादी में योगदान करने वाले अरुणाचल प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के प्रयास से अरुणाचल प्रदेश में विकास तेजी से हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश के लिए केंद्र सरकार ने 44 हजार करोड़ मंजूर किए हैं, इससे राज्य में कनेक्टिविटी, सड़क परियोजना, हवाई अड्डे आदि के विकास कार्यों में तेजी आएगी। राजधानी इटानगर के पास बनी डॉनी पोलो हवाई अड्डे की शुरुआत होने पर राज्य की कनेक्टिविटी को और मजबूत मिल गई। इस हवाई अड्डे से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी और राज्य के व्यापारियों का कारोबार भी बढ़ेगा। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश सरकार के राज्य में पर्यावरण और जीव जंतु को बचाने के लिए उठाए गए कदमों की प्रशंसा की। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था में भागेदारी बढ़ाने पर महिलाओं की तारीफ की। उन्होंने महिला पर्वतरोही अंशु जनसेपा और व्यापारी तागे रीता का भी नाम लिया। उन्होंने कहा कि जी-20 समूह की कई बैठकें पूर्वोत्तर के राज्यों में भी आयोजित की जा रही हैं। जी-20 की एक बैठक अगले महीने ईटानगर में होने वाली है। मुझे विश्वास है कि इन बैठकों से पूर्वोत्तर के राज्यों की संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और यहाँ पर निवेश की संभावनाएं उत्पन्न होंगी। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्म ने डोनी पोलो हवाई अड्डे से नहारलागुन रेलवे स्टेशन तक की डबल लाइन सड़क और अरुणाचल प्रदेश डायरेक्टरेट कंपलेक्स परियोजना का शिलान्यास भी किया। उन्होंने आवोटानी पर बनी एक एनिमेशन फिल्म का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। किरण ने कहा कि अमृतकाल में हमें एक ऐसा मौका दिया कि हम आजादी के लिए लड़ने वाले देश और राज्यों के हीरों को खोज और उन्हें याद करें। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी स्वतंत्रता सेनानी, शहीदों और योद्धा पर एक किताब भी तैयार की जा रही है। उन्होंने राज्य की खांडू सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा कि कुछ सरकारी अधिकारियों की गलती से राज्य सरकार और प्रदेश का नाम बदनाम हो रही है। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। समारोह में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से राज्य में विकास कार्यों में तेजी आ है। पिछले कुछ सालों से राज्य में शिक्षा के बदलाव पर भी काम चल रहा है। समारोह को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक और उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने भी संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मू मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को भी संबोधित करेंगी।

चुनावी रैली में ...

राज्य आपदा प्रबंधन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। जहां पांच महिलाओं को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों में चार की पहचान मरीना संगमा, सबीना मराक, कुकिला मोमिन और टेसा संगमा शामिल हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। वहीं, पांचों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शादी के लिए समान...

आयु में विवाह करने की अनुमति है, जबकि महिलाओं के लिए विवाह योग्य आयु 18 वर्ष है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पर्दीवाला ने बताया कि याचिकाकर्ता चाहते हैं कि भारत में पुरुषों के बराबर ही महिलाओं की शादी की उम्र बढ़ाकर 21 की जानी चाहिए। प्रावधानों को खत्म करने से महिलाओं के लिए शादी की कोई उम्र नहीं होगी। इसलिए याचिकाकर्ता एक विधायी संशोधन चाहते हैं। यह अदालत संसद को कानून बनाने के लिए परमादेश जारी नहीं कर सकती। हम इस याचिका को अस्वीकार करते हैं, याचिकाकर्ता को उचित दिशा-निर्देश लेने के लिए खुला छोड़ देते हैं। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि यह याचिका एक कानूनी सवाल उठाते हुए दायर की गई थी और इस मुद्दे को देखने के लिए टास्क फोर्स बनाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा। याचिका में दावा किया गया है कि शादी की उम्र में अंतर लैंगिक समानता, लैंगिक न्याय और महिलाओं की गरिमा के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। याचिका में आगे यह लिखा गया कि भारत में पुरुषों को 21 वर्ष की आयु में विवाह करने की अनुमति है वहीं, महिलाओं को केवल 18 वर्ष की आयु में विवाह करने की अनुमति है। यह भेद पितृसत्तात्मक रूढ़िवादिता पर आधारित है, इसका कोई वैज्ञानिक समर्थन नहीं है, यह वैधानिक और वास्तविक असमानता के विरुद्ध है। याचिका में कहा गया है कि छोटे आयुवर्ग की जीवनसाथी से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने बड़े साथी का सम्मान करे और उसकी सेवा करे, जो वैवाहिक संबंधों में पहले से मौजूद लिंग आधारित पदानुक्रम को बढ़ाता है।

नगालैंड : चुनाव पूर्व ...

नियंत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में, अज्ञात लोगों ने एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष एंड्रयू अहोतो सेमा के काफिले पर पथराव किया, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया और पांच वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि दीमापुर में शनिवार रात इंडिसेन गांव में दीमापुर द्वितीय विधानसभा सीट से एनडीपीपी प्रत्याशी के आवास के पास अज्ञात लोगों ने गोलीबारी की। इंडिसेन यूथ ऑर्गनाइजेशन के एक सदस्य ने दावा किया कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के समर्थक 6-7 वाहनों में आये और नारेबाजी की और नामांकित व्यक्ति के घर पर खाली बोतलें फेंकी और हवा में गोलियां चलाईं। पुलिस ने बताया कि लोजपा समर्थकों के दो वाहन जब्त किए गए हैं। नगालैंड विधानसभा चुनाव के लिए 27 फरवरी को मतदान होगा और मतगणना दो मार्च को होगी।

गोधरा ट्रेन कांड..

सहित 59 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह बात हर कोई जानता है कि बोगी को बाहर से बंद कर दिया गया था। जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 59 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा 11 दोषियों को निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी और 20 अन्य को मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। कुछ लोग कह रहे हैं कि उनकी भूमिका सिर्फ पथराव तक ही सीमित थी। मगर, जब आप किसी डिब्बे को बाहर से बंद करते हैं, उसमें आग लगाते हैं और फिर पथराव करते हैं, तो यह सिर्फ पथराव नहीं है। मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले में कुल 31 सजाओं को बरकरार रखा और 11 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। शीर्ष अदालत इस मामले में अब तक दो दोषियों को जमानत दे चुकी है। मामले में सात अन्य जमानत याचिकाएं लंबित हैं। बताते चलें कि 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा में ट्रेन के एस-6 कोच में आग लगा दी थी। इस कांड के बाद राज्य में दंगे भड़क गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी को इस मामले में उम्रकैद की सजा पाए कुछ दोषियों की जमानत याचिकाओं पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा था। अब्दुल रहमान धंतिया उर्फ कंकत्तो, अब्दुल सत्तार इब्राहिम गद्दी असला और अन्य की जमानत याचिका पर कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। बताते चलें कि शीर्ष अदालत ने पिछले साल 15 दिसंबर को मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे फारूक को जमानत दे दी थी और कहा था कि वह 17 साल से जेल में है। फारुक समेत कई अन्य को साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे पर पथराव करने का दोषी ठहराया गया था।

वो एक फंसाते हैं ...

जिम्मेदारी लेगी और हर प्रकार की सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार भी प्रदान करेगी। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में लव-जिहाद के जरिए हमारी लड़कियों का शोषण होता है। देशभर में हजारों लड़कियों को प्यार के नाम ठगा जाता है। उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि हमें उन्हें चेतावनी देनी चाहिए। करीब एक हफ्ते पहले मुथालिक ने कहा था कि उनके खिलाफ अब तक 109 मामले दर्ज किए गए हैं और उनमें से अधिकांश भाजपा शासन में दर्ज किए गए हैं। उन्होंने दावा किया था कि हिंदुत्व पर उनके रुख के लिए उन्हें अपने ही लोगों से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कर्नाटक में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मुथालिक भी उडुपी में करकला क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। मुथालिक ने आगे कहा कि भाजपा के कुछ नेता उन्हें सपोर्ट किए हैं और चुनाव में उतरने के लिए आर्थिक मदद का ऑफर भी दिया है। उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने के दावो को खारिज कर दिया।

बिल्पब कुमार ...

फोन पर बताया कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि टायर पंचर हो जाने के कारण एक कार जीटी रोड पर खड़ी थी और पीछे से आ रही देब की कार ने खड़ी कार को टक्कर मार दी।

स्वर्वेद भाष्य

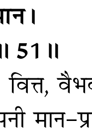

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सुत दारा धन धान्य जो, राजपाट निज मान।
यह प्रभु का मेरा नहीं, त्याग तो ऐसा जान॥ 51॥

शब्दार्थ : (धान्य) अन्न, (सुत दारा) पुत्र-स्त्री (धन) वित्त, वैभव।

भाष्य : स्त्री-पुरुष, धन-धान्य, राज्य-विस्तार और अपनी मान-प्रतिष्ठा सब प्रभु का है, मेरा नहीं। इस प्रकार का त्याग होना चाहिए।

युक्त अहार विहार है, नारी धर्म विचार।
आवश्यकता जस तस करे, धर्म विवेक अधार॥ 52॥

शब्दार्थ : (युक्त) उचित, योग्य (अहार) भोजन (बिहार) आराम, क्रीड़ा (विचार) विवेक।

भाष्य : साधक का आहार-विहार नियमयुक्त होना चाहिए। धर्म-विवेक के अनुसार आवश्यकता को देखकर स्त्री-सम्बन्ध करना उत्तम विवेक है।

पांडु पोर्ट पहुंचा विश्व का सबसे लंबा रिवर क्रूज

गुवाहाटी, 20 फरवरी (हि.स.)। वाराणीस से 13 जनवरी को रवाना हुआ दुनिया का सबसे लंबा रिवर क्रूज गंगा विलास सोमवार को गुवाहाटी के पांडू पोर्ट पर पहुंचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गत 13 जनवरी को वर्चुअल माध्यम से उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गंगा विलास को झंडी दिखाकर रवाना किया था। जो पहले ही उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश की यात्रा करते हुए 39वें दिन असम के धुबड़ी पहुंचा। गंगा विलास क्रूज यात्रा के 42वें दिन आज शाम 3:30 बजे 28 जर्मन एवं स्विस पर्यटकों के साथ पांडू पोर्ट पर पहुंचा। पांडू में गंगा विलास ने एक फ्लोटिंग जेटी के बगल में अपना लंगर डाला। इस रिवर क्रूस को एसएल सुबनसिरी एवं एचपीटी अंबेडकर ने एस्कॉर्ट किया। लंगर डालने के बाद आईडब्ल्यूएआई के सदस्यों ने पर्यटकों का पांडू बंदरगाह पर भव्य स्वागत किया। पर्यटकों ने तिवा लोक नृत्य का आनंद लिया। पर्यटकों ने स्थानीय लोग तथा नृत्य कलाकारों के साथ बातचीत की। उनके साथ फोटो भी खिंचवाए। असम की प्राकृतिक सुंदरता एवं असम की जनजातिय नृत्य, संस्कृति को देखकर सभी विदेशी पर्यटक मोहित हो गए। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने इस संदर्भ में कहा है कि असम में विश्व का सबसे लंबा रिवर क्रूज गंगा विलास के आगमन से उत्तर पूर्व भारत की आंतरिक जल परिवहन के क्षेत्र में एक नई दिशा का आगाज होगा। इस अवसर पर सचिव मनिंदर सिंह, कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त पल्लव गोपाल झा, अंतर्देशीय जलमार्ग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईडब्लूएआई) के ए सेल्वा कुमार उपस्थित थे। आगामी कल (मंगलवार) को सभी पर्यटक जादू नगरी मायंग और आगे की अपनी यात्रा के लिए रवाना होने से पहले सुबह कामाख्या मंदिर दर्शन कर राज्य संग्रहालय का दौरा करेंगे। विलासी रिवर क्रूज 23 फरवरी को तेजपुर पहुंचेगा और अपनी यात्रा के 51वें दिन अर्थात 1 मार्च को डिब्रूगढ़ पहुंचेगा। सोमवार को सुबह पर्यटकों ने असम की वस्त्र नगरी सुवालकुची में जाकर प्रसिद्ध हस्त तांत शिल्प के शिल्प उद्योग का जायजा लिया। गंगा विलास रिवर क्रूज भारत और बांग्लादेश के 5 राज्यों के 27 नदियों के माध्यम से 51 दिनों में 3,200 किमी की यात्रा पूरी करेगा। इस यात्रा में विश्व धरोहर स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों जैसे 50 लोकप्रिय पर्यटन स्थल शामिल हैं। जिसमें बिहार में पटना, झारखंड में साहिबगंज, पश्चिम बंगाल में कोलकाता, बांग्लादेश में ढाका और असम में गुवाहाटी जैसे प्रमुख शहरों को शामिल किया गया है। इस यात्रा के दौरान वाराणसी में प्रसिद्ध गंगा आरती, सारनाथ का बौद्ध तीर्थ स्थल और असम के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली को शामिल किया गया है। इस जहाज में 18 स्वीट्स हैं। सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। जहाज में तीन डेक में 36 पर्यटक बैठ सकते हैं। मेक इन इंडिया प्रकल्प परियोजना के अधीन 62 मीटर लंबा जहाज 68 करोड़ रुपये की लागत से भारत में बनाया गया है।

आठ शातिर बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक अभियान चलाकर अंतर्राज्यीय आठ शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया गया है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान चोरी की एक केटीएम बाइक, दो स्कूटी और एक स्प्लेंडर बाइक समेत आठ बाइक चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार बाइक चोरों के पास से पुलिस ने एक मास्टर की (चाभी) के अलावा एक मेघालय का हाई सिक्योरिटी वाला नंबर प्लेट बरामद किया गया है। गिरफ्तार अंतर्राज्यीय बाइक चोरों की पहचान हरीश दास (30, सोनापुर), माइकल तेरन उर्फ मलिंगा (25, सोनापुर), दिव्य ज्योति सैकिया उर्फ बाबू सैकिया (25, माजुली), सिमफांग साडेप (24, नंग्पो), बनरापालांग मलाई (24, नंग्पो), मालडिनी सांगलियांग (20, नंग्पो) और बिकी माला (18, नंग्पो) के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपी गुवाहाटी और इसके आसपास के इलाकों में बाइक चोरी कर आसानी से फरार हो जाते थे। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी इस गिरोह को पकड़ने के लिए काफी लंबे समय से अभियान चला रहे थे। आखिरकार गिरोह के सभी सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार सभी आरोपितों को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने सभी को पूछताछ के लिए 10 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

बरपेटा के राम मंदिर और तीन दुकानों में चोरी

बरपेटा (हि.स.)। बरपेटा शहर के बीचोबीच स्थित राम मंदिर में चोरी होने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। रविवार की रात राम मंदिर के अलावा तीन अन्य दुकानों में भी चोरों ने हाथ साफ कर दिया। बताया गया है कि रविवार रात को चोरों ने बरपेटा शहर में स्थित राम मंदिर की दान पेटी को तोड़कर करीब 20 हजार रुपये चुरा लिए। पहले भी बरपेटा के राम मंदिर की दान पेटी से 40 हजार रुपये से अधिक की धनराशि चोरी हुई थी। चोरों ने राम मंदिर के पास ही कामाख्या इंटरप्राइजेज, दास एजेंसी और पारिजात रेस्टोरेंट में घुसकर नकदी और सीसी टीवी के कैमरे का डीवीआर चुराकर फरार हो गए। कामाख्या एंटरप्राइज नामक बिजनेस फर्म में भी अब तक दो महीने में तीन बार चोरी हो चुकी है जबकि दास एजेंसी में दो बार चोरों हो चुकी है। सोमवार सुबह चोरी की जानकारी मिलने पर व्यापारियों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटनाओं की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम जांच के लिए पहुंची। व्यापारियों ने पुलिस पर चोरों को पकड़ने के बदले उल्टे व्यापारियों को परेशान करने का आरोप लगाया है।

अवैध रूप से रेत ले जा रहे दो वाहन जब्त

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के दक्षिण कामरूप के चंपूपारा और सोनतली में वन विभाग ने अलग-अलग छापेमारी कर दो वाहनों को जब्त किया है। वाहन चालक मौके से फरार होने में सफल हो गए। वन विभाग ने सोमवार को बताया है कि एक सूचना के आधार पर गोराईमारी वन विभाग के प्रभारी अधिकारी नृपेन कलिता के नेतृत्व में छापामार कर सोनतली से अवैध रूप से रेत ले जा रहे एक डीआई पिकअप और गोराईमारी के सांपुपारा से उक ट्रैक्टर को जब्त किए गए।

आईआईटी, गुवाहाटी के शोधकर्ता ने बनाया क्षतिग्रस्त हृदय को ठीक करने के लिए कार्डियक प्रोटीन

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-गुवाहाटी (आईआईटी-जी) की एक शोध टीम एक ऐसी तकनीक लेकर आई है जो त्वचा की कोशिकाओं को हृदय की कोशिकाओं में बदल सकती है और क्षतिग्रस्त हृदय के ऊतकों को पुनर्जीवित करने के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। बायोसाइंसेस और बायोइंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजकुमार पी. थुम्मर के नेतृत्व में टीम ने अपने शोध विद्वान कृष्ण कुमार हरिदासपवलन के साथ छह विशेष प्रोटीन युक्त एक पुन: संयोजक प्रोटीन टूलबॉक्स विकसित किया है, जिसका उपयोग स्वस्थ त्वचा को बदलने के लिए किया जा सकता है। कोशिकाओं या किसी भी दैहिक कोशिकाओं को एक वयस्क मानव शरीर से हृदय कोशिकाओं में विशेष रूप से कार्डियोमायोसाइट्स में। इस टूलबॉक्स का उपयोग करके बनाई गई हृदय कोशिकाओं में मूल हृदय कोशिकाओं के समान कार्य हो सकते हैं और क्षतिग्रस्त हृदय के ऊतकों को पुन: उत्पन्न करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। महत्वपूर्ण रूप से, यह टूलबॉक्स प्रयोगशाला में ऑटोलॉगस हृदय कोशिकाओं के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकता है।अब यह अच्छी तरह समझ में आ गया है कि दिल का दौरा तब होता है जब दिल का कोई हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाता है। जेब्राफिश जैसे कुछ जानवरों में, हृदय क्षतिग्रस्त होने के बाद वापस बढ़ सकता है, लेकिन मनुष्यों में, हृदय में नई हृदय कोशिकाओं के वापस बढ़ने के बजाय आमतौर पर निशान ऊतक बन जाते हैं। हृदय रोग का इलाज करने का एकमात्र तरीका एक नया दिल है, लेकिन प्रत्यारोपण के लिए पर्याप्त दिल उपलब्ध नहीं हैं, और यह सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है कि नया दिल शरीर द्वारा स्वीकार किया जाता है।दुनिया भर के वैज्ञानिक नियमित शरीर की कोशिकाओं को हृदय की कोशिकाओं में बदलने के तरीकों का अध्ययन कर रहे हैं, जो क्षतिग्रस्त हृदयों को पुनर्जीवित करने में मदद कर सकते हैं। चुनौती यह है कि कोशिकाएं उन तरीकों से बदल सकती हैं जो हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए, वैज्ञानिकों को ऐसा करने के लिए एक बेहतर, सुरक्षित तरीका खोजने की जरूरत है।

बटद्रवा थाने के नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन

नगांव (हि.स.)। नगांव जिलांतर्गत बटद्रवा थाने के नवनिर्मित भवन का सोमवार को पूरे विधिविधान से उद्घाटन किया गया। सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक (मध्य संभाग असम) देबज्योति मुखर्जी ने बटद्रवा थाना के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगांव जिला पुलिस अधीक्षक लीना दलै, देवानंददेव गोस्वामी, बटद्रवा नरोवा सत्र (मठ) के सत्राधिकार (महंत) और शालगुड़ी सत्र के सत्राधिकार योगेंद्रनारायण देव महंत भी उपस्थित थे। बटद्रवा पुलिस जनहित जनसेवार्थ के आदर्श वाक्य के साथ नए उत्साह के साथ लोगों के लिए काम करने के लिए तैयार है। पूरे देश को झंझकोरने वाली घटना में बटद्रवा थाना को जलाने के बाद चर्चा में आया था। अब भवन पुन: तैयार किया गया है। पिछले वर्ष 21 मई को उपद्रवियों ने बटद्रवा पुलिस थाना में आग लगा दी थी। उल्लेखनीय है कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली की पावन भूमि में स्थित बटद्रवा थाना को असम सरकार की मैत्री योजना के तहत बेहद सुंदर तरीके से तैयार किया गया है।

CORRIGENDUM

No.BMJ/50/2018/84: In continuation of this office order No.BMJ/50/2018/83 dated 02/02/2023 the para No. 5 may be read as follows :

5. Notary/Kazi should not indulge in practice of making unlawful affidavits for supporting child marriage and agreements between underage people for marriage for present or future. Necessary action under Section 10 and 11 of Prohibition of Child Marriage Act, 2006 will be taken for cancellation of license on case-wise basis and disciplinary proceedings as mentioned in law shall be initiated. For advocates, Bar Council will be approached for such type of misconduct if any.

This order shall come into force with immediate effect.

-- Janasanyog / D/22404/ 22

Deputy Commissioner, Bongaigaon

गरबेड़ा में बाल यौन शोषण के आरोपी को भेजा जेल

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के नगरबेड़ा थाने अंतर्गत चेनीमारा में बाल यौन शोषण करने का आरोप में आज एक युवक को पुलिस ने जेल भेज दिया। जानकारी मुताबिक है कि पुलिस थाने के नाईटर बिद्यानगर गांव के निवासी समेज आली (30) बीती 16 फरवरी की रात पास के चेनीमारा गांव में रात करीब 8 बजे एक बच्ची का यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की। पीड़िता के पिता ने कल नगरबेड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई और आरोपी ने आज सुबह पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने 35/23 नंबर के तहत मामला दर्ज कर युवक को आज न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

मिसांसस ने पूर्व डीजीपी महंत को दिया डॉ. भूपेन हजारिका सांस्कृतिक सम्मान

गुवाहाटी। राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक भाष्कर ज्योति महंत ने मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति के तर्ज पर जनजाती समाज के बीच सांस्कृतिक समन्वय के लिए कार्य करने की जरूरतों पर बल दिया है। रविवार को मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति (मिसांसस) गुवाहाटी के तत्वावधान में आयोजित 22वां विद्यापति स्मृति पर्व समारोह सह असम मिथिला विभूति स्मृति पर्व समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महंत ने कहा कि समिति मिथिला और असम के बीच सांस्कृतिक एवं साहित्यिक सेतु का काम कर रही है और इसी तर्ज पर हमें राज्य के जनजातीय समाज के बीच सांस्कृतिक समन्वय के लिए कार्य करना चाहिए। समिति ने पूर्व डीजीपी को डॉ.भूपेन हजारिका सांस्कृतिक सम्मान से सम्मानित किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद भाष्कर ज्योति महंत ने कहा, भूपेन दा के साथ सिरियल डाक्यूमेंट्री में काम करने का मौका मिला था। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विवेकानंद झा (पूर्व आईएएस) ने कहा कि वे असम के लिए नवागंतुक है पर सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में जुटे हैं। वहीं मधुरानी ठाकुर (पूर्व आईएएस) ने अपना उद्‌गार प्रकट करते हुए कहा कि विद्यापति स्मृति पर्व समारोह मिथिला और असम का एक अद्‌भुत मिलन है। जबकि अटल मैथिली सम्मान से सम्मानित कवि कमलकांत झा ने भाषा संस्कृति संरक्षण संवर्धन पर काम करने कीजरूरत बताई। वहीं राजकमल चौधरी मैथिली साहित्य सम्मान से सम्मानित मैथिली साहित्यक तानंद वियोगी ने कहा कि पूर्वोत्तर मैथिल पत्रिका देश भर के विद्वत मंडली में अपना स्थान बनाया हुआ है। माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर मैथिल के संपादक और समिति की मुख्य सलाहकार प्रेमकांत चौधरी ने कहा कि आप दुनियां की समस्त भाषा सीखें बच्चों को सिखाये परंतु मातृभाषा के स्थान पर कोई आ दूसरी भाषा नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि बंगलादेश का निर्माण भी में मातृभाषा का ही देन है। उन्होंने आग्रह किया कि आगामी 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस पर सबलोग अपनी-अपनी मातृभाषा को आदरपूर्वक मनाएं और उसका सम्मान करें। समिति के अध्यक्ष सत्य नारायण साहु ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि समिति अपने उद्देश्य में सफल हो रही है। कार्यक्रम की उद्घोषणा सरोज कुमार मिश्र ने किया वहीं साहित्य संस्कृति का मंच संचालन जगनिवास झा ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन कमलाकांत झा ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में अवनींद्र नाथ ठाकुर ने अपने पिता स्वर्गीय रवींद्र नाथ ठाकुर की रचना प्रस्तुत कर अतुलनीय कला का परिचय दिया। कुम कुम मुखर्जी ,सौम्या मिश्रा और नवोदित कलाकार ऋषभ कुमार ने भी दर्शकों को अपनी गीतों से झुमाया। साजपर आनंद, अमन और आनन्द कुमार थे। सत्र के समापन पर समिति के महासचिव विष्णु देव झा अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

पूसीरे दो लंबे मालगाड़ियों का करेगी परिचालन

गुवाहाटी (विभास)। पूसी रेल ने पहली बार दो लंबी मालगाड़ियों त्रिशूल 1 और त्रिशूल 2 का न्यू गुवाहाटी से तीस्ता ब्रिज केबिन तक सफलतापूर्वक परिचालन किया है। यह ट्रेनें सामान्य संरचना की मालगाड़ियों की अपेक्षा दोगुना या कई गुना लंबी होती हैं। लंबी ट्रेनों के चलने से व्यस्त अनुभागों में भारी दबाव को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे निर्बाध गति में वृद्धि होगी। मालगाड़ी में सामान्य तौर पर 42 वैगन होते हैं। इससे अधिक लंबी मालगाड़ी की किसी भी संरचना को लॉन्ग हॉल ट्रेन के रूप में परिभाषित किया गया है। ये ट्रेनें खाली या भरी हुई हो सकती हैं। पहली लंबी ट्रेन त्रिशूल 1 जो 3 मालगाड़ियां से मिलकर गठित की गई थी। इसमें कुल 128 वैगन, 3 डीजल इंजन और 3 चालक कर्मी दल शामिल थें। यह लगभग 2 कि.मी. लंबा था। त्रिशूल 1 न्यू गुवाहाटी से 16 फरवरी, 2023 को 03:15 बजे रवाना हुई और उसी दिन 15:36 बजे तीस्ता ब्रिज केबिन पहुंची। इसने 36 कि.मी. प्रति घंटे की औसत गति से 12 घंटे 30 मिनट में लगभग 440 किलोमीटर की दूरी तय की। दूसरी लंबी ट्रेन त्रिशूल 2 जो 3 मालगाड़ियों से मिलकर गठित की गई थी। इसमें कुल 128 वैगन, 2 डीजल इंजन और 2 चालक कर्मी दल शामिल थें। यह न्यू गुवाहाटी से 02:30 बजे रवाना हुई और 14:40 बजे तीस्ता ब्रिज केबिन पहुंची। इस ट्रेन ने 36.2 कि.मी. प्रति घंटे की औसत गति से 12 घंटे 10 मिनट में लगभग 440 किलोमीटर की दूरी तय की। सामान्य मालगाड़ियों की तुलना मे इन लंबी ट्रेनों ने लगभग 3500 लीटर ईंधन और लगभग 30-35 घंटे के यात्रा समय की बचत की। यह सफलतापूर्ण प्रयोग पूसी रेल को रेल मार्गों और गुड्स केंद्रों पर वैगनों की बढ़ती मांग के दबाव को दूर करने में मदद कर सकती है। ट्रेनों की संख्या में कमी के परिणामस्वरूप रोलिंग स्टॉक की गति बढ़ाने में भी लाभदायक है।

No. GFM/Offence/GENL/Notice/871

NOTICE

The following vehicles have been seized by Ranges under this Division for violation under Section 49 (1) of A.F.R. Act'1891 (Amendment Act'1995, Vol, VII) section 34, 40 and other relevant section of AFR Act'1891 and are unclaimed. Therefore vide this notice all the owners of the following vehicles are hereby directed to claim the vehicles at the O/o the undersigned within 7 (seven) days from the publication of this notice without fail. Otherwise the vehicles will be confiscated by the Govt. of Assam as per Rule.

Sl. No.	Name of Range	Date of seizure	Vehicle Registration No.	Chassis No.	Engine No.	Type of Vehicle
1	2	3	4	5	6	7
1	Bamunigaon Range	25.10.2022	Nil	MAT445112BUG56571		TATA MAGIC
2	Bamunigaon Range	12.09.2022	Nil	Nil	KZYSE7361	TATA MAGIC
3	Bamunigaon Range	26.11.2022	ML-07A-5050	Nil	Nil	TATA MAGIC
4	Bamunigaon Range	09.10.2022	AS-01CC-6041	Nil	Nil	Bolero Pick-Up
5	Bamunigaon Range	05.12.2021	AS-01DD-6176	Nil	Nil	Auto Van
6	Bamunigaon Range	18.03.2022	Asd-01DD-3821	Nil	Nil	Auto Van
7	Loharghat Range	11.04.2022	Nil	84VEJ355578P	Nil	Truck
8	Singra Range	01.03.2022	Nil	Nil	Nil	Bolero Pick-Up
9	Singra Range	05.03.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
10	Singra Range	10.02.2022	Nil	Nil	Nil	Truck
11	Singra Range	24.06.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
12	Singra Range	30.10.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
13	Singra Range	25.01.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
14	Singra Range	28.01.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
15	Singra Range	06.01.2022	AS-01CC-7909	Nil	Nil	TATA DI
16	Singra Range	27.12.2022	Nil	Nil	Nil	Bolero Pick-Up
17	Singra Range	31.01.2022	AS-01CC-8815	Nil	Nil	MAXIMO
18	Singra Range	29.05.2022	AS-13C-3454	Nil	Nil	MAGIC VAN
19	Singra Range	29.05.2022	AS-25LC-3920	Nil	Nil	MAGIC VAN
20	Singra Range	06.10.2021	Nil	Nil	Nil	TATA DI Rx. Pick-up
21	Singra Range	26.05.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
22	Singra Range	08.12.2022	AS-25DC-0762	Nil	Nil	Bolero Pick-Up
23	Singra Range	26.04.2022	Nil	Nil	Nil	TATA DI
24	Singra Range	17.03.2022	AS-18C-4248	Nil	Nil	TATA Di

Authorized Officer cum Divisional Forest Officer, Kamrup West Division, Bamunigaon.

-- Janasanyog /D/22372/ 22

मध्य प्रदेश में शराब अहाते बंद करने का कैबिनेट का निर्णय क्रांतिकारी : उमा भारती

कहा- 'शराब छोड़ो दूध पियो' अभियान को हम और सशक्त करके सरकार का करेंगे सहयोग

भोपाल, (हि.स.)। भाजपा की तेजतर्रार नेत्री और मप्र की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शिवराज सिंह चौहान सरकार के कैबिनेट की बैठक में शराब दुकान के साथ लगे अहाते बंद करने के निर्णय की जमकर तारीफ की है। उन्होंने मप्र कैबिनेट के निर्णय को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बताते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया है। साथ ही कहा है कि शराब छोड़ो, दूध पियो अभियान को हम और सशक्त करके सरकार का सहयोग करेंगे। दरअसल, उमा भारती राज्य में शराबबंदी को लेकर अभियान चला रही हैं और शराब दुकानों के खिलाफ लगातार सक्रिय हैं। इसी का दबाव शिवराज सरकार पर दिखाई दिया। रविवार देर शाम हुई शिवराज कैबिनेट की बैठक में शराब को हतोत्साहित करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। इनमें शराब दुकानों पर बैठकर पीने की अनुमति नहीं और अहाते बंद कराने का फैसला अहम है। उमा भारती ने सोमवार को सिलसिलेवार ट्वीट के माध्यम से कहा है कि मध्य प्रदेश मंत्रिपरिषद की कल शाम हुई बैठक में हमारी सरकार के द्वारा घोषित की गई शराब नीति एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी निर्णय है। इसके लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेश के सभी नागरिकों खासकर के महिलाओं की तरफ से अभिनंदन। शराब की दुकान के सामने

बैठकर शराब पीने का पूर्णतयाः निषेध। उन्होंने लिखा कि पूरे प्रदेश के अहाते बंद करने का निर्णय और शराब पीकर वाहन चलाने पर सजा के प्रावधान इस नीति के वह विशेष अंग हैं, जो नई शराब नीति के लिए मध्य प्रदेश को माडल स्टेट बना रहे हैं।

उन्होंने आगे लिखा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने अपनी सरकार के इरादे स्पष्ट कर दिए कि जनहित हमारे लिए सर्वोपरि है। इस शराब नीति का यह बिंदु बहुत महत्वपूर्ण है कि जिन शराब की दुकानों के लिए भारी जन विरोध हुआ है उनकी नीलामी ही नहीं होगी। इसलिए जब नई शराब नीति का क्रियान्वयन होगा तो सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को तथा पुलिस एवं प्रशासन को बहुत सजग रहना होगा। मुख्यमंत्री ने अपनी वचनबद्धता पूरी की, अब आपको अपना कर्तव्य पूरा करना है। इस शराब नीति से मेरे बड़े भाई ने व्यक्तिगत तौर पर मुझे परम संतोष एवं गौरव प्रदान किया है। उमा भारती ने आगे लिखा है-मुझे विश्वास है कि शिवराज की घोषित की गई नई शराब नीति अन्य राज्यों के लिए भी माडल नीति बन जाएगी। मध्य प्रदेश पहले से ही गौवंश पर आधारित आर्गेनिक खेती में बहुत आगे बढ़ चुका है 'शराब छोड़ो दूध पियो' अभियान को हम और सशक्त करके सरकार का सहयोग करेंगे।

प्रधानमंत्री का उत्तराखंड के लोगों से राष्ट्र और राज्य के विकास में योगदान का आह्वान

-रोजगार मेला को वर्चुअली संबोधन में कहा-पहाड़ के पानी और पहाड़ की जवानी पर पुरानी अवधारणा को बदलना होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज (सोमवार) उत्तराखंड के रोजगार मेला को वर्चुअली (वीडियो कॉन्फ्रेंस) संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आप सब राज्य और राष्ट्र के विकास और विश्वास के प्रयासों में भरपूर योगदान दें। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से युवाओं को नई सदी के लिए तैयार करने का संकल्प लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में इस संकल्प को जमीन पर उतारने का दायित्व आप जैसे युवा साथियों के कंधों पर है। केंद्र सरकार हो या उत्तराखंड की भाजपा सरकार हो हमारा यह निरंतर प्रयास है कि हर युवा को उसकी रुचि, योग्यता के अनुसार नए अवसर मिलें। सभी को आगे बढ़ने का उचित माध्यम मिले। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में केंद्र सरकार ने देश के लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए हैं। हमें उस पुरानी धारणा को बदलना है कि पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी पहाड़ के काम नहीं आती। इसलिए केंद्र सरकार का निरंतर यह प्रयास रहा है कि पहाड़ में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित किए जाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज उत्तराखंड में इंफ्रॉस्ट्रक्चर पर इतना निवेश हो रहा है कि दूर-सुदूर तक आना-जाना तो आसान हो ही रहा है, रोजगार के भी नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उत्तराखंड के सुदूर के इलाके रोड, रेल और इंटरनेट से जुड़ रहे हैं। इससे पर्यटन का भी विस्तार हो रहा है। नए पर्यटन स्थल पर्यटन मानचित्र पर उभर रहे हैं। इससे उत्तराखंड के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है। इससे पलायन पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना भी रोजगार व स्वरोजगार में बड़ी मदद कर रही है। पूरे देश में 38 करोड़ मुद्रा ऋण दिए जा चुके हैं। उत्तराखंड के हजारों साथी भी इसका लाभ ले चुके हैं।

दिल्ली में भड़काऊ भाषण मामले की जांच अंतिम चरण में, दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिसंबर 2021 में दिल्ली में भड़काऊ भाषण मामले पर सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जांच अंतिम चरण में है। जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि चार्जशीट निचली अदालत में जमा करवाएं, उसकी कॉपी हमें भी दें। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल में होगी। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से एएसजी केएम नटराज ने कहा कि वायस सैंपल की रिपोर्ट आने का इंतजार है। इसके पहले दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि जांच निष्पक्ष रूप से की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि सुदर्शन टीवी के संपादक सुरेश चव्हाणके समेत कई लोगों की भूमिका की जांच अंतिम चरण में है। जल्द ही निचली अदालत में रिपोर्ट दाखिल की जाएगी। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि कथित घृणास्पद भाषण वाली वीडियो की जांच की गई है और उसकी ट्रांसक्रिप्ट तैयार की गई है। 13 जनवरी को भड़काऊ मामले पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टीवी चैनल्स की कार्यप्रणाली पर चिंता जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि मीडिया को विभाजन नहीं पैदा करना चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों को ऑफ एयर कर देना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह बताए कि इन घटनाओं को रोकने के लिए किस तरह का कानून ला सकती है। कोर्ट ने कहा था कि टीवी चैनल्स टीआरपी के पीछे भागते हैं। वे खबरों को सनसनीखेज बनाते हैं और अपना एजेंडा चलाते हैं। टीवी चैनल्स विजुअल के जरिये समाज में विभाजन पैदा करते हैं। विजुअल मीडिया एक अखबार से ज्यादा प्रभावी होता है। कोर्ट ने न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन के वकील से कहा कि अगर कोई एंकर किसी प्रोग्राम की समस्या का हिस्सा होता है तो आप क्या कार्रवाई करते हैं। आपको पक्षपातपूर्ण नहीं होना चाहिए। किसी भी सीधा प्रसारण में कार्यक्रम की निष्पक्षता एंकर पर निर्भर करती है। अगर एंकर निष्पक्ष नहीं है तो वो एकपक्ष को म्यूट करता है और दूसरे पक्ष को प्रमोट करता है। ऐसे एंकर को ऑफ एयर कर देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एयर इंडिया की फ्लाइट में एक व्यक्ति के पेशाब करने के मामले के प्रसारण में टीवी चैनल्स के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा था कि किसी भी व्यक्ति की गरिमा के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता के वकील निजाम पाशा ने एंकर सुरेश चव्हाणके का मुसलमानों और ईसाइयों के खिलाफ भड़काने वाले बयानों के बारे में बताया। इस पर सुरेश चव्हाणके के वकील विष्णु शंकर ने जाकिर नाईक और अकबरुद्दीन ओवैसी के भाषणों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब कार्रवाई हो तो दोनों के खिलाफ हो। तब जस्टिस जोसेफ ने कहा कि पिछले फैसले में हमने कहा था कि भड़काऊ भाषण देने वाला जिस भी धर्म का हो, उस पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी केएम नटराज ने कहा कि मीडिया स्व-नियमन का पालन करती है। जब तक कुछ गंभीर घटित न हो, जिससे देशहित और राष्ट्रीय सुरक्षा जुड़ा हो, केंद्र सरकार कुछ नहीं करती है। उन्होंने कहा कि भड़काऊ भाषणों के मामले में केंद्र सरकार अपराध प्रक्रिया संहिता में बदलाव करना चाहती है। इसके लिए संबंधित पक्षों से राय मांगी गई है। इस पर अंतिम फैसला संसद को करना है। उसके बाद कोर्ट ने सभी राज्यों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार को हरिद्वार धर्म संसद में भड़काऊ भाषण देने के मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उत्तराखंड सरकार ने कोर्ट को बताया कि पिछले आदेश के बाद राज्य में पुलिस ने स्वयं 23 एफआईआर दर्ज किए हैं। उन्होंने पुलिस की ओर से स्वयं एफआईआर दर्ज करने की व्यावहारिक परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा कि जब पुलिस ही शिकायतकर्ता हो जाती है तो शिकायत और जांच की दूरी मिट जाती है। तब कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार से कहा कि केवल एफआईआर दर्ज करना ही काफी नहीं है, चार्जशीट भी दाखिल होनी चाहिए।

भारत का यूपीआई जुड़ेगा सिंगापुर के पे-नाउ से, प्रधानमंत्री लांच कार्यक्रम में लेंगे वर्चुअली भाग

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और सिंगापुर के पे-नाउ के बीच क्रॉस-बॉर्डर कनेक्टिविटी लॉन्च के गवाह बनेंगे। इन दो भुगतान प्रणालियों के जुड़ने से दोनों देशों के निवासी आसानी से पैसा एक दूसरे के देश में अपनों को भेज पायेंगे। कनेक्टिविटी लॉन्च भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास और सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक रवि मेनन द्वारा किया जाएगा। इससे सिंगापुर में भारतीय डायस्पोरा, विशेष रूप से प्रवासी श्रमिक और छात्र वहां से भारत में तत्काल और कम लागत पर पैसा भेज पायेंगे और यही सुविधा यहां रह रहे सिंगापुर के लोगों को मिलेगी। उल्लेखनीय है कि फिनटेक इनोवेशन के लिए भारत सबसे तेजी से बढ़ते इकोसिस्टम में से एक के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री का इस बात पर जोर है कि यूपीआई के लाभ केवल भारत तक ही सीमित न हों, बल्कि अन्य देश भी इससे लाभान्वित हों।

मंडी शहर की निगरानी करेगा व्योमनेत्र, सीएम ने किया क्राइम रिस्पांस सेंटर का लोकार्पण

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को मंडी स्थित ओल्ड पुलिस लाइन में तीन करोड़ रुपये की लागत से निर्मित व्योमनेत्र का लोकार्पण किया। यह सेंटर किसी भी आपातकालीन स्थिति में बेहतर संचार और निगरानी के साथ आपदा की प्रतिक्रिया की क्षमता में बढ़ोतरी करेगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोगों को बेहतर कानून व्यवस्था प्रदान करने के लिए शहर में अत्याधुनिक तकनीक युक्त 250 कैमरे स्थापित किए गए हैं जिससे शहर के आने-वाले वाले स्थलों पर निगरानी की जा सकेगी। व्योमनेत्र चोरी, अपराध नियंत्रण जैसे संदिग्ध मामलों में निगरानी करने में भी सहायक सिद्ध होगा। यह प्रणाली सुंदरनगर में स्थापित इंटैलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ क्लाउड बेसड तकनीक के साथ एकीकृत की गई है

जिससे मंडी शहर की ट्रैफिक व्यवस्था की निगरानी की जाएगी। भविष्य में व्योमनेत्र को ड्रोन के माध्यम से निगरानी और अन्य तकनीक से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कंट्रोल पोस्ट ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने में तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया में मददगार साबित होगी। व्योमनेत्र आपातकालीन स्थिति में राहत प्रदान करने में आने वाली समस्याओं का भी समाधान करेगा और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करने में प्रभावशाली तंत्र प्रदान करेगा।

शिवसेना विवाद: निर्वाचन आयोग के आदेश को उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, (हि.स.)। शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट ने निर्वाचन आयोग के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट चुनौती दी है जिसमें शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी गई है। याचिका में शिंदे गुट को धनुष-बाण चुनाव चिह्न आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। निर्वाचन आयोग ने 17 फरवरी को एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना करार देते हुए धनुष-बाण चुनाव चिह्न

आवंटित किया है। आयोग ने पाया था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। निर्वाचन आयोग ने कहा था कि शिवसेना के मूल संविधान में अलोकतांत्रिक तरीकों को गुपचुप तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी निजी जागीर के समान हो गई। इन तरीकों को निर्वाचन आयोग 1999 में नामंजूर कर चुका था। पार्टी की ऐसी संरचना भरोसा जगाने में नाकाम रहती है। निर्वाचन आयोग के इस आदेश के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। धनुष-बाण चुनाव चिह्न बाल ठाकरे के समय से शिवसेना का चुनाव चिह्न रहा है।

दिल्ली में ओवैसी के सरकारी आवास पर पथराव

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रीय राजधानी के अशोक रोड स्थिति अपने सरकारी आवास पर पथराव की शिकायत रविवार देररात संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि उनके आवास पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला किया है। शिकायत दर्ज होने के बाद एडिशनल डीसीपी ने उनके आवास का दौरा किया। पुलिस का कहना है कि साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ओवैसी ने कहा है कि वह देररात रात 11:30 बजे लौटे तो

पता चला कि उनके आवास पर पत्थर फेंके गए हैं। ओवैसी ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उपद्रवियों के एक समूह ने पथराव कर खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। मेरे नौकर ने बताया है कि शाम करीब 5:30 बजे निवास पर पत्थर फेंके गए। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा है कि उनके आवास पर इस तरह का यह चौथा हमला है। दोषियों को तुरंत पकड़ा जाना चाहिए।

कोलकाता में एडीनो वायरस का कहर, दो महीने में 11 बच्चों की मौत

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता समेत पूरे राज्य में एडिनो वायरस का कहर बरकरार है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि पिछले दो महीने में 11 बच्चों की मौत हो चुकी है। यह चिंताजनक आंकड़ा है। पता चला है कि रविवार तक सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में तकलीफ की वजह से इन बच्चों की मौत हुई है। स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत इतनी बदहाल है कि कोलकाता से लेकर राज्य भर के प्रत्येक अस्पताल में शिशु रोग विभाग के जनरल बेड सहित पेडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीकू) का एक भी बेड खाली नहीं है। वेंटिलेटर भी खाली नहीं है। रविवार को ही बीसी रॉय शिशु अस्पताल में भांगड़ के रहने वाले छह महीने के बच्चे मेहंदी हसन की मौत हुई है। उसके मृत्यु प्रमाणपत्र पर मौत की वजह के तौर पर एक्यूट रेस्पिरेट्री फैलियर का जिक्र किया गया

है। इंस्टिट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ के पीकू विभाग के प्रधान चिकित्सक प्रभास प्रसून गिरी ने बताया कि एडिनो वायरस फिलहाल महामारी का रूप ले चुका है। जिन बच्चों की उम्र दो साल से कम है उनमें संक्रमण का डर ज्यादा है।

एक साल से कम उम्र के बच्चों में और चिंता है। उल्लेखनीय है कि राज्य स्वास्थ्य विभाग वायरस के संक्रमण को लेकर पहले से सतर्क है। सभी अस्पतालों को विशेष निर्देश भेजे गए हैं जिसमें कि रात 12:00 बजे से लेकर दूसरे दिन रात 12:00 बजे तक ऐसे संक्रमण से पीड़ित बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनकी पूरी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेज दी है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि अचानक हालात चिंताजनक हो गए हैं। हालात पर नजर रखी जा रही है। जिला अस्पतालों को स्पष्ट कर दिया गया है कि हालात अगर सामान्य हो तो तुरंत रेफर ना करें। उल्लेखनीय है कि राज्य भर में हजारों बच्चों के एडिनोवायरस संक्रमित होने के दावे किए जा रहे हैं।

दिल्ली में चलने वाली बाइक टैक्सियों को चेतावनी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर चलने वाली बाइक टैक्सियों को चेतावनी दी है। इसमें कहा गया है कि यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 का उल्लंघन है। इसका उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। परिवाह विभाग ने सार्वजनिक नोटिस में कहा है कि दोपहिया वाहनों का व्यावसायिक उद्देश्य से प्रयोग मोटर वाहन अधिनियम, 1988 का उल्लंघन है। पहली बार उल्लंघन करते पाए जाने पर 5,000 रुपये का जुर्माना, दूसरी बार पकड़े जाने पर 10,000 रुपये का जुर्माना और एक साल तक की जेल हो सकती है। ऐसी परिस्थिति में वाहनचालक का लाइसेंस भी तीन

महीने के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। नोटिस में साफ कहा गया है कि कुछ ऐप आधारित कंपनियां खुद को कंपनी के तौर पर प्रस्तुत करती हैं। ऐसा करना1988 अधिनियम का उल्लंघन है। यह उल्लंघन एक लाख रुपये के जुर्माने के साथ दंडनीय है। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरूआत में सुप्रीम कोर्ट ने बाइक टैक्सी कंपनी रैपिडो को लाइसेंस नहीं देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ कंपनी को राहत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 2019 में मोटर वाहन अधिनियम में किए गए संशोधनों में स्पष्ट किया गया है कि कंपनियां बिना वैध लाइसेंस के संचालन नहीं कर सकती हैं।

राष्ट्रपति ने स्थापना दिवस पर अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम के लोगों को बधाई दी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज (सोमवार) सुबह अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर दोनों राज्य के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा यह दोनों राज्य भारत की समृद्ध संस्कृति और विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया-'अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई। ये राज्य भारत की समृद्ध संस्कृति और विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। हाल ही में अपनी यात्रा के दौरान मिजोरम में गर्मजोशी भरे स्वागत से

मैं बहुत प्रभावित हुई हूं। मैं आज ईटानगर में स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करने को लेकर काफी उत्सुक हूं।' उल्लेखनीय है कि 20 फरवरी, 1987 को अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम को केंद्र शासित प्रदेश की जगह राज्य का दर्जा प्रदान किया गया था।

बदले की भावना से मोदी सरकार छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेताओं के घर करा रही है छापेमारी : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार बदले की भावना से छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेताओं के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से छापेमारी करवा रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि सोमवार सुबह से ही छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष, पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष और एक विधायक सहित कई साथियों के घरों पर आज ईडी ने छापेमारी की है। खेड़ा ने कहा कि अडानी समूह पर लगे आरोपों की जांच की मांग करने और भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से मोदी सरकार परेशान है। इस लिए कांग्रेस को चुप कराने के लिए ईडी सहित जांच एजेंसियों के माध्यम से कांग्रेस नेताओं को परेशान करा रही

है। खेड़ा ने कहा कि चार दिन बाद रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन है। कांग्रेस नेता अधिवेशन की तैयारियों में लगे थे। मोदी सरकार इन साथियों के हौसले को तोड़ना चाहती है। लेकिन ऐसा संभव नहीं होगा। कांग्रेस ईडी की छापेमारी से डरने वाली नहीं है। खेड़ा ने कहा कि केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद से तीन हजार से अधिक छापेमारी की कार्रवाई हुई है। जिसमें से 95 फीसदी छापेमारी विपक्षी नेताओं पर हुई हैं। खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार और अधिकारियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कांग्रेस भी सत्ता में आएगी। ऐसे में किसी को भी हमारी शराफत को हमारी कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

सेवा भारती की बड़ी पहल, परित्यक्त बच्चे को बेहतर जीवन देती है मातृछाया

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के मियांवाली नगर में अनाथ बच्चों की देखभाल करने वाली संस्था मातृछाया में रविवार को एक छह माह की बच्ची को एक दम्पति ने गोद लिया। परित्यक्त और निराश्रित बच्चों की देखभाल के उद्देश्य से संचालित मातृछाया सेवा भारती दिल्ली प्रांत का एक प्रकल्प है परित्यक्त शिशुओं के लिए घर उपलब्ध कराना पहल के पीछे सेवा भारती का मुख्य उद्देश्य है। 2002 से मातृछाया कई शिशुओं का घर रहा है। इन बच्चों को अस्पतालों, पुलिस स्टेशनों और दूसरी कई जगह में छोड़ दिया जाता है। इन शिशुओं को मातृछाया द्वारा पालन पोषण किया जाता है। साथ ही निसंतान दंपति को उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से शिशुओं को गोद लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है। मातृछाया ने निराश्रित शिशुओं और निःसंतान दंपतियों के बीच की खाई को पाट दिया। अब तक 353 परित्यक्त शिशुओं को परिवारों द्वारा

गोद लिया गया है। मातृछाया ने निराश्रित शिशुओं के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सेवा भारती ने अपने माता-पिता से बिछड़े लापता बच्चों के माता-पिता को खोजने और उन्हें वापस लाने में भी मदद की है।

सेवा भारती की स्वयं से पहले सेवा की भावना और कल्याण की भावना के कारण अब तक 52 बच्चों को उनके परिवारों से मिलवाया गया है। सेवा भारती अलग-अलग अनाथालयों में परित्यक्त बच्चों के पुनर्वास में भी मदद करती है। 30 बच्चों को 6 साल से कम उम्र के प्रतिबंध और अन्य चिकित्सा और स्वास्थ्य मुद्दों के कारण मातृछाया से अन्य अनाथालयों में स्थानांतरित किया गया है। मातृछाया का संचालन दान से प्राप्त धन और अन्य चीजों कपड़ों, दवाओं और किताबों आदि से होता है। मातृछाया को गोद लिए हुए बच्चे अपना घर मानते हैं। वो अपना जन्मदिन मनाने और खुशियां फैलाने के लिए मातृछाया आते हैं। मातृछाया परिसर आसपास के निराश्रित बच्चों के लिए छोटे से शिक्षा केंद्र "शिशु वाटिका" के रूप में भी काम करता है। लगभग 40 बच्चे नियमित रूप से पढ़ते हैं। यहां सांस्कृतिक मूल्यों और सेवा की भावना और कल्याण की भावना पैदा करने की शिक्षा दी जाती है। गोद लेने की ऐसी ही एक रस्म में हिमाचल प्रदेश के एक दंपति ने 6 महीने के बच्चे को गोद लिया। दत्तक ग्रहण समारोह में डीके शुक्ला एसएचओ मियांवाली नगर, व्यवसायी कुलदीप कोहली और उपाध्यक्ष सेवा भारती दिल्ली प्रांत संजय जिंदल, योगेश गर्ग, प्रेम सागर भाटिया, राकेश कथूरिया, डॉ ज्योति कौर, नीरू महाजन और कई अन्य प्रमुख नागरिक शामिल हुए।

विधानसभा में शिवपाल के नेतृत्व में सपा विधायकों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र की शुरूआत से पहले सोमवार को विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के नेता सदन परिसर पर पहुंचे और चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने हंगामा शुरू कर दिया। शिवपाल यादव के नेतृत्व में दर्जनों विधायकगण हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों और मार्शलों ने रोक लिया। इस दौरान सपा नेताओं से सुरक्षा बलों की नोकझोंक भी हुई, लेकिन किसी को भी बैनर-पोस्टर के साथ सदन के अंदर जाने नहीं दिया गया। प्रदर्शन के दौरान सदन परिसर गेट पर धरने पर बैठे सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, रोजगार, कानून व्यवस्था को लेकर हम सदन में चर्चा करना चाहते हैं। शिवपाल ने कहा कि सदन में ज्यादा से ज्यादा सत्र को चलाया जाए, ताकि जनता से जुड़े मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा हो। इस दौरान विधायक मनोज पांडेय, अमिताभ बाजपेई सहित अन्य विधायकगण मौजूद थे। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शन करने वाले सपा नेताओं को सदन गेट से राज्यपाल के आने का रास्ता होने के चलते हटा दिया और सुरक्षा को

कड़ा कर दिया है। इस दौरान मीडिया कर्मियों के साथ भी सुरक्षा बलों द्वारा धक्का-मुक्की की बातें सामने आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से शुरू होगा। 22 फरवरी को सदन में योगी सरकार बजट प्रस्तुत करेगी। सत्र के दौरान किसानों की समस्याओं समेत विभिन्न मुद्दों को विपक्ष सदन में सरकार को घेरने की तैयारी में है। इसलिए सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। विधान भवन व लोकभवन के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

जो लोग इन्वेस्टर समिट में लगाए पौधे नहीं बचा सके वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। विधानमण्डल के बजट सत्र में शामिल होने से पूर्व विधानसभा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी झूठी सरकार है। जो लोग इन्वेस्टर समिट में लगाए पौधे को नहीं बचा पा रहे हैं वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार नौकरी में भेदभाव कर रही, सभी संस्थाओं को सरकार बर्बाद कर रही है। कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा ही जातिगत जनगणना की बात करती आई है। मुख्यमंत्री दूसरे प्रदेश से आए हैं इसलिए उनको जातिगत जनगणना और यहां के बारे में पता नहीं है। सरकार को जातीय जनगणना करानी चाहिए। इस सरकार ने गांव-गरीब को लूट लिया है। किसान, नौजवान सभी इस सरकार में परेशान है। किसानों को बीजेपी सरकार ने धोखा दिया है। यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। बीजेपी सरकार हर मुद्दे पर फेल है। अखिलेश यादव ने रामचरितमानस को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य के सवाल पर कहा कि इसका जवाब सदन में देंगे। इस दौरान सपा अध्यक्ष के साथ प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, राजेन्द्र चौधरी के साथ पार्टी के विधायक मौजूद थे।

सपा सदस्यों के हंगामे के बीच शुरू हुआ राज्यपाल का अभिभाषण

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के सदस्यों के हंगामे के बीच राज्यपाल आनंदी बेन पटेल का विधानसभा में अभिभाषण शुरू हो गया है। राज्यपाल विधानसभा और विधान परिषद के संयुक्त सदन को सम्बोधित कर रही हैं। सपा के सदस्य राज्यपाल वापस जाओ...वापस जाओ...की नारेबाजी कर रहे हैं। सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों उपमुख्यमंत्री मौजूद हैं। सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव और शिवपाल यादव भी मौजूद हैं। सपा के सदस्य जातीय आरक्षण, महिला विरोधी, गरीब विरोधी सरकार...जैसे नारेबाजी कर रहे हैं। अभिभाषण के दौरान राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के विकास का इंजन है। यूपी की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। सरकारी योजनाओं का लाभ जनता को मिल रहा है। यूपी में सबसे अधिक जनधन खाते खोले गये। गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश आ रहा है। यूपी में कानून व्यवस्था में भी सुधार हुआ है। सरकार ने कई एक्सप्रेसवे बनाए हैं। जिला मुख्यालयों को भी हाइवे से जोड़ा गया है। हर घर योजना के तहत गरीबों को घर दिये गये हैं। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि गांवों का विकास भी सरकार करा रही है। गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ा गया है।

गुण्डागर्दी व अराजकता करना सपा की पहचान : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा अराजकता की पर्याय है। गुण्डागर्दी व अराजकता करना सपा की पहचान है। सपा का चरित्र माहौल खराब करना है। उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ चला है। हम सभी जातियों को साथ लेकर चल रहे हैं। सपा के लोग माहौल खराब कर रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य से भाजपा हटने वाली नहीं है। जातीय जनगणना का मुद्दा सपा के लिए ढोंग है। जब सपा सत्ता में थी तो उसने इस पर कुछ किया नहीं। शिवपाल यादव सत्र के दौरान मीडिया इवेंट बना रहे हैं। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। इन्हें चिंता है कि अगर प्रदेश का विकास हो जायेगा तो जनता के पास किस मुंह से जायेंगे।

सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। विधानमण्डल के बजट सत्र में शामिल होने से पहले विधानसभा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमण्डल का सत्र आज से प्रारम्भ होने जा रहा है। प्रारम्भ में राज्यपाल का महत्वपूर्ण अभिभाषण सुनने का अवसर प्राप्त होगा। सत्र 20 फरवरी से 10 मार्च तक चलेगा। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 22 फरवरी को उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के लिए समन्वय बजट प्रस्तुत होगा। इसके उपरांत अभिभाषण व बजट पर दोनों सदनों में चर्चा के बाद इसे पारित किया जायेगा। विधायकों के द्वारा अपने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों को सदन के पटल पर रखने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वदलीय नेताओं के साथ बैठक में हमने अवगत कराया है कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। हम हर एक मुद्दे का जवाब देने के लिए तैयार हैं। योगी ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को मिलकर, जनता ने जो दायित्व सौंपा है उसके अनुरूप दोनों अपने दायित्व का निर्वहन करें। किसी विषय पर असहमति हो सकती है, लेकिन सत्ता पक्ष उसपर चर्चा से भाग नहीं सकता। जनता ने जिन भावनाओं के साथ सदस्यों को सदन में भेजा है शालीनता के साथ अपनी बात सदन में रखें।

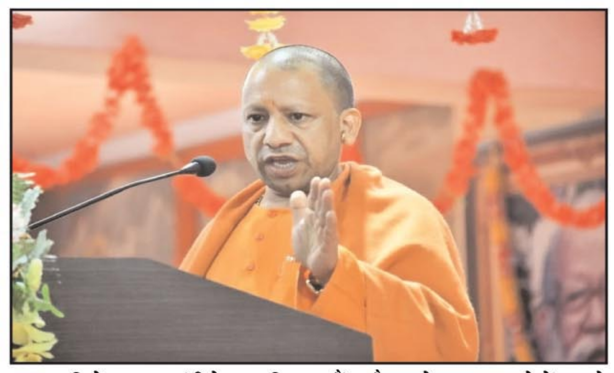

जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को राज्यपाल ने दिलायी चीफ जस्टिस पद की शपथ

रांची, (हि.स.)। झारखंड के नवनियुक्त चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को सोमवार को राजभवन के बिरसा मंडप में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही वे झारखंड के 14वें चीफ जस्टिस बन गए। इससे पूर्व मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को झारखंड हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस की नियुक्ति संबंधी वारंट को हिंदी और अंग्रेजी अंग्रेजी में पढ़कर सुनाया। मौके पर झारखंड हाई कोर्ट के सभी जज, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, महाधिवक्ता राजीव रंजन, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश एवं महुआ माजी समेत कई अधिवक्ता एवं राज्य सरकार के वरीय अधिकारी उपस्थित थे। जस्टिस संजय मिश्रा के पिता का नाम मारकंडा मिश्रा और माता का नाम ज्योतिर्मयी मिश्रा है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा टिकरा अपर प्राइमरी स्कूल में की है। वर्ष 1977 में पृथ्वीराज हाई स्कूल, बोलांगीर से हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

1982 में बोलनगीर के राजेंद्र कॉलेज से बीकॉम (ऑनर्स), एमकॉम 1984 में दिल्ली विश्वविद्यालय और एलएलबी की पढ़ाई 1987 में विधि संकाय दिल्ली विश्वविद्यालय से पूरा की। उल्लेखनीय है कि सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को झारखंड हाई कोर्ट का नया चीफ जस्टिस बनाए जाने की अधिसूचना बीते शुक्रवार को जारी की गई थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 13 दिसंबर 2022 को जस्टिस संजय कुमार मिश्रा के नाम की अनुशंसा झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के लिए केंद्र सरकार से की थी। झारखंड हाई कोर्ट में 20 दिसंबर से चीफ जस्टिस का पद रिक्त था।

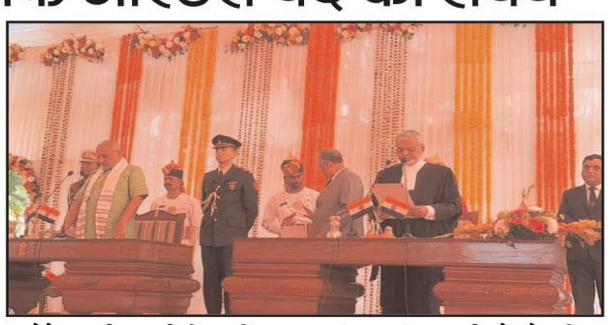

झारखंड के सरकारी स्कूलों का परीक्षा कैलेंडर जारी

रांची, (हि.स.)। झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की निदेशक किरण कुमारी पासी ने राज्य के सरकारी स्कूरलों की परीक्षा का कैलेंडर जारी कर दिया है। उन्होंने सभी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक, सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी जिला शिक्षा अधीक्षक को दी है। निदेशक ने आदेश में लिखा है कि राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन सभी कोटि के विद्यालयों सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित), प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक एवं मॉडल स्कूल सहित में कक्षा एक से सात की वार्षिक परीक्षा -2023/ योगात्मक मूल्यांकन-2 के लिए परीक्षा कैलेंडर निर्धारित किया गया है। इसमें 80 उत्कृष्ट विद्यालय शामिल नहीं हैं। निदेशक ने लिखा है कि कैलेंडर के अनुसार वार्षिक परीक्षा-2023 के सफल संचालन के निमित्त पाठ्यक्रम के पूर्णता एवं पुनरावृति करते हुए निर्धारित समय पर बिना किसी व्यवधान के परीक्षा संचालन सुनिश्चित की जाय।

आईएएस डॉ मनीष रंजन ने भारतीय कला-संस्कृति पर लिखी पुस्तक

रांची, (हि.स.)। झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव डॉ मनीष रंजन ने सिविल सेवा की प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए भारतीय कला एवं संस्कृति पर पुस्तक लिखी है। ये भारतीय प्रशासनिक सेवा 2002 बैच के झारखंड कैडर के अधिकारी हैं। भारतीय कला, भारतीय संस्कृति एवं भारतीय विरासत नाम से तीन खंडों में विभाजित करते हुए विभिन्न अध्यायों में विवेचना की गयी है। इस बुक को लिखने डॉ. मनीष रंजन को पांच साल से अधिक का समय लगा। डॉ मनीष रंजन ने बताया कि इस पुस्तक में भारतीय कला, भारतीय संस्कृति एवं भारतीय विरासत नामक तीन खंडों में विभाजित करते हुए प्रत्येक खंड की तार्किक दृष्टिकोण से विभिन्न अध्यायों में विवेचना की गई है। इसमें भारतीय कला संस्कृति एवं विरासत के विविध स्वरूपों तथा चित्रकला एवं हस्तशिल्प, वास्तुशिल्प, नाट्य नृत्य, संगीत, मूर्ति एवं स्थापत्य कला, अभिलेख, शिलालेख, पर्व-त्योहार, यूनेस्को की ओर से घोषित विरासत स्थल, भाषा, साहित्य, शिक्षा, धर्म एवं दर्शन आदि ऐसे ही अनेक विषयों को उनके उद्भव काल से लेकर अब तक के ऐतिहासिक विकास क्रम में नवीनतम शोधों से प्राप्त प्रमाणित एवं अद्यतन आंकड़ों के साथ-साथ नए स्वरूप में प्रस्तुत किया गया है।

इंटक का राष्ट्रीय अधिवेशन 22 और 23 को नई दिल्ली में

रांची, (हि.स.)। इंटक का राष्ट्रीय अधिवेशन 22 और 23 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित किया गया है। इस अधिवेशन में प्रदेश युवा इंटक के अध्यक्ष रवि चौबे और उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह शामिल होंगे।साथ ही प्रदेश इंटक के अन्य पदाधिकारी भी इसमें शामिल होंगे। ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय इंटक के अधिवेशन में डेलीगेट सेशन वर्किंग कमेटी की मीटिंग होगी। इसके बाद 23 फरवरी को इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी होगा। सभी डेलीगेट को 21 फरवरी को दिल्ली पहुंचना है। इंटक का अधिवेशन नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होगा। मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाग लेंगे। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी अधिवेशन में अपने- अपने विचार रखेंगे। वहीं दूसरी ओर अधिवेशन में एचईसी की मान्यता प्राप्त यूनियनों के 11 सदस्य डेलीगेट भी शामिल होंगे। इनमें राणा संग्राम सिंह, लीलाधर, कर्ण सिंह राठौड़, राणा प्रताप सिंह, गिरीश चौहान, रणवीर सिंह, राम जी उपाध्याय, सीएस दास, सुधीर कुमार मिश्रा सहित अन्य शामिल हैं।

झारखंड के 61 कांग्रेस नेता बने एआईसीसी मेंबर

रांची, (हि.स.)। राज्य के 61 कांग्रेस नेताओं को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का सदस्य नियुक्त किया है। इसमें 43 इलेक्टेड और 18 को-आप्टेड सदस्यों की नियुक्ति हुई है। इलेक्टेड सदस्यों में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, सांसद धीरज साहू, गीता कोड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना, गुप्ता, बादल पत्रलेख, विधायक प्रदीप यादव, दीपिका पांडे सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुखदेव भगत, प्रदीप बलमुचू, गुंजन सिंह, रमा खलखो, पूर्णिमा नीरज सिंह सहित अन्य के नाम शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर को-आप्टेड सदस्यों में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद ददई दुबे, फुरकान अंसारी, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, मंजू कुमारी, श्वेता सिंह, अनादि ब्रह्म, बजेंद्र प्रसाद सिंह राकेश सिन्हा सहित अन्य नेता शामिल हैं।

रेत माफिया ने खत्म कर दिया खूंटी की बनई नदी का अस्तित्व

खूंटी, (हि.स.)। खूंटी की प्रसिद्ध और धार्मिक महत्व वाली बनई नदी के अस्तित्व को ही बालू माफिया ने लगभग खत्म कर दिया है। जिस बनई नदी में सालों भर निर्मल पानी बहता रहता था, वही नदी अक्टूबर महीने में ही सूख जा रही है। रेत के अवैध और अंधाधुंध उत्खनन ने नदी को ही समाप्त कर दिया है। बनई नदी अब महज एक नाला बनकर रह गई है, जहां हर ओर घास और झाड़ियां उग आई हैं। पवत्रि सावन माह में लाखों श्रद्धालु इसी बनई नदी से जल लेकर बाबा आम्रेश्वर धाम में भोलनाथ का अभिषेक करते हैं, पर स्थिति ऐसी हो गई है कि नदी में पानी ही नहीं रहता। प्रकृति ने हमें नदी दी है पानी के लिए, लेकिन सभ्य समाज ने उसे रेत उगाहने का जरिया बना लिया है और उसके लिए नदियों के अस्तित्व को खत्म करने से भी परहेज नहीं किया। बात सिर्फ बनई नदी की नहीं है। खूंटी जिले की कारो, छाता, चेंगरझोर, छोपी सहित कई ऐसी नदियां हैं, जो लगातार अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं। भवन निर्माण से लेकर पुल पुलियों अस्पताल के लिए बालू की जरूरत है, लेकिन नदियों से रेत का अंधाधुंध खनन पर्यावरणीय त्रासदी है, जिसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। खूंटी जिले में कई वर्षों से बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं हुई है। यही कारण है कि निर्माण कार्यों की जरूरतों को पूरा करने लिए लोग अवैध बालू खरीदने को विवश हैं। ऐसा नहीं है कि बालू तस्करी की जानकारी स्थानीय प्रशासन या खनन और वन विभाग को नहीं है। यदा कदा रेत माफिया की करतूतों के खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करता भी है, पर महज दिखावे के लिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बालू तस्करी की अवैध कमाई में स्थानीय प्रशासन से लेकर विभाग के अधिकारियों को हिस्सा निश्चित होता है। बालू का अवैध धंधा करने वाले स्वीकार करते हैं कि उन्हें हर महीने अधिकारियों को चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। यदि चढ़ावा देने में विलंब हो जाता है, तो बालू माफिया के वाहनों को जब्त कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर दिया जाता है। जानकारों का कहना है कि जब तक स्थानीय लोग बालू की तस्करी के खिलाफ जागरूक नहीं होंगे, तब तक इस अवैध कारोबार पर रोक नहीं लग सकती। लोगों का कहना है कि जल, जंगल और जमीन की बात करने वाले आदिवासी संगठनों और ग्रामसभा को भी रेत के इस अवैध खेल खिलाफ कभी आवाज नहीं उठाते। बालू के अवैध उत्खनन के संबंध में पूछे जाने पर जिला खनन पदाधिकारी नदीम शफी कहते हैं कि प्रशासन द्वारा लगातार बालू माफिया के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाती है। अब तक सैकड़ों वाहनों का जब्त कर संबंधित लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि खूंटी जिले के खनन विभाग में कर्मचारियों और संसाधनों की कमी है। इसके कारण विभाग की कार्य क्षमता प्रभावित होती है।

मोतिहारी के सेना जवान की गंगटोक में हुई संदिग्ध मौत, पूरे इलाके में पसरा मातमी सन्नाटा

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले के आदापुर प्रखंड के लक्ष्मीपुर-पोखरिया गांव निवासी इंडियन आर्मी के जवान मिथलेश कुमार की संदिग्ध मौत की सूचना से पूरे इलाके में कोहराम मचा हुआ है। मिथलेश सिक्किम (गंगटोक) के चांगो झील की पहाड़ी पर तैनात थे। चिमनी भट्ठा पर ईंट बनाकर अपने इकलौते पुत्र मिथलेश कुमार को पढ़ाकर देश रक्षा के लिए तैयार करने वाले पिता रामायण यादव के आँखो मे आंसू की धार बह रहे है। वह रोते हुए कहते है कि बेटे ने अपने मेहनत और लगन से हमारे सपने को पूरा किया।देश सेवा के जज्बे से प्रेरित हो वर्ष 2019 में वह सेना में भर्ती हुआ था। सिक्किम (गंगटोक) के चांगो झील पर जीडी आर्टिलरी 54वी मध्य रेजीमेंट में अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे थे। बेटे की मौत के सदमा से मां निर्मला देवी और बहन सीमा कुमारी (18) बार बार बेहोश हो जा रही हैं।पिता सहित पूरे गांव को अब मिथलेश के शव के आने का इंतजार है। परिजन ने बताया कि सेना के जवान मिथलेश की मौत का कोई स्पष्ट कारण नही बताया जा रहा है। आधिकारियों ने बस इतना ही सूचना दिया है कि ड्यूटी के दौरान लधुशंका करने के समय पैर फिसलने के बाद पहाड़ी से नीचे गिरे है।शहीद जवान के पिता रामायण यादव बताते है कि बेटे मिथलेश की अभी शादी भी नही हुई थी।वे बेटे की मौत को संदिग्ध मान रहे है।गांव में इस घटना की खबर मिलते ही मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। शहीद जवान के घर पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा है। मृत जवान की माता अर्द्धबेहोशी में है बताया गया कि उन्होने शिवरात्रि व्रत का पारण भी नही किया है।दो दिनों से सभी भूखे है।लोग सड़क की ओर टकटकी लगाये शहीद जवान के आने की प्रतीक्षा में है।मातमी सन्नाटा और इस दर्दनाक मंजर को देख बरबस सबकी आंखें नम हो जा रही है।

अज्ञात चोरों ने एक साल के दौरान तीसरी बार दुकान को बनाया निशाना, 60 हजार से अधिक की चोरी

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज में रात में दुकान में टीन या शटर काटकर सेंधमारी करते हुए अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में बीती रात अज्ञात चोरों ने फारबिसगंज सदर रोड के ज्योति सिनेमा मोड़ के पास स्थित मधु कंगन नामक प्रतिष्ठान में चोरों ने सेंधमारी करते हुए 60 हजार रुपये से अधिक मूल्य के सामानों की चोरी कर ली। चोर दुकान का ऊपर का टीन काटकर दुकान में प्रवेश किया और दुकान में रखे कीमती सामानों के साथ दुकान में लगे टीवी और अन्य सामान अपने साथ उठाकर लेकर चले गये। मधु कंगन प्रतिष्ठान को एक साल के दौरान तीसरी बार अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दुकान के मालिक विशाल आनंद को दुकान में चोरी की घटना का पता तब चला जब वह सुबह में दुकान खोला तो पाया कि दुकान के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है और दुकान के ऊपर का टीन के साथ प्लाई से कवर छत कटा हुआ है। जिसके बाद फारबिसगंज थाना पुलिस को सूचना दी गई और फिर फारबिसगंज थाना से पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। मामले को लेकर दुकान के मालिक विशाल आनंद ने बताया कि एक साल के दौरान अज्ञात चोरों ने तीसरी बार उनके दुकान को निशाना बनाया है और हरेक बार के तरह थाना पुलिस आकर पूछताछ कर चली गई। लेकिन अब तक चोर का अता पता नहीं लगा पाई। स्थानीय दुकानदारों ने लगातार बंद दुकानों को चोरों के द्वारा निशाना बनाए जाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस चोरी के बाद दुकान पहुंचती है और पूछताछ कर चली जाती है,लेकिन चोर का सुराग नहीं लगा पाती है। ऐसे में कारोबारी कारोबार को लेकर असहज महसूस करने लगे हैं।

चलती हुई ऐसी बस धू धू कर जली, कोई हताहत नहीं

पूर्णिया, (हि. स.)। पूर्णिया के सदर थाना क्षेत्र के एनएच 31 पर एक चलती एसी बस में रविवार देर रात आग लग गयी। बस में आग लगने से एनएच पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। बताया जा रहा है कि राज रथ नाम की ये बस छपरा से सिल्लीगुड़ी जा रही थी, तभी दौड़ती हुई बस के डीजल टैंक से रिसाव होने के कारण बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते ये वातानुकूलित बस बर्निंग बस में बदल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बस छपरा से सिलीगुड़ी जा रही थी, इसी दौरान पूर्णिया में एनएच 31 पर बस धू-धूकर जलने लगी। बस में एकाएक आग लगने से बस में भगदड़ का माहौल हो गया। हालांकि सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय पुलिस और दमकलकर्मियों को घटना की सूचना दी। कुछ देर बाद ही दमकलकर्मी वहां पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद बस में लगी आग पर काबू पा लिया। मौके पर पहुंचे पुलिस थानाध्यक्ष ने बताया कि बस से निकालकर कई पैसेंजर सुरक्षित बाहर निकल लिये गये ।

संपादकीय

मोदी विरोध का विदेशी चेहरा

हंगरी मूल के अमरीकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस बुनियादी तौर पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के कट्टर विरोधी रहे हैं। अडानी समूह में मौजूदा गड़बड़ी और संकट तो महज एक परदा है। उसकी आड़ में सोरोस प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने अभी ही भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अभियान नहीं छेड़ा है, बल्कि 2014 से ही यह सिलसिला टुकड़ों-टुकड़ों में जारी रहा है। आश्चर्य है कि अमरीकी कारोबारी ने भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाए हैं। वह हमारे लोकतंत्र का आकलन करने वाला कौन है? इस 92 वर्षीय बूढ़े वामपंथी की सोच, पूर्वाग्रह और दुष्प्रचार बेहद खतरनाक हैं, क्योंकि वह भारत के ही कुछ तबकों, शहरी नक्सलियों और वामपंथी बुद्धिजीवियों में सेंध लगाता रहा है। उनकी आर्थिक मदद करता है और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभियानों को 'हवा' देता है। ऐसी देश-विरोधी, विध्वंसक हरकतें उसके संगठन करीब 70 देशों में करते रहे हैं। जॉर्ज अपने मानस के मुताबिक दुनिया का विमर्श तय करना चाहता है। इसे सनक नहीं कहेंगे, तो और क्या कहेंगे! सोरोस 2024 के चुनावी जनादेश को प्रभावित कर मोदी और भाजपा को सत्ता से बाहर करने के मंसूबे पाले बैठा है। उसका मानना है कि यदि 2024 में सत्ता-परिवर्तन होता है और कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन को जनादेश हासिल होता है, तो भारत में लोकतंत्र का पुनरोत्थान हो सकता है। हमारा सवाल है कि भारत में लोकतंत्र को क्या हुआ है? उसके संकट और चुनौतियां क्या हैं? क्या भारत में लोकतंत्र के पुनरोत्थान की कोई गुंज़ाइश है? बहरहाल 70,000 करोड़ रुपए के अमरीकी कारोबारी और उसके एनजीओ भारत में सक्रिय होकर, भारत के ही खिलाफ, कोई साज़िश रचें या दुष्प्रचारों को 'हवा' दें, तो उसे सरकार के स्तर पर बर्दाश्त क्यों किया जा सकता है? या इतने लोकतांत्रिक लचीलेपन और विनम्रता की जरूरत ही क्या है? सोरोस का एनजीओ है-'ओपन सोसायटी फाउंडेशन।' इसकी स्थापना 1993 में हुई थी, लेकिन भारत में इसका प्रवेश 1999 में हुआ। 2016 में मोदी सरकार ने ही इस एनजीओ को 'वॉच लिस्ट' में रखा था, क्योंकि संगठन पर भारत को अस्थिर करने के गंभीर आरोप लगे थे। दुर्भाग्य और विडंबना यह है कि जॉर्ज सोरोस के हस्तक्षेप से जो भारत-विरोधी रपटें या सूचकांक तैयार किए जाते रहे हैं, उन्हें भारत में कांग्रेस एकदम लपक लेती है और फिर दुष्प्रचार का अभियान चलाया जाता है। एक फ्रेंच संगठन 'शेरपा' ने राफेल विमान करार में भ्रष्टाचार का खुलासा किया था, जिसके आधार पर तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने 2019 के आम चुनाव का अभियान चलाया था-'चौकीदार चोर है।' सोरोस ही 'शेरपा' का बुनियादी आर्थिक स्रोत है। कांग्रेस की ही हालिया 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी के साथ जॉर्ज के एनजीओ का वाइस प्रेजीडेंट सलिल शेट्टी भी चलता हुआ देखा गया। इसके पहले सलिल भारत में 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' का महासचिव था। भारत-विरोधी गतिविधियों के कारण सरकार ने उस संगठन को बंद कराया, लेकिन राहुल गांधी के साथ सलिल की मौजूदगी के मायने क्या समझे जाएं? बहरहाल आम चुनाव के लगभग एक साल पहले ही ये भारत-विरोधी हरकतें सामने आई हैं, जिनका सभी नागरिकों को विरोध करना चाहिए।

भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अभियान नहीं छेड़ा है, बल्कि 2014 से ही यह सिलसिला टुकड़ों-टुकड़ों में जारी रहा है। आश्चर्य है कि अमरीकी कारोबारी ने भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाए हैं। वह हमारे लोकतंत्र का आकलन करने वाला कौन है? इस 92 वर्षीय बूढ़े वामपंथी की सोच, पूर्वाग्रह और दुष्प्रचार बेहद खतरनाक हैं, क्योंकि वह भारत के ही कुछ तबकों, शहरी नक्सलियों और वामपंथी बुद्धिजीवियों में सेंध लगाता रहा है। उनकी आर्थिक मदद करता है और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभियानों को 'हवा' देता है। ऐसी देश-विरोधी, विध्वंसक हरकतें उसके संगठन करीब 70 देशों में करते रहे हैं। जॉर्ज अपने मानस के मुताबिक दुनिया का विमर्श तय करना चाहता है। इसे सनक नहीं कहेंगे, तो और क्या कहेंगे! सोरोस 2024 के चुनावी जनादेश को प्रभावित कर मोदी और भाजपा को सत्ता से बाहर करने के मंसूबे पाले बैठा है।

कुछ अलग

भूमि बैंक की दिशा में

हिमाचल में निवेश और विकास को चाहिए जमीन की ऐसी पेशकश, ताकि समय से पहले तय हो जाए कि कहां तक घूमेंगे पहिए और कहां तक संभव है सफर। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ऐसी जमीन तलाश रहे हैं जहां सरकार अपने लक्ष्यों का औद्योगिक निवेश कर सके। पूरा प्रदेश डे बोर्डिंग स्कूल, चार्जिंग स्टेशन और हेलिपोर्ट के लिए जमीन की तलाश में है, तो इसी सफर के यात्री कहीं गोल्फ कोर्स, कहीं टेंट कालोनी तो कहीं आईटी पार्क के लिए जमीन खोज रहे हैं। बेशक सुक्खू सरकार ने प्रदेश की चारों दिशाओं में प्रशासन को सक्रिय रूप से जमीन की तलाश में लगाया है और यही वजह है कि वक्त की तय सीमा के भीतर ही फाइलें नतीजे ला रही हैं। ऐसे में जरूरी यह है कि राज्य अपने भविष्य की जरूरतों को इंगित करते हुए स्थायी रूप से लैंड बैंक की स्थापना करे। हिमाचल की तरक्की, नागरिक सुविधाओं, शहरी एवं ग्रामीण विकास, आर्थिक व विकास दर के उत्थान, विभागीय, औद्योगिक व पर्यटन गतिविधियों के लिए भूमि बैंक चाहिए। पिछले कई दशकों से जमीन की तलाश में या तो बहानेबाजी या ड्रामेबाजी होती रही, इसीलिए कोरी सियासत ने टांग अड़ाई। इसका एक उदाहरण धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर बन चुका है। किस तरह राज्य और केंद्र के बीच सियासत ने केंद्रीय विश्वविद्यालय की मिट्टी पलीद कर दी। कितनी बार भूमि का चयन हुआ और कितनी बार इसे नामंजूर करने के बहाने पैदा किए गए। धर्मशाला बनाम देहरा के बीच बंटे विश्वविद्यालय ने एक ऐसी सियासी जमीन ढूंढ ली, जिसके कारण जदरांगल परिसर को आज भी कोलकाता और दिल्ली की दौड़ में अपने सपनों को खोना पड़ रहा है। इसी तरह पिछली भाजपा सरकार ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के लिए बल्ह घाटी में उम्मीदों की जमीन तैयार करते-करते यह भूल गई कि कांगड़ा हवाईअड्डे की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए दो गज जमीन चाहिए थी। ऐसी कई परियोजनाएं आज भी जमीन की अनुपलब्धता के कारण रेंग रही हैं, तो हिमाचल के विकास को सबसे अधिक परेशानी पर्यावरण एवं वन संरक्षण अधिनियम से रहती है। अतीत में झांकते हुए अगर भविष्य की जरूरतों को संबोधित करने का सही मकसद पैदा करें, तो प्रदेश की हर पंचायत व नगर निकायों को अपने-अपने स्तर पर भूमि बैंक स्थापित करने चाहिएं। इसके लिए राजस्व विभाग को एक विस्तृत अध्ययन करते हुए सर्वप्रथम ऐसा ब्यौरा तैयार करना चाहिए ताकि सार्वजनिक व गैर वन भूमि का लेखा जोखा सामने आए। प्रदेश सरकार को भूमि बैंक बनाने के लिए कुछ मान दंड तय करते हुए जनता के साथ आदान प्रदान के लिए पूल बनाकर विकास करना होगा। उदाहरण के लिए कांगड़ा घाटी में कई चाय बगान पूरी तरह बंजर हो चुके हैं, लेकिन इनके स्वामी न तो इन्हें बेच पा रहे हैं और न ही घाटे से उभर रहे हैं। ऐसे में अगर सरकार संपत्तियों में पार्टनरशिप के तहत निवेश कराए, तो इन्हें भी लैंड बैंक में शामिल कराया जा सकता है। प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों को समझते हुए ऐसी जमीन की उपयोगिता बढ़ानी होगी, जो अब तक किसी न किसी कारण बेकार रही है। कई शहरों में प्राकृतिक नालों या खड्डों के किनारे बेकार रह गई जमीन को इनके चैनेलाइजेशन और कहीं-कहीं इनके ऊपर लैंटल डालकर भविष्य की अधोसंरचना से जोड़ा जा सकता है। प्रदेश में बैंकिंग सेक्टर अगर ऐसे चैनलाइजेशन में सहयोग करे, तो शहरों में पार्किंग व्यवस्था के अलावा बैंक स्केवर व आफिस परिसर बनाए जा सकते हैं। शहरों में डंपिंग साइट तय करके भूमि बैंक का आकार बढ़ाया जा सकता है, जबकि पूरे प्रदेश में टीसीपी कानून लागू करके ऐसी जमीनों की तलाश हो जाएगा।

हिमाचल की तरक्की, नागरिक सुविधाओं, शहरी एवं ग्रामीण विकास, आर्थिक व विकास दर के उत्थान, विभागीय, औद्योगिक व पर्यटन गतिविधियों के लिए भूमि बैंक चाहिए। पिछले कई दशकों से जमीन की तलाश में या तो बहानेबाजी या ड्रामेबाजी होती रही, इसीलिए कोरी सियासत ने टांग अड़ाई। इसका एक उदाहरण धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर बन चुका है। किस तरह राज्य और केंद्र के बीच सियासत ने केंद्रीय विश्वविद्यालय की मिट्टी पलीद कर दी। कितनी बार भूमि का चयन हुआ और कितनी बार इसे नामंजूर करने के बहाने पैदा किए गए।

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में भारतीय प्रवासियों की कुल संख्या 1.79 करोड़ तक पहुंच गई

भारत को अगुआ बनाएंगे प्रवासी भारतीय

डा. जयंती लाल भंडारी

यकीनन पिछले माह जनवरी में संपन्न हुए प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारतीय दुनियाभर में भारत को अगुआ बनाए जाने के अभियान में जुट गए हैं। ज्ञातव्य है कि 8 से 10 जनवरी तक बड़े ही भव्य रूप में आयोजित 17वां प्रवासी भारतीय सम्मेलन अभूतपूर्व रहा है। इस प्रवासी सम्मेलन में शामिल करीब 70 देशों के 3500 से अधिक प्रतिनिधियों का यह स्वर सम्मेलन के दौरान लगातार गूंजता रहा कि आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत ने 75 साल का संतोषजनक सफर तय किया है और तेजी से आगे बढ़ते सामर्थ्यवान भारत पर प्रवासियों को गर्व है। इस सम्मेलन में शामिल आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त, फॉर्मा, ऑटोमोबाइल्स, एजुकेशन आदि के क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि भारत के साथ आर्थिक सहयोग, ज्ञान-कौशल सहभागिता को बढ़ावा देने और देश की आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया का विकसित देश और विश्व गुरू बनाने में अहम भूमिका निभाने का संकल्प लेते हुए दिखाई दिए। गौरतलब है कि 9 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय प्रवासी दिवस सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीय भारत के अभिन्न अंग हैं। जहां भारत के विकास में प्रवासियों की अहम भूमिका है, वहीं भारत ने अपने प्रवासियों को ताकत देने के लिए हरसंभव प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र अगले 25 वर्षों के अमृत काल में प्रवेश कर चुका है और हमारे प्रवासी भारतीय समुदाय को वैश्विक स्तर पर भारत को अगुआ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस सम्मेलन में गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली मुख्य अतिथि तथा सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जनवरी को इस कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने विदेशों में अपने-अपने क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने और अपनी अलग पहचान बनाने वाले 57 प्रवासी भारतीयों को सम्मानित भी किया। निःसंदेह 17वां प्रवासी भारतीय सम्मेलन पिछले प्रवासी भारतीय सम्मेलनों की तुलना में अधिक प्रभावी व अधिक लाभप्रद रहा है। ज्ञातव्य है कि दुनिया में भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों का सबसे बड़ा डायस्पोरा है जिसकी संख्या लगभग 3.2 करोड़ है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 में भारतीय प्रवासियों की कुल संख्या 1.79 करोड़ तक पहुंच गई। प्रवासियों की यह संख्या वर्ष 1990 में 66 लाख के मुकाबले छलांगे लगाकर तेजी से बढ़ी है। 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन में यह रेखांकित हुआ कि भारतवंशी और प्रवासी भारतीय वैश्विक तंत्र का अद्वितीय और अहम हिस्सा हैं। वे शासन-प्रशासन, कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, कारोबार, प्रौद्योगिकी सहित

अन्य क्षेत्रों में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं। प्रवासी भारतीय भारत की महान पूंजी हैं। प्रवासी भारतीय विश्व के समक्ष भारत के वास्तविक राजदूत हैं और भारत का चमकता हुआ चेहरा हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारतीय प्रवासी भारत को धन भेजने के मामले में अन्य सभी देशों के प्रवासियों से बहुत आगे हैं। विश्व बैंक के द्वारा जारी माइग्रेशन एंड डेवलमपेंट ब्रीफ रिपोर्ट 2022 के मुताबिक विदेश में कमाई करके अपने देश में धन (रेमिटेंस) भेजने के मामले में वर्ष 2022 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों के द्वारा भेजी जाने वाली रकम करीब 100 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है। पिछले वर्ष 2021 में प्रवासियों ने 87 अरब डॉलर की धन राशि स्वदेश भेजी थी। प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले क्रम का देश बना हुआ है। कोविड महामारी के बाद यह माना जा रहा था कि विदेश से लौटे प्रवासी वापस नहीं जाएंगे, लेकिन यहां से ज्यादा लोग विदेश गए और उन्होंने भारत के लिए अपना सहयोग और अधिक बढ़ाया। विगत 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर वाशिंगटन में अमेरिका के भारतीय मूल के लोगों और प्रवासी भारतीयों से सम्बद्ध अन्य सभी देशों के प्रवासियों से गैर-लाभकारी संस्थाओं के एक संयुक्त संगठन इंडिया फिलांथ्रोपी अलायन्स (आईपीए) के तत्वावधान में भारत के विकास और मानव विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक आर्थिक मदद दिए जाने का निर्णय विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों के लिए भी प्रेरणादायी बन गया है। आईपीए ने 2 मार्च 2023 को इंडिया गिविंग डे मनाने का निश्चय किया है। अभी तक आईपीए जिस तरह भारत को सहयोग के लिए सालाना करीब एक अरब डॉलर जुटाता है, उसे अगले साल बढ़ाकर 3 अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य तय किया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अतीत में जब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई तब प्रवासियों ने मुक्त हस्त से भारत के विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। जब वर्ष 1998 में भारत के द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण पोखरण-2 विस्फोट के बाद अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों के द्वारा भारत पर लगाए गए तब आर्थिक प्रतिबंधों को वापस कराने में प्रवासी भारतीयों ने देश का सबसे ज्यादा साथ दिया और दुनिया का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने हेतु अगस्त 1998 में रीसर्जेंट इंडिया बॉन्ड्स की मदद से 4.8 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई थी। इसी तरह 2001 में इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट स्कीम की मदद से करीब 5 अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटाई गई। ऐसे प्रयासों से विदेशी मुद्रा भंडार की चिंताएं कम हुई थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि कोरोना संक्रमण की पहली लहर के समय दुनिया के विभिन्न देशों में चिंता और अनिश्चितता के दौर में फंसे भारतीयों को प्रवासी भारतीयों का हर तरह से साथ मिला था। इस तरह वर्ष 2021 की कोरोना संक्रमण की दूसरी दर्दनाक लहर के बीच भारतीय प्रवासियों ने भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक मजबूत करने के लिए बेमिसाल सहयोग दिया। 17वें प्रवासी सम्मेलन में यह बात भी उभरकर सामने आई कि अब जहां प्रवासी भारतीय भारत को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता और अधिक बढ़ाएंगे, वहीं भारत को भी प्रवासियों के दुख-दर्द में अधिक सहभागी बनना जरूरी होगा। हमें प्रवासियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निराकरण में अहम भूमिका निभाना होगी। वस्तुतः दुनिया के सारे प्रवासी भारतीय बहुत धनी नहीं हैं। अधिकांश देशों में कोविड-19 के बाद इनकी आर्थिक हालत बहुत अच्छी नहीं है। खासतौर से विभिन्न खाड़ी देशों में लाखों कुशल-अकुशल भारतीय श्रमिकों के न्यूनतम वेतन और जीवन के लिए जरूरी उपयुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु हरसंभव मदद करना होगी। दुनिया के कई देशों में कार्यरत भारतीय एम्बेसी और हाई कमीशन के द्वारा भारतीयों के साथ अच्छे व्यवहार की भी जरूरत बनी हुई है। हम उम्मीद करें कि 8 से 10 जनवरी 2023 को इंदौर में आयोजित 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद अब भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के साथ स्नेह, सहयोग और आपसी विकास के नए, असाधारण एवं अभूतपूर्व अध्याय दिखाई देंगे। हम उम्मीद करें कि 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद भारतीय प्रवासियों से एक बार फिर देश में विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के साथ-साथ गरीबी, भूख की चुनौती, जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की बड़ी चुनौतियों के निराकरण और देश में डिजिटल नई पीढ़ी तैयार करने के लिए अधिक सहयोग मिलेगा। हम उम्मीद करें कि जिस तरह तीन दशक पहले चीन के प्रवासियों ने चीन की चमकीली आर्थिक तस्वीर बनाने में अहम भूमिका निभाई है, उसी तरह प्रवासी भारतीय वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में भूमिका निभाएंगे।

गौरतलब है कि 9 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय प्रवासी दिवस सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीय भारत के अभिन्न अंग हैं। जहां भारत के विकास में प्रवासियों की अहम भूमिका है, वहीं भारत ने अपने प्रवासियों को ताकत देने के लिए हरसंभव प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र अगले 25 वर्षों के अमृत काल में प्रवेश कर चुका है और हमारे प्रवासी भारतीय समुदाय को वैश्विक स्तर पर भारत को अगुआ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इस सम्मेलन में गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली मुख्य अतिथि तथा सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जनवरी को इस कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने विदेशों में अपने-अपने क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने और अपनी अलग पहचान बनाने वाले 57 प्रवासी भारतीयों को सम्मानित भी किया।

सांस्कृतिक संरक्षण के लिए बजट जरूरी

सामान्य शब्दों में संस्कारों की ऐसी एक सुकृति जो हमारी जीवन शैली को सरल, सौम्य, सभ्य, शिष्ट तथा सुंदर बनाती है, संस्कृति कहलाती है। संस्कृति एक विशाल शब्द है जिसे परिभाषित करना इतना सरल भी नहीं है लेकिन विद्वानों द्वारा दी गई अनेकों परिभाषाओं में यह स्वीकार किया गया है कि संस्कृति का संबंध हमारे खान-पान, रीति-रिवाज, धर्म-कर्म, वेशभूषा, देव संस्कृति, पूजा पद्धति, मान्यता, विश्वास, परिधान, कला, भाषा, सभ्यता, संस्कार, व्यवहार, आचरण तथा समग्र जीवन शैली से ही है। अतः कौन सी परिभाषा सही एवं उपयुक्त है, इसका निर्णय नहीं हो सकता। अपने आप में जीवन की व्यापकता की अनगिनत परतों को समेटे यह शब्द नित्य नवीन एवं जीवंत रहेगा। लोक संगीत, लोक कला, लोक परम्परा, लोक नाट्य, लोक भाषा, लोक संस्कृति तथा लोकाचार के बिना न तो आदर्श समाज की स्थापना हो सकती है, न ही कल्पना की जा सकती है। आश्चर्य है कि यह सब जीवन का अटूट अंग होते हुए हम उसका मूल्य नहीं समझते। कोई भी समाज, सभ्यता, संस्कृति तथा राष्ट्र तब तक उन्नति नहीं कर सकता, जब तक उसकी परम्पराएं, कलाएं, संस्कृति तथा नैतिक एवं मानवीय मूल्य जीवंत नहीं हैं। दुःख इसी बात का है कि आज भौतिकवादी परिवेश में ऐसी बातों की चर्चा करना भी हास्यास्पद हो जाता है और हम बनते हैं उपहास के पात्र। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से यह सब होना बुद्धि की कंगाली है। आज हमने सभी क्षेत्रों में सफलता के झंडे गाड़े हैं, परंतु सांस्कृतिक चेतनता के महत्त्व को समझते हुए हम उसे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। वर्तमान में हम पाश्चात्य तथा भौतिकवाद की आंधी में उड़ कर भारतीयता की जड़ों से विमुख हो रहे हैं। भौतिकवादी सुख का आनंद प्राप्त करना कोई बुरी बात नहीं है, परंतु उसमें लिप्त हो जाना सांस्कृतिक विचार की दृष्टि से चिंतन का विषय है। इसलिए सभी महान संस्कृतियों को प्रणाम करते हुए भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन पर विचार करना आवश्यक है। अपनी पुरातन सभ्यता या संस्कृति से जुड़े रहना कोई रूढ़िवादिता या संकीर्णता नहीं है, बल्कि अपने अतीत पर गौरवान्वित होने का विषय है। यह हमारा आधार है और जितनी नींव मजबूत होती है, भविष्य की इमारत उतनी ही विशाल, सुंदर तथा सशक्त होती है। वर्तमान में हम सांस्कृतिक पतन की ओर बढ़ रहे हैं। विश्व के अनेकों देश भारतीय संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं और हम उससे मुख मोड़ रहे हैं। जीवन में सब कुछ आवश्यक है, लेकिन सांस्कृतिक विरासत की कीमत पर नहीं। यह हमारे जीवन का आधार है, विरासत है तथा पूंजी है। संस्कृति का विघटन होना भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है, लेकिन इसे सुरक्षित करने की ज़िम्मेदारी परिवारों, समाजों, सम्प्रदायों, व्यवस्थाओं तथा सरकारों की सामूहिक है। वर्तमान में सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़, सुरक्षा, बिजली, पानी, उद्योग तथा चहुंमुखी विकास की बात तो करती है, लेकिन जब सांस्कृतिक संरक्षण एवं संवर्धन की बारी आती है तो बजटीय प्रावधानों में निराशा ही मिलती है। साधारणतः इस विषय को समझने वाले नीति निर्धारक इसका मूल्य नहीं समझ पाते कि इसी सांस्कृतिक धरोहर की जमीन पर हमारा अस्तित्व निर्भर करता है। नई प्रदेश सरकार अपना पहला बजट विधानसभा पटल पर प्रस्तुत करने वाली है। निश्चित रूप से सरकारों की अपनी-अपनी प्राथमिकता तथा प्रतिबद्धता होती है। राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए लोक लुभावन वादे करते हैं तथा उनकी आशाओं तथा आकांक्षाओं पर उतरने का प्रयास करते हैं, परंतु सांस्कृतिक चेतनता जगाने तथा लोक परम्पराओं, लोक कलाओं, लोक विधाओं का संरक्षण करने में कोई अधिक बजट की आवश्यकता नहीं होती। इन सभी के संरक्षण के लिए लोक कलाकारों को आर्थिक संरक्षण देना तथा लुप्त हो रही कलाओं, लोक शैलियों, लोक भाषाओं को आर्थिक सहायता देकर संजीवनी दिया जाना अति आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश में कई वर्षों से एक सशक्त सांस्कृतिक नीति की मांग हो रही है ताकि इसके संरक्षण के लिए कोई नीति संहिता का निर्माण हो सके। अनेकों कलाओं तथा कलाकारों की कृतियों तथा उनके परमपरित व्यवसायों का संरक्षण किया जा सके। पुश्तैनी, परम्परागत, पीढ़ी दर पीढ़ी घरानों, परिवारों, व्यक्तियों, जातियों, समुदायों की कलाओं का संरक्षण किया जा सके। आज समाज का सामान्य, साधारण व्यक्ति भी भौतिकवाद की चपेट में आ चुका है। सरकारी संरक्षण न होने से अपना परम्परागत विरसा व्यवसाय, लोक परम्पराओं को छोड़ कर छोटा-मोटा काम-धंधा, नौकरी, दिहाड़ी-मजदूरी, खोखा, ढाबा करने पर मजबूर हैं जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकारें इन लोगों को आश्रय देने की बात तो करती हैं, लेकिन यही वर्ग उपेक्षित रहता है। आज शिक्षा के साथ कौशल विकास, स्थानीय खानपान, कला, संस्कृति तथा 'वोकल फार लोकल' की बात तो की जाती है, परंतु धरातल पर कुछ भी नहीं दिखाई देता। लोक कलाओं के वास्तविक वाहक तथा समाजिक रूप से अधिकृत पेशेवर लोक कलाकारों को चयनित कर उन्हें आर्थिक संरक्षण दिया जाना आवश्यक है। सरकार के नियंत्रण तथा दिशानिर्देश में चल रहे मंदिर ट्रस्टों से प्राप्त होने वाली आय की कम से कम बीस प्रतिशत राशि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए व्यय होनी चाहिए। पर्यटन तथा धार्मिक पर्यटन से प्राप्त आय का भी कुछ भाग सांस्कृतिक संरक्षण पर खर्च किया जाना चाहिए, क्योंकि यह धनराशि प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों एवं धार्मिक संस्थानों से प्राप्त होती है। सभी प्रकार की लुप्त होती कलाओं तथा कलाकारों को चिन्हित कर उनके प्रशिक्षण के लिए निरंतर कार्यशालाओं का आयोजन होना चाहिए। वृद्ध कलाकारों को प्रशिक्षण के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया जाना चाहिए ताकि पीढ़ी दर पीढ़ी कलाओं का सम्प्रेषण हो सके। कला-संस्कृति से सम्बन्धित सभी विभागों की वार्षिक एवं निश्चित कार्ययोजना होनी चाहिए। ज़िला स्तर पर भाषा अधिकारियों के साथ कला एवं संस्कृति अधिकारियों के पदों का सृजन होना चाहिए। ज़िला स्तर पर सांस्कृतिक अधिकारियों को लोक कलाओं, लोक कलाकारों, लोक वाद्यों, लोक साहित्य, लोक भाषा, लोक परम्पराओं, लोक नृत्यों, लोक वाद्यों, लोक नाट्यों, लोक परिधानों के संरक्षण की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। प्रत्येक पंचायत तथा नगर पंचायत में एक सामुदायिक पुस्तकालय होना चाहिए।

संस्कृति एक विशाल शब्द है जिसे परिभाषित करना इतना सरल भी नहीं है लेकिन विद्वानों द्वारा दी गई अनेकों परिभाषाओं में यह स्वीकार किया गया है कि संस्कृति का संबंध हमारे खान-पान, रीति-रिवाज, धर्म-कर्म, वेशभूषा, देव संस्कृति, पूजा पद्धति, मान्यता, विश्वास, परिधान, कला, भाषा, सभ्यता, संस्कार, व्यवहार, आचरण तथा समग्र जीवन शैली से ही है। अत: कौन सी परिभाषा सही एवं उपयुक्त है, इसका निर्णय नहीं हो सकता। अपने आप में जीवन की व्यापकता की अनगिनत परतों को समेटे यह शब्द नित्य नवीन एवं जीवंत रहेगा। लोक संगीत, लोक कला, लोक परम्परा, लोक नाट्य, लोक भाषा, लोक संस्कृति तथा लोकाचार के बिना न तो आदर्श समाज की स्थापना हो सकती है, न ही कल्पना की जा सकती है। आश्चर्य है कि यह सब जीवन का अटूट अंग होते हुए हम उसका मूल्य नहीं समझते। कोई भी समाज, सभ्यता, संस्कृति तथा राष्ट्र तब तक उन्नति नहीं कर सकता, जब तक उसकी परम्पराएं, कलाएं, संस्कृति तथा नैतिक एवं मानवीय मूल्य जीवंत नहीं हैं।

देश दुनीया से

खोजने होंगे नुकसान से बचाव के उपाय

हाल ही में तुर्किये और सीरिया में रिक्टर पैमाने पर 7.8 की तीव्रता के भूकंप ने भयंकर तबाही मचाई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, तुर्किये में 17.9 किलोमीटर की गहराई में उत्पन्न हुए भूकंप का केंद्र सीरिया की उत्तरी सीमा के पास दक्षिणी तुर्किये था। तुर्किये में आए भूकंप की एक विशेष बात यह है कि यहां केवल एक भूकंप नहीं आया, बल्कि एक बड़े झटके के बाद सौ से अधिक छोटे-छोटे झटके देखने को मिले जिनकी तीव्रता चार-पांच के आसपास थी। हालांकि कुछ झटके ऐसे भी रहे जिनकी तीव्रता 7.5 से ज्यादा थी। भूकंप आने के बाद अक्सर कई घंटे या कई दिन तक झटके आते रहते हैं। वैसे तो ये झटके मुख्य भूकंप की तुलना में कमजोर होते हैं, लेकिन इनकी वजह से जान माल की क्षति और बढ़ती है। किसी 'फाल्ट' यानी सतह के नीचे दो चट्टानों के बीच विभाजन क्षेत्र में एक बड़े भूकंप के बाद आने वाले झटके भी दरअसल भूकंप की ही कड़ी होते हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, तुर्किये का बड़ा भूकंप और उसके बाद के सभी झटके सतह के करीब से उत्पन्न हुए थे। इसी कारण ये अधिक विनाशकारी थे। दरअसल भूकंप सतह से जितने करीब उत्पन्न होता है, नुकसान उतना ही अधिक होता है। जानकारों के अनुसार, इस भयंकर भूकंप के कारण तुर्किये दस फीट तक खिसक गया है। ऐसा यूरेशियन और अफ्रीकी टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने के कारण हुआ है। क्या भूकंप का अनुमान लगाया जा सकता है? इसका उत्तर है कि सैद्धांतिक रूप से हां, लेकिन व्यावहारिक रूप से नहीं। दरअसल भूकंप की उत्पत्ति वाले स्थान को अवकेंद्र (हाइपोसेंटर) और पृथ्वी की सतह के जिस स्थान को भूकंप सबसे पहले छूता है, उस स्थान को उपरिकेंद्र (एपिसेंटर) कहते हैं। चूंकि अवकेंद्र और उपरिकेंद्र के बीच बहुत अंतर होता है, इसलिए भूकंपीय तरंगों को अवकेंद्र से उपरिकेंद्र सेंटर तक पहुंचने में बहुत समय लगता है। इसके अलावा भूकंपीय तरंगों की गति प्रकाश की गति से बहुत कम होती है। भूकंपीय तरंगें पांच से तेरह किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से गति करती हैं, जबकि प्रकाश की गति तीन लाख किलोमीटर प्रति सेकंड है। स्पष्ट है कि दोनों के बीच बहुत ज्यादा अंतर होता है। इसी अंतर का फायदा उठाते हुए हम भूकंप का पूर्वानुमान लगा सकते हैं। लेकिन यह अंतर बहुत ही कम यानी कुछ नैनो सेकेंड का ही होता है। इसका कोई फायदा नहीं क्योंकि अगर एक सेकंड पहले ये पता चल भी जाए कि भूकंप आने वाला है तो कुछ किया नहीं जा सकता, क्योंकि क्षण मात्र में हजारों लोगों तक इसकी सूचना पहुंचाना और उन्हें सुरक्षित जगह भेजना नामुमकिन है। सवाल उठता है कि तुर्किये में इतने भूकंप क्यों आते हैं? दरअसल, तुर्किये की जटिल भौगोलिक संरचना उसे भूकंप के लिहाज से बहुत ज्यादा संवेदनशील बना देती है। इसका अधिकांश हिस्सा मुख्य रूप से अनातोलिया के 'टेक्टोनिक ब्लाक' पर स्थित है। इसके अलावा यह तीन तरफ से तीन बड़ी टेक्टोनिक प्लेट से घिरा हुआ है। ये हैं अफ्रीकन प्लेट, अरेबियन और यूरेशियन प्लेट। अनातोलियन प्लेट पर इन तीनों प्लेट की ओर से दबाव पड़ता है तो इसमें हलचल होती है जिससे तुर्किये में अक्सर भूकंप आते हैं। अभी तक ऐसी कोई भी तकनीक नहीं जिससे भूकंप आने से पहले लोगों को सचेत किया जा सके।

भूकंप आने के बाद अक्सर कई घंटे या कई दिन तक झटके आते रहते हैं। वैसे तो ये झटके मुख्य भूकंप की तुलना में कमजोर होते हैं, लेकिन इनकी वजह से जान माल की क्षति और बढ़ती है। किसी 'फाल्ट' यानी सतह के नीचे दो चट्टानों के बीच विभाजन क्षेत्र में एक बड़े भूकंप के बाद आने वाले झटके भी दरअसल भूकंप की ही कड़ी होते हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, तुर्किये का बड़ा भूकंप और उसके बाद के सभी झटके सतह के करीब से उत्पन्न हुए थे। इसी कारण ये अधिक विनाशकारी थे। दरअसल भूकंप सतह से जितने करीब उत्पन्न होता है, नुकसान उतना ही अधिक होता है। जानकारों के अनुसार, इस भयंकर भूकंप के कारण तुर्किये दस फीट तक खिसक गया है। ऐसा यूरेशियन और अफ्रीकी टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने के कारण हुआ है। क्या भूकंप का अनुमान लगाया जा सकता है? इसका उत्तर है कि सैद्धांतिक रूप से हां, लेकिन व्यावहारिक रूप से नहीं।

नागरिक बोध

चुनाव आयोग के फैसले से नाराज उद्धव ठाकरे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने को बेताब

1926 में बाला साहब ठाकरे के जन्म मराठी परिवार में हुआ था। 1966 में बाला साहब नेराजनैतिक और व्यवसायिक परिदृश्य पर महारास्ट्र के लोगो के लिए शिव सेना का गठन किया।बाला साहब मुखपत्र मराठी अखबार सामना और हिंदी दोपहर का सामना अखबार के फाउंडर थे। हिन्दू ह्दय सम्राट बाला साहब हिन्दुओ के समर्थन में खुलकरबोलते थे। शिव सेना के लाखों शिवसैनिक बाला साहब की एक आवाज के लिए मरने के लिए उतारू रहते थे। हिटलर और लिट्टे का समर्थन करने वाले बाला साहब की कथनी और करनी में कोई भेद नही था।बेबाक आवाज उनकी जमीर रहा है। बाला साहब की अंगुली पकड़कर उद्धव ठाकरे शिवसेना के महानायक बनने के बाद उनके चचेरे भाई राज ठाकरे को नागवार गुजरा। शिवसेना के गठन के बाद भी उनका मुख्य उद्देश्य मराठी लोगो के लिए सुरक्षा कवच का काम किया। भाजपा और शिवसेना में 1995 में विधानसभा चुनाव जीता और 1995 से 1999 तक शिवसेना के मनोहर जोशी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। बाला साहब हमेशा मराठी मानुष की लड़ाई लड़ते रहे थे। 2006 में अलग हुए राज ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई। राज ठाकरे के शिवसेना से अलग होने के बाद शिवसेना का दायां हाथ टूट गया। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच मतभेद चरम पर है लेकिन यह राजनैतिक तौर पर होता है। भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन टूटने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अन्य दल से हाथ मिलाया। उद्धव ठाकरे ने अघाड़ी सरकार के साथ गठबंधन कर लिया। उसके बाद वर्तमान मुख्यमंत्री शिंदे ने शिवसेना का प्रतीक चिन्ह को लेकर हक की लड़ाई लड़ते हुए चुनाव आयोग से गुहार लगाई। शिवसेना का प्रतीक चिन्ह तीर धनुष का असली हकदार शिंदे को बताते हुए शिंदे गुट के हक में फैसला आते ही उद्धव आगबबूला होते हुए चुनाव आयोग को बीजेपी का गुलाम बताया है। उद्धव ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट जाने की इच्छा जताई है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शिंदे ने उद्धव के खिलाफ पिटीशन दायर करने की बात कही है। बाला साहब के द्वारा शिवसेना का गठन किया गया था। शिवसेना का प्रतीक शिंदे के नाम खुलने के बाद उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर निशान साधते हुए कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी का गुलाम है।

नार्थ कोरिया ने 48 घंटे में दागी दूसरी बैलिस्टिक मिसाइल : जापान की समुद्री सीमा में गिरी, यूएस -साउथ कोरिया मिलिट्री ड्रिल के बाद टेस्ट किया

सियोल।
नॉर्थ कोरिया ने फिर पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्टर ली-जोंग-सुप ने सी ऑफ जापान की तरफ मिसाइल फायर होने का दावा किया है। जापान ने भी इसकी पुष्टि की है। हालांकि, ये मिसाइल कौन सी थी और ये कितनी दूर तक गई इसकी अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। दूसरा मिसाइल परीक्षण अमेरिका और साउथ कोरिया की मिलिट्री एक्सरसाइज के एक दिन बाद हुआ है। 18 फरवरी को नॉर्थ कोरिया ने मिसाइल टेस्टिंग की थी। इसके बाद 19 फरवरी को अमेरिका और साउथ कोरिया ने जॉइंट एयर एक्सरसाइज शुरू की थी।

23 फरवरी को टेबलटॉप अभ्यास करेंगे यूएस -साउथ कोरिया - 23 फरवरी को अमेरिका और साउथ कोरिया वॉशिंगटन में मिलिट्री एक्सरसाइज और इमरजेंसी के दौरान स्ट्रैटजी को लेकर टेबलटॉप अभ्यास करने वाले हैं। इस अभ्यास में दोनों देशों के बीच संभावित खतरों के दौरान न्यूक्लियर वेपन के इस्तेमाल और क्राइसिस मैनेजमेंट को लेकर चर्चा होगी। नॉर्थ कोरिया की तरफ से दी जा रही परमाणु धमकी के बीच दोनों देश जानकारी साझा करने के साथ ही क्षेत्र में अमेरिका की भागीदारी बढ़ाने को लेकर भी बात करेंगे। साथ ही मार्च में दोनों देशों की मिलिट्री फोर्स ज्वाइंट फील्ड एक्सरसाइज में भी शामिल होंगी।

प्रतिबंध के बावजूद मिसाइल टेस्टिंग कर रहा नॉर्थ कोरिया - संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक हत्यारों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं। इससे पहले मई में भी मिसाइल टेस्ट किया गया था।

नॉर्थ कोरिया तेजी से बढ़ा रहा मिलिट्री बिल्डअप - नॉर्थ कोरिया अपने मिलिट्री बिल्डअप को तेजी से बढ़ा रहा है। बीते दिनों नॉर्थ कोरिया ने कई सारे मिसाइल टेस्ट किए हैं। नॉर्थ कोरिया इस साल में अब तक 34 मिसाइल दाग चुका है। शुक्रवार को दागी गई इस मिसाइल की ऊंचाई और दूरी 24 मार्च को दागी गई मिसाइल से 100 किलोमीटर कम थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च में दागी गई मिसाइल नॉर्थ कोरिया की अब तक की सबसे खतरनाक मिसाइल मानी गई है।

न्यूज ब्रीफ

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलनः यूरोपीय मानसिकता पर जयशंकर के तंज को जर्मन चांसलर ने सही माना, कहा- उनकी बात में दम

म्यूनिख (जर्मनी)। जर्मन चांसलर ओल्फ शोल्ज ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर की वायरल यूरोपीय मानसिकता वाली टिप्पणी का जिक्र किया। जयशंकर ने पिछले साल स्लोवाकिया में ग्लोबसेक ब्रातिस्लावा फोरम के 17वें संस्करण के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत के रुख पर एक सवाल का तंजपूर्ण जवाब दिया था। जयशंकर ने कहा था कि यूरोप को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि यूरोप की समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं, लेकिन विश्व की समस्याएं यूरोप की समस्याएं नहीं हैं। जर्मन चांसलर द्वारा शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान इस संदर्भ का उपयोग किया गया। ओल्फ शोल्ज ने तथाकथित यूरोपीय मानसिकता में बदलाव का सुझाव दिया और कहा कि जयशंकर की इस बारे में की गई टिप्पणी में दम है। शोल्ज ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री का यह उद्धरण इस वर्ष की म्यूनिख सुरक्षा रिपोर्ट में शामिल है और उनके पास एक तथ्य है कि यह केवल यूरोप की समस्या नहीं होगी यदि मजबूत कानून अंतरराष्ट्रीय संबंधों में खुद को स्थापित करे। उन्होंने यह भी कहा कि जकार्ता और नई दिल्ली में एक विश्वसनीय यूरोपीय या उत्तरी अमेरिकी होने के लिए साझा मूल्यों पर जोर देना पर्याप्त नहीं है।

रूसी राष्ट्रपति बीमार हैं! बैठक में पैरों को मरोड़ते-झटकते दिखे पुतिन, मीडिया रिपोर्ट में दावा

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तबीयत को लेकर अकसर मीडिया में अटकलें लगती रहती हैं। कई बार रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पुतिन किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं।

अब एक बार फिर एक बार मीडिया में रूसी राष्ट्रपति की तबीयत तो लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, उनका एक वीड़ियो वायरल हो रहा है, जिसमें पुतिन को अपने पैरों को मरोड़ते और झटके देते हुए देखा जा सकता है। इनमें कहा जा रहा है कि उनकी हालत गंभीर है। हाल ही में क्यूबा के एक नेता के साथ बैठक के दौरान पुतिन को घबराहट हुई और उन्हें जोर से कुर्सी पकड़ते देखा गया। इस दौरान उनके हाथों का रंग बदलने का भी दावा किया गया है। रिपोर्ट्स में ये वीडियो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की उनके बेलारूस के समकक्ष अलेक्जेंडर लुकाशेंकों के साथ हुई बैठक के दौरान का बताया जा रहा है। इस वीडियो में पुतिन को अपनी टांगों को बार-बार झटके देते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो को यूक्रेनी आंतरिक मामलों के सलाहकार एंटोव गेराशचेंको ने शेयर किया है। साथ ही कैप्शन में उन्होंने लिखा है कि लुकाशेंको के साथ वार्ता के दौरान पुतिन के पैरों को देखिए। यह कोई मोर्स कोड है इस वीडियो को कई मीडिया संस्थानों ने भी शेयर किया है। वहीं, एक बार फिर यूजर्स ने रूसी राष्ट्रपति की तबीयत को लेकर चर्चाएं शुरू कर दी हैं। ये पहली बार नहीं है जब रूसी राष्ट्रपति को लेकर इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों बोले- यूक्रेन को बचाना मकसद, पर रूस को कुचलने में नहीं देंगे साथ

म्यूनिख । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि फ्रांस का मकसद यूक्रेन को बचाना है, रूस को कुचलना नहीं। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में शामिल होने जर्मनी पहुंचे मैक्रों ने साक्षात्कार में कहा कि

वे इस सोच के समर्थक नहीं है कि सभी को मिलकर रूस पर हमला कर देना चाहिए, जबकि कुछ का मकसद ही उसे तबाह कर देना है। हालांकि, फिलहाल वे यह सुझाव नहीं देंगे कि रूस के साथ शांतिवार्ता की जाए। सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि यूक्रेन के भविष्य को बचाने के लिए रूस को गलत साबित करना बेहद जरूरी है। जब यह युद्ध शुरू हुआ था तो पुतिन को लगा था कि वे पश्चिम को यूरोपीय एकता को तोड़कर सभी को झुका लेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब वक्त है कि पुतिन ने जो गलत किया है उसकी कीमत वसूलते हुए पुतिन को गलत साबित किया जाए। वहीं, कोरियाई प्रायद्वीप में फिर से तनाव बढ़ गया है। रविवार को उत्तर कोरिया के जवाब में द. कोरिया, जापान और अमेरिका ने बम वर्षक हवाई जहाजों से अभ्यास किया। अमेरिका ने इस अभ्यास में परमाणु हमले में सक्षम बी-1बी का इस्तेमाल किया।

तालिबान ने नागरिक कानूनों को इस्लामी कानूनों में बदला, पूरे देश में शुद्धिकरण अभियान शुरू

कंधार।
अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद कई बदलाव किए गए हैं। सुसन्नाह जॉर्ज ने वाशिंगटन पोस्ट में लिखा है कि अफगानिस्तान के नए शासक तालिबान ने नागरिक कानूनों को इस्लामिक कानूनों से बदलने के लिए देश भर में शुद्धिकरण अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया तो समूह ने एक शुद्धिकरण अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य देश में पूरी तरह से इस्लामी समाज बनाने के लिए नागरिक कानूनों और संस्थानों को अलग करना था। जार्ज ने कहा कि डेढ़ साल बाद तालिबान ने संविधान को खत्म करके और कानूनी कोड को इस्लामिक कानून की कठोर व्याख्या के आधार पर नियमों के साथ बदलकर देश की न्याय प्रणाली को खत्म कर दिया है। तालिबान ने जेलों को भर दिया है। साथ ही पुरुषों और महिलाओं को बुनियादी नागरिक अधिकारों से वंचित कर दिया है और सबसे कमजोर अफगानों की रक्षा के लिए बनाई गई सामाजिक सुरक्षा जाल को नष्ट कर दिया है। तालिबान मीडिया को बदलने की भी मांग कर रहा है। मीडिया का उपयोग देश के लिए अपने विजन को बढ़ावा देने और संगीत और संस्थानों में महिलाओं की उपस्थिति सहित गैर-इस्लामिक समझी जाने वाली सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, आलोचकों का कहना है कि इस प्रयास ने अधिकारों पर आधारित एक सामाजिक व्यवस्था को भय और डराने-धमकाने की प्रक्रिया में बदल दिया है। हालांकि, तालिबान के अधिकारियों और कुछ अफगानों ने इस अभियान को सुरक्षा में सुधार और भ्रष्टाचार को खत्म करने का श्रेय दिया

है। अफगानिस्तान के दूसरे शहर कंधार में अपनी मस्जिद के बाहर तालिबान से करीबी संबंध रखने वाले एक प्रमुख इमाम मावलेवी अहमद शाह फेडायी ने कहा कि हमने देश में मानवता लौटाई है। तालिबान के न्यायाधीशों ने कहा कि उन्होंने 2021 के अधिग्रहण के बाद परित्यक्त अदालतों में स्थानांतरित होने पर पिछली सरकार के कानूनों वाली पुस्तकों को जला दिया गया। जॉर्ज ने कहा कि हाल के महीनों में तालिबान द्वारा इन कानूनी और नीतिगत परिवर्तनों को औपचारिक रूप देने के साथ, शुद्धिकरण अभियान और आगे बढ़ गया है। इसके अलावा, तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा कथित अपराधियों को इस्लामिक कानून के अधीन करने के बारे में अधिक मुखर हो गए हैं। उदाहरण के लिए, किसी अपराध के लिए सजा अब सार्वजनिक रूप से पिटाई में तब्दील हो गया है। तालिबान के उप प्रवक्ता कारी मुहम्मद यूसेफ अहमदी ने बताया कि तालिबान शासकों को इस्लामी शरीयत व्यवस्था बनाने और अफगान समाज में सुधार लाने के प्रयास करने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने इस्लामी कानून की तालिबान की व्याख्या को थोपते हुए कहा कि यह सरकार और जनता के लिए एक आशीर्वाद है। साथ ही यह अल्लाह को प्रसन्न करता है। जॉर्ज ने कहा, अब तक तालिबान के शुद्धिकरण अभियान ने समूह के पहले के कार्यकाल की क्रूरता जैसे कि कथित व्यभिचार के लिए महिलाओं को व्यापक रूप से पत्थरों से मारने जैसी घटना को फिर से प्रकट नहीं किया है। लेकिन हाल के बदलावों से पता चलता है कि तालिबान उस दिशा में आगे बढ़ सकता है। गौरतलब है कि सत्ता संभालने के बाद तालिबान ने शिक्षा तक महिलाओं की पहुंच को गंभीर रूप से प्रतिबंधित कर दिया है और महिलाओं को मानवीय संगठनों के लिए काम करने से रोक दिया है।

पाक-अफगान बॉर्डर पर पुलिस और तालिबान में मुठभेड़ः कई लोगों की मौत की खबर; दो महीने पहले फायरिंग में मारे गए थे 7 पाकिस्तानी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर पर अफगान तालिबान और पाकिस्तानी पुलिस फोर्स के बीच मुठभेड़ हो रही है। इसमें दोनों तरफ के कई लोगों के मारे जाने की खबर मिली है। अफगानिस्तान के एक पत्रकार अब्दुलहक ओमेरी मे इसकी जानकारी दी है। यह मुठभेड़ पाकिस्तान के तोरखम में हुई है। इसके पहले 12 दिसंबर 2022 को फायरिंग में 7 पाकिस्तानी मारे गए थे। अफगानिस्तान में भी एक व्यक्ति की मौत हुई थी। नवंबर 2022 में बॉर्डर एरिया में 8 दिन तक लगातार फायरिंग हुई थी। इसकी वजह से दोनों तरफ काफी नुकसान हुआ था। तब पाकिस्तान ने डिप्लोमैटिक तरीके से मामला सुलझाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगान तालिबान पाकिस्तान की सीमा में आतंकी भेज रहे हैं और ये टेरेरियूएसट पाकिस्तान में हमले करते हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक सीमा के जरिए अलग होते हैं। इसे डूरंड लाइन कहा जाता है। पाकिस्तान इसे बाउंड्री लाइन मानता है, लेकिन तालिबान का साफ कहना है कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा राज्य उसका ही हिस्सा है। पाकिस्तानी सेना ने यहां कांटेदार तार से फेंसिंग की है। 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान की सल्तनत पर तालिबान का कब्जा हो गया। उसने 5 दिन बाद ही यानी 20 अगस्त को साफ कर दिया कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान का हिस्सा खाली करना होगा, क्योंकि तालिबान डूरंड लाइन को नहीं मानता। पाकिस्तान ने इसका विरोध किया और वहां फौज तैनात कर दी। इसके बाद तालिबान ने वहां मौजूद पाकिस्तानी चेक पोस्ट्स को उड़ा दिया। इस इलाके में कई पाकिस्तानी फौजी मारे जा चुके हैं और कई तालिबान के कब्जे में हैं।

अमेरिका के आसमान में फिर दिखा जासूसी गुब्बारा, हवाई उड़ानों के लिए बना खतरा

वॉशिंगटन।
अमेरिका के हवाई में एक बैलून दिखाई दिया है। यह बैलून होनोलूलू शहर में 50 हजार फीट की ऊंचाई पर देखा गया है। अमेरिकी अधिकारियों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। इसके पहले 2 फरवरी को अमेरिका के मोंटाना शहर में एक चीनी स्पाई बैलून नजर आया था। इसे 5 फरवरी को अमेरिकी वायुसेना ने कैरोलिना तट के पास फाइटर जेट से मार गिराया था।

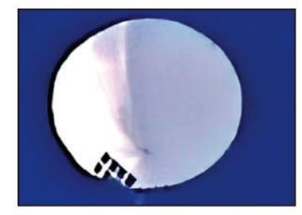

अमेरिका के मोंटाना शहर में 2 फरवरी को चीनी स्पाई बैलून नजर आया था। यहां एयरफोर्स का स्पेशल बेस है, जहां से इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल ऑपरेट की जाती है। पूरे अमेरिका में ऐसे तीन ही एयरबेस हैं। 5 फरवरी को अमेरिकी वायुसेना ने कैरोलिना तट के पास फाइटर जेट से इस स्पाई बैलून को मार गिराया था। इस घटना के बाद अमेरिका और चीन में तनाव बहुत तेजी से बढ़ा। चीन ने अमेरिकी के इस कदम पर आपत्ति जताई थी।

3 फ्लाइंग ऑब्जेक्ट भी मार गिराए , 13 फरवरी को अमेरिका-कनाडा बॉर्डर के पास दिखा फ्लाइंग ऑब्जेक्ट , 13 फरवरी को अमेरिका-कनाडा बॉर्डर के पास एक और फ्लाइंग ऑब्जेक्ट दिखा था। अमेरिकी एयर फोर्स ने इसे भी मार गिराया। फ्लाइंग ऑब्जेक्ट ऑक्टागोनल स्ट्रक्चर का था। इसमें से कुछ तार लटक रहे थे। हालांकि, इससे मिलिट्री को किसी तरह का कोई खतरा नहीं था। उन्होंने कहा- ये जमीन से 20 हजार फीट ऊपर उड़ा रहा था, इसलिए ये सिविल एविएशन के लिए खतरा बन सकता था। इससे कॉमर्शियल फ्लाइट्स को खतरा था।

12 फरवरी को कनाडा में दिखा संदिग्ध फ्लाइंग ऑब्जेक्ट

कनाडा के यूकॉन प्रांत में 12 फरवरी को सिलेंड्रिकल आकार का फ्लाइंग ऑब्जेक्ट दिखा था। इसे अमेरिकी फाइटर जेट स्न-22 ने मार गिराया था। कनाडाई फोर्स जल्द ही इसका मलबा बरामद कर जांच के लिए भेजेगी। इससे जुड़ी फोटो, वीडियो या अन्य जानकारी जारी नहीं की गई।

10 फरवरी को अलास्का में दिखा फ्लाइंग ऑब्जेक्ट

10 फरवरी को अमेरिका के अलास्का में एक फ्लाइंग ऑब्जेक्ट दिखाई दिया था। उस वक्त भी अमेरिकी फाइटर जेट ने 40 हजार फीट की ऊंचाई पर दिखे इस ऑब्जेक्ट को मार गिराया था। इस ऑब्जेक्ट की रफ्तार 64 किमी प्रति घंटे थी। इससे कॉमर्शियल फ्लाइट्स को खतरा था। वहीं, इसके आबादी के ऊपर गिरने की आशंका भी थी।

ब्राजील के कई शहरों में बाढ़ और भूस्खलन, 24 लोगों की मौत, कार्निवल रद्द

साओ पाउलो।
ब्राजील की सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य साओ पाउलो बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित है। ब्राजील के अधिकारियों ने

रविवार को कहा कि का उत्तरी साओ पाउलो राज्य के कई शहरों बाढ़ और भूस्खलन के कारण गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने बताया कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 24 लोगों की मौत हो गई है और यह संख्या अभी बढ़ सकती है। साओ पाउलो के दो शहर साओ सेबस्टियाओ और बर्टिओगा सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। दोनों शहरों ने अपने कार्निवल उत्सव को रद्द कर दिया है, क्योंकि बचाव दल लापता, घायलों और मलबे में मृत लोगों को खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। साओ सेबेस्टियाओ के मेयर फेलिप ऑगस्टो ने कहा कि हमारे बचाव दल कई स्थानों पर जाने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं; यह एक अराजक स्थिति है। ऑगस्टो ने अपने सोशल मीडिया चैनलों पर अपने शहर में व्यापक विनाश के कई वीडियो पोस्ट किए हैं। जिसमें पानी भरी सड़क पर खड़े स्थानीय लोगों द्वारा एक बच्चे को बचाए जाने का वीडियो भी शामिल है। साओ पाउलो राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र में बारिश एक दिन में 600 मिलीमीटर से अधिक दर्ज गई है, जो इतनी कम अवधि में ब्राजील में अब तक की सबसे अधिक बारिश में से एक है। राज्य सरकार ने कहा कि अकेले बर्टिओगा में उस अवधि के दौरान 687 मिलीमीटर बारिश हुई। गवर्नर तारसीसियो डी फ्रीटास ने एक बयान में कहा कि उन्होंने सेना से समर्थन का अनुरोध किया है, जो इस क्षेत्र में दो हवाई जहाज और बचाव दल भेजेगा। उन्होंने उबातुबा, साओ सेबस्टियाओ, इल्हाबेला, कारागुआटाटुबा और बर्टिओगा शहरों के लिए एक सार्वजनिक आपदा आदेश जारी किया। टीवी फुटेज में दिखाया गया है कि घरों में बाढ़ आ गई है और केवल छत दिखाई दे रही है। स्थानीय निवासी वस्तुओं और लोगों को उच्च स्थानों पर ले जाने के लिए छोटी नावों का उपयोग कर रहे हैं। एक सड़क जो रियो डी जनेरियो को सैंटोस के बंदरगाह शहर से जोड़ती है, भूस्खलन और बाढ़ से अवरुद्ध हो गई है।

सियासत की पुरुषवादी सोच : जेसिंडा के बाद स्टर्जन ने पद छोड़ा पुरुषों के मुकाबले ज्यादा मेहनत कर शीर्ष पद पाती हैं महिलाएं

लंदन।
स्कॉटलैंड की प्रथम मंत्री और स्कॉटिश नेशनल पार्टी की लीडर निकोला स्टर्जन ने बीते हफ्ते इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि मेरा दिल और दिमाग थक चुका है। इस तरह से किसी शीर्ष पद से महिला का पीछे हटने का 20 दिन में दूसरा मौका है।

इससे पहले न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने भी 25 जनवरी को दबाव का हवाला देकर पद छोड़ा था। दोनों नेताओं में कई समानताएं हैं। पद छोड़ते समय स्टर्जन और जेसिंडा को पुरूषों से सियासी चुनौती मिल रही थी। दुनिया में महिला नेतृत्व के लिहाज से बीता साल शानदार रहा। सितंबर तक 30 महिलाओं ने राष्ट्र प्रमुख के रूप में कमान संभाली। लेकिन अब चौंकाने वाले इस्तीफे से महिला शीर्ष नेतृत्व कम हो गया है। इस्तीफों को लेकर यूरोपीय संसद की पूर्व उपाध्यक्ष और महिला नेताओं के वैश्विक नेटवर्क की अध्यक्ष सिल्वाना कोच-मेहरिन ने कहा- महिलाओं के पास देश चलाने का अत्यंत जटिल कार्य है तो है ही, उन्हें महिलाओं की नेतृत्वकर्ता के तौर पर भी देखा जाता है। इसी

कारण पुरुषवादी हमलों का शिकार होती हैं। दुनिया की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी अभी भी कम है। सितंबर 2022 तक केवल 21प्रतिशत मंत्री महिलाएं थीं। इस दर से 2050 तक राजनीति में लैंगिक समानता हासिल नहीं होगी। एक शोध से पता चलता है कि महिलाओं को अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक शत्रुता का सामना करना पड़ता है। अमेरिकी अध्ययन के मुताबिक निर्वाचित महिला नेताओं को उनके समकक्षों की तुलना में तीन गुना दुर्व्यवहार और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। कुल मिलाकर वह अग्निपरीक्षा से गुजरकर ही शीर्ष तक पहुंचती हैं। जबकि पुरुषों के साथ ऐसा नहीं है। पुरुषों की तुलना में महिला मंत्रियों पर जांच होती है ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल स्मेट्स का कहना है- इस पर पर्याप्त शोध है कि महिला को उच्च स्तर के पद की जिम्मेदारी दी जाती है, तो जांच पुरुषों की तुलना में अधिक कठोर ढंग से की जाती है। जांच का दायरा तब और बड़ा होता है, जब महिला संगठन प्रमुख या पार्टी से सरकार प्रमुख पद की दावेदार हो। इस तरह की जांच का उदाहरण पिछले साल मिला था। तब फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन का पार्टी से जुड़ा वीडियो सामने आया था। इसको लेकर इतना हो-हल्ला हुआ कि आरोपों के जवाब में मारिन को ड्रग टेस्ट कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। पद छोड़ते हुए निकोला स्टर्जन ने कहा कि हाल के वर्षों में सरकारी कार्यालय (मंत्रालय और राजनीति) में महिलाओं के प्रति 'क्रूरता का भाव उभर कर सामने आया है। स्टर्जन 'ट्रांसजेंडर' अधिकारों को और ज्यादा विस्तार देने की हिमायती हैं।

अफगानिस्तान में गर्भ निरोधकों पर बैन

तालिबान ने कहा- ये मुस्लिम आबादी रोकने की साजिश; बाद में सफाई- कॉन्ट्रासेप्टिव्स पर रोक नहीं

काबुल।
अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने गर्भ निरोधकों की बिक्री पर रोक लगा दी है। आतंकी संगठनों के मुताबिक यह मुस्लिमों की बढ़ती आबादी को रोकने की पश्चिमी देशों की साजिश है। पश्चिमी देश नहीं चाहते कि मुस्लिम जनसंख्या बढ़े। तालिबान आतंकी डोर टू डोर जाकर महिलाओं को धमका रहे हैं कि वो प्रेग्नेंसी रोकने के लिए इन का इस्तेमाल न करें। मेडिकल स्टोर्स की भी तलाशी ली जा रही है, ताकि इन गर्भ निरोधकों की बिक्री रोकी जा सके।

दूसरी तरफ, तालिबान ने गर्भ निरोधकों पर बैन को गलत बताया है। बातचीत में तालिबान हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा- मेडिकल स्टोर्स का रेग्युलर इन्स्पेक्शन होता है। ब्रिटिश मीडिया की खबरें गलत हैं। हमने कॉन्ट्रासेप्टिव्स की बिक्री पर रोक नहीं लगाई।

मेडिकल स्टोर्स के मालिकों को धमकी - तालिबान की इस नई हरकत पर रिपोर्ट जारी की है। एक मेडिकल स्टोर चलाने वाले ने कहा- फिलहाल, दो शहरों में गर्भ निरोधक के इस्तेमाल और इनकी बिक्री पर रोक लगाई गई है। तालिबान

मेरे स्टोर पर आए और बंदूक दिखाकर धमकी दी। उन्होंने कहा- स्टोर में गर्भ निरोधक गोलियां या दूसरे सामान मत रखना। काबुल में तो हर मेडिकल स्टोर को चेक किया जा रहा है।

एक महिला ने कहा- कॉन्ट्रासेप्टिव्स (गर्भ निरोधक) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए दूसरी महिलाओं को भड़काया तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। ये वेस्टर्न वर्ल्ड की साजिश है, वो हमारी आबादी नहीं बढ़ने देना चाहते। काबुल और मजार-ए-शरीफ में नोटिस लगाए गए हैं कि कोई भी मेडिकल शॉप गर्भ निरोधक न रखे। इनमें कॉन्ट्रसेप्टिव पिल्स और डेपो प्रोवेरा जैसे इंजेक्शन्स भी शामिल हैं। 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान हुकूमत पर कब्जा करने वाले आतंकी संगठन ने महिलाओं पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। उन्हें हायर एजुकेशन हासिल करने से रोक दिया गया। महिलाओं के हायर स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज पहले ही बंद की जा चुकी हैं। उनके नौकरी करने और अकेले घर से निकलने पर भी रोक है। अब गर्भ निरोधकों के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है।

मौत का खतरा बढ़ेगा - रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान में हेल्थ केयर सिस्टम सिर्फ नाम के लिए है। यहां 14 में से एक महिला की मौत प्रेग्नेंसी रिलेटेड इश्यू की वजह से हो जाती है। अफगानिस्तान दुनिया के उन देशों में पहले नंबर पर है, जहां एक महिला के लिए बच्चे को जन्म देना सबसे खतरनाक माना जाता है। खास बात यह है कि तालिबान ने ऑफिशियली कॉन्ट्रासेप्टिव्स पर रोक के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। जब उससे इस पर सवाल किया गया तो वहां से कोई जवाब भी नहीं आया। काबुल की गलियों में मौजूद तालिबान आतंकियों से जब इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा- गर्भ निरोधक पश्चिम की साजिश हैं। हम इसे कामयाब नहीं होने देंगे। 17 साल की जैनब की दो साल पहले शादी हुई थी। वो इस बैन से डरी हुई हैं। उनकी पहले से ही 18 महीने की बेटी है। वो कहती हैं- मुझे खुद स्कूल छोड़ना पड़ा। बेटी भी नहीं पढ़ पाएगी। आखिरी उम्मीद भी टूट चुकी है। हमारा यहां दम घुट रहा है। यंग वुमन शबनम ने कहा- वो पहले ही सब छीन चुके थे। अब इंसानी हक भी छीन रहे हैं।

तालिबान लीडर ने क्या कहा - बातचीत में तालिबान के कंधार में रहने वाले लीडर उस्ताद फरीदून ने कहा- महिलाओं की सेहत के लिए कई बार गर्भ निरोधक जरूरी होते हैं। शरिया में भी कहा गया है कि अगर महिला की जान को खतरा हो तो इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए इन कॉन्ट्रसेप्टिव्स को पूरी तरह बैन करना सही नहीं है। तालिबान ने पिछले महीने अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में एक लिंग भेद को लेकर योजना लागू की थी। इसके तहत पुरुषों को फैमिली रेस्तरां में परिवार के सदस्यों के साथ भोजन करने की अनुमति नहीं है।

जनसुनवाई हर विधायक को करनी चाहिए : गहलोत

जोधपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री सोमवार को भी जोधपुर प्रवास पर है। तीन दिन से जोधपुर में वे कई शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ आज उन्होंने सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र में तीन दिव्यांगों को स्कूटी प्रदान की और पीठ थपथपाई। वहीं उन्होंने सर्किल हाउस में जन सुनवाई की। जनसुनवाई में सैकड़ों लोगों ने अपनी परिवेदनाएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखी और उन्होंने विशेषाधिकारी को उन्हें सुलझाने को कहा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज तीसरे दिन भी गृह नगर जोधपुर प्रवास पर है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां सर्किट हाउस में सरदारपुरा स्थानीय विधायक कोष से तीन दिव्यांगों को स्कूटी का वितरण किया। यह अशोक गहलोत विधायक कोष से दी गई। इसके बाद सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही मौके पर उपस्थित अधिकारियों को समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया। सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री के सामने समस्या और शिकायतें लेकर भारी संख्या में लोग पहुंचे। इस बीच मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में कांग्रेस कार्यकताओं नेताओं से भी मुलाकात की। सर्किट हाउस में जन सुनवाई के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जनसुनवाई हर विधायक को करनी चाहिए। लोगो की मानसिकता होती है की उनका विधायक और उनका नेता उनके समस्याओं को सुन रहा है। इससे उनका जुड़ाव रहता है। हम भी मानते हैं हर समस्या का समाधान नहीं होता, लेकिन जनसुनवाई से लोगों को संतुष्टि मिलती।

मुख्यमंत्री ने एक सवाल पर कहा कि आपने बोला था कि मैं प्रथम सेवक बनकर हमेशा सेवा करता रहूंगा। इस पर उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं है कि मुख्यमंत्री ही प्रथम सेवक होता है। प्रथम सेवक जनता की सेवा करने वाला होता है। हमेशा कहता हूं मैं थांसु दूर नहीं जब तक जीवन है। मैं प्रथम सेवक के रूप सेवा करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हर वर्ग का ध्यान रखा है। किसानों के लिए 2000 यूनिट बिजली फ्री की है आम उपभोक्ताओं के लिए भी 100 यूनिट तक बिजली फ्री की है। जोधपुर में मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी दी है। ऐसे सरकार ने शिक्षा चिकित्सा सहित हर क्षेत्र में काम करने का प्रयास किया है। उनकी मंशा है कि वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को कैसे आराम दें सकें। मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में जनसुनवाई के बाद पाली रोड डीपीएस के पास में व्यास मेडिसिटी में व्यास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने टेली आईसीयू सेवा सहित अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने व्यास मेडिसिटी के भवन, परिसरों, चिकित्सा सेवाओं और सुविधाओं की चिकित्सा विशेषज्ञों से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों की कुशलक्षेम भी पूछी।

जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क के सुदासरी इलाके में नजर आए नौ नये राज्य पक्षी गोडावण

जैसलमेर, (हि.स.)। जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क के सुदासरी इलाके में एक साथ नौ राज्य पक्षी गोडावण नजर आए। इस सूचना से पर्यावरण प्रेमियों में काफी खुशी है। डेजर्ट नेशनल पाक के सुदासरी इलाके में तैनात फॉरेस्ट गार्ड ने इन गोडावण को देखा और इनकी तस्वीरें लीं। इस सम्बन्ध में जिला वन अधिकारी (डेजर्ट नेशनल पार्क) आशीष व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि गत वर्ष अच्छी बरसात होने से क्षेत्र में राज्य पक्षी गोडावण के लिए अच्छी घास और वातावरण उपलब्ध हुआ। इस प्रकार अब जैसलमेर में पहले से मौजूद गोडावण के कुनबे में नौ और गोडावण के जुड़ जाने से वन्य जीव और पर्यावरण प्रेमियों में काफी खुशी है। जिला वन अधिकारी जैसलमेर के अनुसार जैसलमेर में गोडावण को बचाने और उसका कुनबा बढ़ाने के लिए डेजर्ट नेशनल पार्क सबसे संरक्षित क्षेत्र माना जाता है। यहां करीब 75 क्लोजर हैं जो एक सौ अस्सी वर्ग किलोमीटर में फैला है। इस कारण यहां गोडावण के प्रजनन की अनुकूल स्थितियां बनी हुई हैं। डेजर्ट नेशनल पार्क के सुदासरी में बनाए गए हैचरी सेंटर में अंडों को वैज्ञानिक तरीके से सेज कर उनसे चूजे निकलवाए जा रहे हैं। ये कृत्रिम प्रजनन केन्द्र कई मायनों में सफल साबित हो रहा है। प्रजनन केंद्र के चूजों को एक निश्चित समय के बाद उसे रामदेवरा के नवनिर्मित ब्रीडिंग सेंटर में शिफ्ट किया गया हैं जिनका लालन-पालन हो रहा है। जिला वन अधिकारी ने बताया कि अब शनिवार को सुदासरी में फॉरेस्ट गार्ड को पेट्रोलिंग के दौरान घास के बीच विचरण करते नौ गोडावण एक साथ नजर आए। गोडावण नजर आते ही फॉरेस्ट गार्ड ने उनकी तस्वीरें तथा वीडियो ली जिसे जिला वन अधिकारी ने साझा कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक साथ नौ गोडावण नजर आने से गोडावण संरक्षण के प्रयासों को काफी ताकत मिल रही है। गौरतलब है तेज गर्मी और रेतीली आंधियों का पर्याय माने जाने वाले थार के मरुस्थल में स्थित सीमांत जिले जैसलमेर पर इस बार मानसून की मेहरबानी रही है। हरियाली के वातावरण में वन्य जीवों की अठखेलियां और उनका स्वच्छंद विचरण देखा जा सकता था। बारिश के बाद सेवन घास और कीट पतंगों के रूप में गोडावण को अच्छी मात्रा में पौष्टिक पोषण उपलब्ध है। व्यास ने बातचीत में बताया कि इस बार मानसून उपरांत राज्य पक्षी का कुनबा भी बढ़ा है। क्लोजर की अनुकूल स्थितियों से गोडावण की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इनके संरक्षण के भारत सरकार और राजस्थान सरकार ने विशेष प्रयास किये हैं।

अधिवक्ता जुगराज हत्याकांड : अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य बहिष्कार, तीसरे दिन भी नहीं उठाया शव

जोधपुर, (हि.स.)। शहर के माता का थान पुलिस थाना क्षेत्र भदवासिया के समीप शनिवार देर शाम अधिवक्ता जुगराज चौहान की हत्या के आरोप में पुलिस ने अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुत्र ने सात आठ लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दी है। इधर शहर में राजस्थान हाईकोर्ट एसोसियेशन की तरफ अधिवक्ता परिवार को उचित मुआवजा राशि, नौकरी आदि की मांगों को लेकर सोमवार से न्यायिक कार्यों का बहिष्कार शुरू कर दिया गया है। वकीलों की हड़ताल आगामी दिनों तक जारी रह सकता है फिलहाल इस पर संशय बना है। उनकी मांगे नहीं मानी जाने पर हड़ताल को बढ़ाया भी जा सकता है। अधिवक्ता जुगराज का शव आज तीसरे दिन भी मोर्चरी में पड़ा है। अब शव को नहीं उठाया गया है। परिजन और समाज के लोग धरने पर बैठे है। आज दोपहर में अधिवक्ताओं ने एकत्र होकर एमजीएच की तरफ मार्च किया है। अधिवक्ता पैदल ही हाईकोर्ट परिसर से निकले है। उन्हें मुख्यमंत्री की तरफ से दिए जाने वाले आश्वासन पर बात करनी है। हालांकि मुख्यमंत्री को रात में ही अधिवक्ताओं ने घटना के बारे में अवगत कर दिया था।

अधिवक्ता पोटेशन बिल को लेकर भी अधिवक्ता लामबंद हो रखे है। गत सप्ताह में अधिवक्ताओं की तरफ से तीसरी बार न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया गया है। दो बार अधिवक्ताओं से हुई मारपीट को लेकर न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया जा चुका है। अब तीसरा बार अधिवक्ता जुगराज चौहान की हत्या को लेकर रोष जताया जा रहा है। बता दें कि शनिवार की देर शाम को अधिवक्ता मोहल्ला वाला बास मदेरणा कॉलोनी निवासी जुगराज चौहान की चाकू से गोदने के साथ सिर पर पत्थर पटक कर बुरी तरह हत्या की गई थी। बाद में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया था। आरोपित पुलिस अभिरक्षा में है। हत्याकांड की वजह जमीन का विवाद और पुत्र की हत्या से जुड़ा होना अब तक सामने आया है।

कांग्रेस मुझे पाटियाला से आम चुनाव लड़ने की इजाजत दे, मैं लड़ने को तैयार

-नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी ने कही यह बात

पटियाला (ईएमएस)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान और पंजाब के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत ने कहा कि यदि कांग्रेस उन्हें पटियाला से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट देती है, तब वह डटकर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पटियाला उनकी कर्म भूमि है। मैडम सिद्धू पटियाला कांग्रेस शहरी के पूर्व प्रधान नरिन्दर लाली के नेतृत्व में हो रहे एक समागम पर बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस की सेवा कर रही हैं, और आने वाले दिनों में करती रहेंगी। उन्हें कोई बड़े पदों की जरूरत नहीं है। नवजोत सिद्धू जल्द ही जेल से बाहर आकर पंजाब की सेवा में डटने वाले हैं। उन्होंने गत समय मौजूदा कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग की तरफ से पार्टी से बाहर निकाले गए पूर्व जिला शहरी प्रधान लाली के हक में डटते हुए कहा कि लाली कांग्रेस का सच्चा सेवक है, जिसे किसी पद की जरूरत नहीं है। लाली अब सिद्धू के नेतृत्व में ही अपनी मुहिम शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि यहां वे लोग भी हैं, जिन्होंने 5-5 साल राज सत्ता भोगी और जब पार्टी को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में दौड़ गए। इस तरह के नेताओं को पटियाला के लोग मुंह नहीं लगाएंगे। वहीं कांग्रेस के पूर्व जिला शहरी लाली ने कहा कि यदि नवजोत कौर सिद्धू पटियाला लोकसभा सीट से खड़ी होती हैं, तब उन्हें बहुत बड़ी जीत दिलाएंगे।

दिन में सताने लगी चुभती सूर्यकिरणें, फरवरी में ही हावी हो रहा गर्मी का असर

जयपुर, (हि.स.)। होली से पहले ही प्रदेश के तापमान में बढ़ोतरी का दौर जारी है। अब दिन में तेज धूप और गर्मी आमजन को परेशान करने लगी है। हालांकि दो से तीन दिनों में मौसम में बदलाव आ सकता है। इस दौरान तापमान में मामूली गिरावट होगी। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर भारत में लगातार सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में परिवर्तन हुआ है। प्रदेश में इसी के चलते मौसम में बदलाव का दौर जारी है। 22 फरवरी के बाद उत्तरी हवाओं के असर के चलते तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बीती रात सबसे अधिक पारा अजमेर में 17.6, बीकानेर में 17.5, जयपुर में 17.2, जैसलमेर में 17.5, श्रीगंगानगर में 15, पिलानी में 15.6, कोटा में 15.7 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं, दोपहर में सबसे अधिक पारा बाड़मेर का 38, जयपुर का 33.2, चूरू का 35.8, जैसलमेर का 37.5 डिग्री सेल्सियस मापा गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान व आसपास के अरब सागर के क्षेत्र के ऊपर वायुमंडल के मध्य स्तरों में हवाओं का एक एंटी साइक्लोनिक तंत्र बन गया है। इससे तापमान बढ़ा है। फरवरी के दूसरे पखवाड़े की शुरूआत में ही गर्मी में आई तेजी को देखते हुए प्रदेश में इस बार गर्मी का सीजन लम्बा रहने के आसार है। मौसम में बदलाव के कारण अब तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है। दिन में तेज धूप और गर्मी आमजन को परेशान करने लगी है। मौसम के जानकारों का कहना है कि अभी प्रदेश में गर्मी का असर दिख रहा है, जो आने वाले दिनों में और तेज होगा। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई जिलों का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान में भी 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रविवार को भी 20 जिलों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज हुआ है। इसमें से बाड़मेर, जोधपुर, फलौदी, डूंगरपुर, जालोर का अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा है। राज्य में बाड़मेर का दिन का पारा 38.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम जयपुर केंद्र के अनुसार अगले चार दिनों में तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि, 22 फरवरी के बाद उत्तरी हवाओं के असर के चलते तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है। लेकिन अब तेज ठंड बढ़ने की संभावना कहीं भी नहीं है। प्रदेश में आंशिक सर्दी के लिहाज से भी यह आखिरी सप्ताह है।

आप सरकार ने कानून-व्यवस्था पर जो काम किया उसके नतीजे अब सामने आने लगे हैं : सीएम मान

जालंधर(ईएमएस)। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में एक साल से भी कम समय में आप पार्टी की सरकार ने कानून-व्यवस्था के मामले पर जो काम किया है उसके नतीजे अब जनता के सामने आने लगे हैं। सीएम भगवंत मान ने नैशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में आपराधिक मामलों की गिनती में सुधार आया है जो पूरे पंजाब के लिए शुभ संकेत है। सीएम ने कहा कि पंजाब पुलिस द्वारा पिछले कुछ महीनों में बेहतरीन काम किया गया है। राज्य के डीजीपी गौरव यादव ने अपनी टीम के साथ आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के साथ-साथ पिछले समय में गैंगस्टरों, आतंकियों, नशा तस्करों पर शिकंजा कसा है। सीएम मान ने ट्वीट करते हुए कहा कि आपराधिक घटनाओं में आई कमी से पता चलता है कि पंजाब लगातार समृद्ध राज्य की तरफ बढ़ रहा है और हम रंगला पंजाब बनाने के स्वप्न को जल्द ही साकार करने में कामयाब होंगे। सीएम मान ने एनसीबी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2022 में हत्याओं में 7 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2021 में यदि 723 हत्याएं राज्य में हुई थीं तो 2022 में ये कम होकर 699 रह गई हैं। एनसीबी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पंजाब सरकार ने जिस तरह से आपराधिक मसलों को हल किया है वह सराहनीय है।

अभी राज्य में पंजाब सरकार को एक वर्ष का समय नहीं हुआ है और हमने आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण पा लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस आगे भी शानदार काम करेगी और राज्य को शांतमय राज्य के तौर पर उभारा जाएगा जिससे राज्य में पूंजी निवेश में बढ़ौतरी होगी।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भारी वाहनों के लिए एकतरफा खुला

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सोमवार को हल्के वाहनों के लिए दोनों ओर से खुला है। भारी वाहनों को एकतरफा जाने की अनुमति दी गई है। हल्के वाहनों के गुजरने के बाद भारी वाहनों को जखैनी उधमपुर से श्रीनगर रवाना किया जाएगा। आखिर में सुरक्षा बलों के वाहनों को जम्मू से श्रीनगर जाने की अनुमति दी जाएगी। इसी बीच बर्फबारी व फिसलन के चलते राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड तथा एसएसजी रोड वाहनों के लिए बंद है।

माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए रोपवे की निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में : उपराज्यपाल

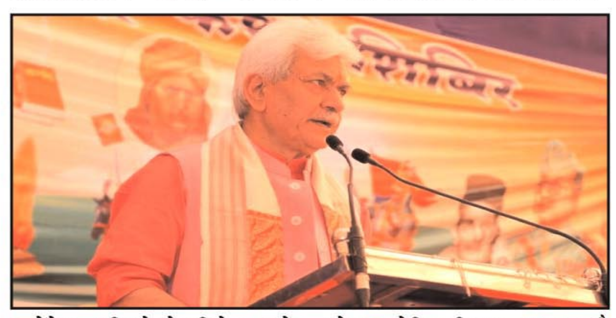

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए रोपवे की निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है और स्थानीय व्यवसायों के हितों की रक्षा के लिए परियोजना को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ शुरू किया जाएगा। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने त्रिकुटा पहाड़ियों की चोटी पर स्थित माता वैष्णों मंदिर तक 12 किलोमीटर के ट्रैक के साथ ताराकोट मार्ग और सांजी छत के बीच 250 करोड़ रुपये की यात्री रोपवे परियोजना को मंजूरी दी है। रोपवे परियोजना की निविदा प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और यह सुनिश्चित करने के लिए परियोजना पर काम पूरी संवेदनशीलता के साथ किया जाएगा ताकि स्थानीय व्यापार प्रभावित न हो। इस दौरान उपराज्यपाल ने मंदिर परिसर के भवन में तृप्ति भोजनालय और प्रसाद केंद्र का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोपवे परियोजना को तीर्थयात्रियों, विशेष रूप से बुजुर्गों और अलग-अलग विकलांगों की सुविधा के लिए स्वीकृत किया गया था ताकि वे मंदिर में अधिक आसानी से पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि दुर्गा भवन में दो सुविधाओं को जोड़ना देश और विदेश से मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों को एक आरामदायक और संतोषजनक अनुभव प्रदान करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। मनोज सिन्हा ने कहा कि दुर्गा भवन में एक दिन में 3,000 से अधिक तीर्थयात्रियों को समायोजित किया जा सकता है और 750 आगंतुकों को भोजनालय में भोजन मिल सकता है। अधिकारियों ने कहा कि 2.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना तीन साल में पूरी होगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा का उपयोग करते हुए तीर्थयात्री पांच से छह घंटे के ट्रेक की तुलना में केवल छह मिनट में मंदिर परिसर तक पहुंच सकते हैं। पिछले साल 91.25 लाख तीर्थयात्रियों ने मंदिर में माता के दर्शन किए थे जो लगभग एक दशक में सबसे अधिक था।

सरपंच बोले, हमें चोर कहने से पहले सरकार विधायकों की पहले व अब की संपत्ति की जांच कराए

-सरपंचों की शक्तियां छीनकर ग्रामीण विकास को बाधित करना चाहती है सरकार : रणवीर सिंह गिल

-सड़कों पर उतरे सरपंच, पंचायत मंत्री के बहिष्कार का किया ऐलान

फतेहाबाद, (हि.स.)। ई-टेंडरिंग और राइट टू रिकॉल के विरोध में जिलेभर के सरपंचों द्वारा सोमवार को यहां रोष प्रदर्शन किया गया। जिलेभर से सेंकड़ों पंच-सरपंच और ग्रामीण अनाज मण्डी शेड के नीचे एकत्रित हुए। वहां से काली पट्टी बांधकर सरपंच एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष रणवीर सिंह गिल और जिलाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह के नेतृत्व में रोष प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे। वहां सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान सरपंचों व ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेशाध्यक्ष रणवीर सिंह गिल ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को बाधित करना चाहती है। विधायकों, मंत्रियों और अधिकारियों को अनेक बार ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन सरकार कोई सकारात्मक कदम नहीं उठा रही। प्रदेश सरकार को निकम्मी सरकार बताते हुए उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हर वर्ग सरकार से दुःखी है। मनरेगा लेबर, कर्मचारी, पंच-सरपंच, नंबरदार, किसान सहित हर वर्ग के लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने को मजबूर है। एक भी आदमी सरकार की नीतियों से खुशी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार सरपंचों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है, लेकिन सरपंच सरकार को उनकी बात मानने के लिए मजबूर कर देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा गांवों में विकास करवाने की नहीं है। यही कारण है कि आज गांवों से काफी संख्या में लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि पंचायत मंत्री द्वारा प्रस्ताव मंगवाने के लिए अधिकारियों पर दबाव डाला जा रहा है। पंचायत मंत्री द्वारा 10 प्रतिशत सरपंचों के विरोध करने के सवाल पर उन्होंने पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली को चुनौती देते हुए कहा कि वे 10 प्रतिशत सरपंचों को ही अपने साथ खड़ा करके दिखा दें। उन्होंने कहा कि दो दिन तक सरपंच एसोसिएशन की राज्य कमेटी की बैठक में आगामी आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। कुछ सरपंचों द्वारा इस्तीफा देने पर उन्होंने कहा कि सरपंच अपने हकों को पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अगर जरूरत पड़ी तो पूरे प्रदेश के सरपंच सामूहिक इस्तीफा देने से पीछे नहीं हटेंगे। रणबीर सिंह गिल ने कहा कि सरकार सरपंचों को चोर बता रही है। वे मांग करते है कि सरकार विधायकों की विधायक बनने से पहले और बाद की सम्पति की जांच करवाए, जिनमें करोड़ों की बढ़ोतरी मिलेगी।

हरियाणा के दूसरे सीएम राव बीरेंद्र सिंह की स्मृति में डाक टिकट जारी

गुरुग्राम, (हि.स.)। हरियाणा के दूसरे मुख्यमंत्री राव बीरेंद्र सिंह की स्मृति में सोमवार को डाक टिकट जारी किया गया। यहां एक समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत ङ्कसह व भारत सरकार के डाक विभाग के सचिव विनीत पांडेय ने यह डाक टिकट जारी किया। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह राव बीरेंद्र सिंह के पुत्र हैं। इस कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा भेजा गया शुभकामना संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। डीएलफ फेज-3 स्थित एंबिएंस आइलैंड के ए-डॉट एक्सपीरियंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा के सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव, चीफ पोस्ट मास्टर हरियाणा सर्कल मीरा रंजन शेरिंग, पूर्वमंत्री राम बिलास शर्मा व आरती राव भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि आजादी के बाद जिन महान हस्तियों को भुला दिया गया था, उनको आजादी के अमृत काल में एक-एक कर सम्मानित किया जा रहा है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह की जयंती पर उनके सम्मान व स्मृति में जारी की गई डाक टिकट उन्ही प्रयासों का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री ने स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन आने वाली पीढियों के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा। राव बीरेंद्र सिंह ने अपने सम्पूर्ण जीवन में किसान, गरीब व मजदूरों के हितों के लिए काम किया। वे आजादी के बाद चुने गए पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि स्वर्गीय राव बीरेंद्र सिंह का सामाजिक जीवन एक खुली किताब है। वे किसान, मजदूर व गरीबों के ऐसे सर्वमान्य नेता थे, जिन्हें लोग मसीहा की उपाधि देते हैं। इस अवसर पर गुरुग्राम जिला परिषद की अध्यक्ष दीपाली चौधरी, रेवाड़ी नगर परिषद की अध्यक्ष पूनम यादव, रेवाड़ी जिला परिषद के अध्यक्ष मनोज यादव समेत कई अतिथि मौजूद रहे। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. राव बीरेंद्र सिंह की स्मृति में डाक टिकट जारी करने के अवसर पर उपराष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय राव बीरेन्द्र सिंह के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी किया जा रहा है। उन्होंने संदेश में कहा कि राव आया, भाव आया और राव गया, भाव गया जैसे लोकप्रिय नारे बताते हैं कि इस मिट्टी के किसान उन्हें कितना प्यार करते थे। उप-राष्ट्रपति ने कहा कि मैं जब 1990 में केन्द्र सरकार में मंत्री था, तब स्वयं मुझे उनके साथ काम करने का सुअवसर मिला। मुझे यह कहने में जरा भी संकोच नहीं कि स्वर्गीय राव बीरेन्द्र सिंह से मुझे जीवन में बहुत प्रेरणा और मार्गदर्शन मिला।

सरपंचों ने प्रदर्शन करके दिखाई ताकत, डीसी को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

पंच, बीडीसी मेंबर व कई जिला पार्षद भी प्रदर्शन में हुए शामिल
डीडीपीओ के दावों को बताया झूठा, कर्मचारियों पर लाठीचार्ज की निंदा की

हिसार, (हि.स.)। जिले के नौ ब्लॉकों के सरपंचों ने राइट टू रिकॉल व ई टेंडरिंग के खिलाफ तथा पंचायतों को पूरे अधिकार दिए जाने की मांग को लेकर सोमवार को शहर में प्रदर्शन किया। लघु सचिवालय पहुंचे सरपंचों ने उपायुक्त उत्तम सिंह को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के सभी नौ ब्लॉकों के सरपंच सुबह क्रांतिमान पार्क में एकत्र हुए। यहां सरपंचों ने बैठक की। सरपंचों ने कहा कि अब उनके आंदोलन को ग्रामीण जनता का भी समर्थन मिल रहा है। गांवों का समुचित विकास ई टेंडरिंग के हाथों नहीं बल्कि पंचायतों के हाथों में सुरक्षित है। सरपंचों ने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी के उन दावों को झूठा बताया, जिसमें कहा गया है कि 75 से अधिक पंचायतों ने विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव पास किए हैं। क्रांतिमान पार्क में बैठक के बाद सरपंचों ने सरकार विरोधी नारों के साथ लघु सचिवालय की ओर कूच किया। यहां मुख्य द्वार पर सरपंचों ने कहा कि पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली पंचायती राज एक्ट की अवहेलना करके बेसिर-पैर की बातें कर रहे हैं, जिससे डरने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि जो सरकार आज उनकी आवाज को अनदेखा कर रही है, उस सरकार के नुमाइंदों को हमारे बीच ही आना है और हमें भूलना नहीं है कि हमारे साथ कैसा अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सरपंच व ग्रामीण जनता बजट सत्र पर नजर गढ़ाए हुए हैं और देखेंगे कि सरपंचों की आवाज को कौन-कौन सा विधायक उठाता है। सरपंचों ने रविवार को पंचकूला में कर्मचारियों पर किये गये लाठीचार्ज की भी निंदा की। यहां सरपंच एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उपायुक्त उत्तम सिंह से मिलकर उन्हें मुख्यमंत्री के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच एसोसिएशन के जिला प्रधान नरसिंह दूहन ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष आजाद सिंह हिन्दुस्तानी, बीडीसी प्रदीप बेनीवाल, गंगवा सरपंच भगवान दास, उकलाना से मियां सिंह बिठमड़ा, सुरेन्द्र मान, बलराज मलिक, सूबेसिंह बूरा सहित एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी, सरपंच, पंच, बीडीसी मैंबर, जिला पार्षद व विभिन्न संगठनों से जुड़े नेता शामिल रहे।

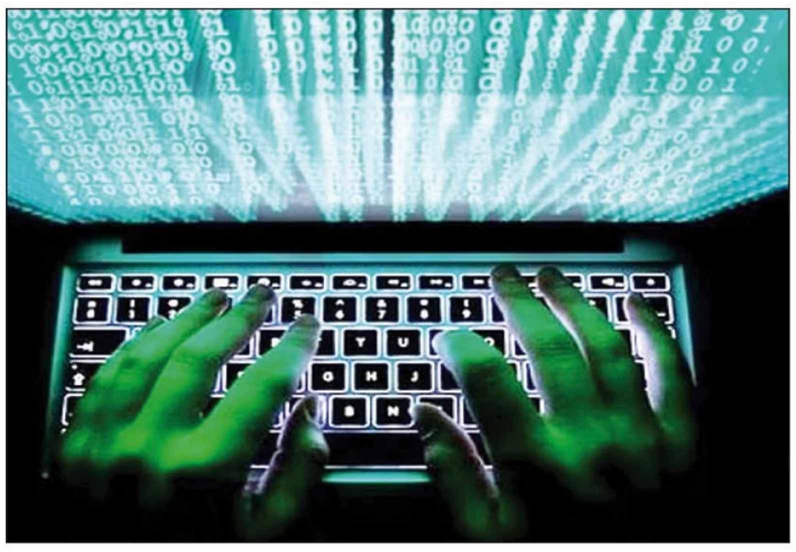

ऑनलाइन चाइनीज एप ने हजारों बांग्लादेशियों को ठगा, मूवी टिकट खरीदने पर डॉलर मिलने का दिया लालच

ढाका।

बांग्लादेश में चीनी एप से ठगी का मामला सामने आया है। राजशाही शहर में कम से कम 2000 टका (बांग्लादेशी मुद्रा) के साथ खाता खोलकर हजारों लोगों को इस उम्मीद में ठगा गया है कि अगर वे चीनी एप पर मूवी टिकट खरीदते हैं तो उन्हें डॉलर मिलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ठगी का शिकार हुए लोगों का अकाउंट बैलेंस जीरो हो गया है। चाइनीज एप द्वारा किए गए फ्रॉड का पता चलने के बाद वे विचलित हैं। बताया कि इन गतिविधियों को अंजाम देने के लिए राजशाही नगर की सिरोइल कॉलोनी में एक कार्यालय भी खोला गया था, लेकिन धोखाधड़ी का खुलासा होने के बाद कार्यालय पर भी ताला लगा दिया गया है। पीड़ितों ने बताया कि ई-मूवी नामक एक चीनी एप का उपयोग करके उनके साथ धोखाधड़ी की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के सिरोइल कॉलोनी इलाके के माणिक नाम के एक शख्स ने राजशाही में इस एप का प्रचार शुरू किया था। नियम के मुताबिक, एप पर अकाउंट कम से कम 2,000 रुपये से खोलना होता है। इस पैसे का इस्तेमाल अलग-अलग देशों के मूवी टिकट खरीदने में किया जाना था। टिकट खरीदने के बाद, मिलने वाले लाभ को तुरंत खाताधारक के अकाउंट में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन टिकट खरीदने के लिए पैसे को डॉलर में बदलना पड़ा। जब पैसा बीकैश या अन्य मोबाइल वित्तीय अनुप्रयोगों के माध्यम से एक विशिष्ट संख्या में भेजा जाता है, तो इसे डॉलर में परिवर्तित कर दिया जाता है और उपयोगकर्ता के खाता में दिखाई देता है। हालांकि, जितनी अधिक राशि से खाता संख्या खोला जाता है, लाभ दर उतनी ही अधिक होती है। सूचना के मुताबिक, यदि आप किसी अन्य व्यक्ति का खाता खोलते हैं, तो मिलने वाला डॉलर आपके अपने खाता में जोड़ दिए जाएंगे। इस एप ने पिछले अक्तूबर के मध्य से राजशाही के विभिन्न गांवों में युवाओं के बीच तूफान खड़ा कर दिया। बिना कोई काम किए रातों-रात अमीर बनने के लिए ज्यादा पैसे से अकाउंट खुलवाए और ज्यादा लाभ कमाने की दौड़ में लोग उतर पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों में से एक ने खाता खोलने के लिए अपनी मोटरसाइकिल बेच दी। जिन्होंने इसमें जल्दी दिखाई उन्हें उनके पैसे मिल गए। कई लोग इस एप के जरिए बहुत अधिक पैसे के मालिक बन गए हैं। संचित धन को बीकैश या नगद के माध्यम से भुनाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, माणिक के कार्यालय ने कुछ दिनों पहले घोषणा की थी कि राजशाही शहर में इस एप के उपयोगकर्ताओं की संख्या दो हजार को पार कर गई है। राजशाही नगर के एक अन्य पीड़ित हिमेल ने बताया कि माणिक ने उसे समझाया और 12 हजार रुपये देकर खाता खुलवाया।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी ग्रुप को बैंक ऑफ बड़ौदा से राहतः बीआबी के सीईओ संजीव चड्ढा ने कहा- आगे भी अडाणी ग्रुप को लोन देने के लिए तैयार, शेयरों में गिरावट की चिंता नहीं

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप को लेकर भारत के सबसे बड़े स्टेट-बैक्ड लेंडर्स में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक बड़ी बात कही है। बीआबी के सीईओ संजीव चड्ढा ने कहा है कि उनका बैंक आगे भी मुश्किलों में फंसे अडाणी ग्रुप को लोन देने के लिए तैयार है। संजीव चड्ढा ने कहा कि अडाणी ग्रुप को और उसके दुनिया के सबसे बड़े स्लम को री-मॉडल करने के प्रोजेक्ट के साथ-साथ बाकी प्रोजेक्ट के लिए भी बैंक ऑफ बड़ौदा एडिशनल लोन देने को तैयार है। चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव चड्ढा ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा अडाणी ग्रुप को लोन देगा, अगर वह लेंडर्स के अंडर-राइटिंग स्टैंडर्ड्स को पूरा करता है। संजीव ने आगे कहा कि उन्हें इन दिनों अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में चल रही वोलैटिलिटी यानी भारी उतार-चढ़ाव को लेकर भी कोई चिंता नहीं है। संजीव चड्ढा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अगले महीने अडाणी ग्रुप पर 50 करोड़ डॉलर का ब्रिज लोन ड्यू है। जिसकी रिफाइनेंसिंग के लिए कुछ बैंक पीछे हट रहे हैं। बैंक इसलिए पीछे हट रहे हैं, क्योंकि हिंडनबर्ग ने अडाणी ग्रुप पर फ्रॉड का आरोप लगाया है। इन आरपों के चलते अडाणी ग्रुप की संपत्ति और कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। ऐसे में बैंक ऑफ बड़ौदा का यह बयान अडाणी ग्रुप के लिए बड़ी राहत है। संजीव चड्ढा ने कहा, लोन को लेकर अंडर-राइटिंग स्टैंडर्ड्स होते हैं और इसे अच्छे और बुरे दौर दोनों समय में अपनाना होता है। हालांकि, संजीव चड्ढा ने गौतम अडाणी के बिजनेस एम्पायर के लिए बैंक के ओवरऑल एक्सपोजर के बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया है। चड्ढा ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि ग्रुप के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा का एक्सपोजर केंद्रीय बैंक आरबीआई के फ्रेमवर्क के तहत परमिटेड राशि का लगभग एक चौथाई एक्सपोजर है। वहीं संपत्ति के मामले में देश के सबसे बड़े लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा था कि अडानी ग्रुप की कंपनियों में उसका लगभग 270 बिलियन रुपए (3.3 बिलियन डॉलर) यानी 27.27 हजार करोड़ रुपए का एक्सपोजर है।

सरकारी बैंकों के फंसे कर्ज में गिरावट, मुनाफा भी 65 फीसदी बढ़कर 29175 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। सरकारी बैंकों के एनपीए में दिसंबर तिमाही में गिरावट दर्ज की गई। एसबीआई और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए सबसे कम रहा है। इस दौरान सरकारी बैंकों का मुनाफा 65 फीसदी बढ़कर 29,175 करोड़ रुपये पहुंच गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र 139 फीसदी की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा। आंकड़ों के मुताबिक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का सकल एनपीए 2.94 फीसदी जबकि एसबीआई का 3.14 फीसदी रहा है। शुद्ध एनपीए 0.47 और 0.77 फीसदी रहा है। जमा वृद्धि में बैंक ऑफ बड़ौदा 14.50 फीसदी के साथ शीर्ष पर है। यूनियन बैंक के जमा में 13.48 फीसदी की बढ़त रही है। उधर, सरकारी बैंकों में में कर्ज वृद्धि के मामले में बैंक ऑफ महाराष्ट्र पिछली 10 तिमाहियों से लगातार पहले स्थान पर बना हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर तिमाही में इसके कर्ज में 21.67 फीसदी बढ़त रही है। 19.80 फीसदी के साथ यूनियन बैंक दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर काबिज एसबीआई के कर्ज में 16.91प्रतिशत बढ़त रही है।

फाइलकॉइन और एस्टर रहे टॉप गेनर,एक हफ्ते में कैसी रही क्रिप्टो बाजार की चाल

नई दिल्ली । अमेरिका स्थित क्रिप्टो एक्सचेंज क्रैकन ने अपनी स्टेकिंग सेवा को रोक दिया है और सेवा को

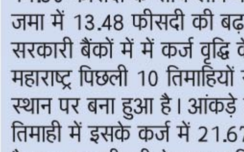

पंजीकृत करने में विफल रहने के लिए पिछले हफ्ते उसे एसईसी को 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा है। इस घटना के बाद क्रिप्टो मार्केट में हफ्ते की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। बिटकॉइन ने 22,000 डॉलर के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बता दें कि अमेरिका में महंगाई का डेटा जारी होने से पहले यह 21,000 डॉलर के स्तर पर पहुंच था पर आंकड़े जारी होने के बाद अधिकांश क्रिप्टोकरेंसी बाजार में तेजी आई है। बिटकॉइन बीते गुरुवार को अगस्त के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा। हालांकि बिटकॉइन के सर्वकालिक उच्च स्तर की तुलना में यह लगभग 65प्रतिशत नीचे है। हालांकि, शनिवार को बिटकॉइन फिलहाल 24,600 डॉलर के स्तर पर वापस आ गया है।

अमीर टैक्स चोरी बंद करे, सब्सिडी केवल गरीबों को ही मिले, कंगाल पाकिस्तान को आईएमएफ ने फिर दी सलाह

इस्लामाबाद ।

कंगाली की मार झेल रहे पाकिस्तान को एक बार फिर से अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा ने संकट से उबरने के लिए सलाह दी है। आईएमएफ ने कहा कि पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि उसके देश में ज्यादा कमाने वाले नागरिक टैक्स चोरी न करें और ईमानदारी से टैक्स का भुगतान करें। इसके अलावा सब्सिडी केवल गरीबों को ही दें जिससे राजकोषीय घाटा से उबरने में मदद मिलेगी। जर्मनी में शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर जर्मन राज्य प्रसारक डॉयचे वेले के साथ एक साक्षात्कार में, आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है, जहां उसके कर्ज का पुनर्गठन करने की जरूरत है।. उन्होंने कहा कि आईएमएफ बहुत स्पष्ट था कि वह पाकिस्तान के गरीब लोगों की रक्षा करना चाहता था। उन्होंने कहा, कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि सब्सिडी से अमीरों को फायदा हो। यह गरीबों के लिए होना चाहिए जिन्हें इसकी काफी जरूरत है। उन्होंने कहा कि आईएमएफ उन्हीं कदमों की चर्चा कर रहा है जिसे पाकिस्तान को एक देश के रूप में कार्य करने में सक्षम होने के लिए उठाना अनिवार्य होगा।

आईएमएफ प्रमुख ने दी दो प्रमुख सलाह – आईएमएफ प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान पिछले साल अचानक आई बाढ़ से तबाह हो गया था, जिससे उसकी एक तिहाई आबादी प्रभावित हुई थी। मैं जोर देना चाहता हूं कि हम दो चीजों पर जोर दे रहे हैं। नंबर एक कर राजस्व। जो सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में अच्छा पैसा कमा रहे हैं, उन्हें अर्थव्यवस्था में योगदान करने की जरूरत है।

दूसरी बात, सब्सिडी को केवल उन

लोगों तक पहुंचाकर दबावों का उचित वितरण करना जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि सब्सिडी से अमीरों को लाभ मिले। आईएमएफ प्रमुख का बयान दोनों पक्षों द्वारा 10 दिनों की बातचीत के बाद कर्मचारी स्तर के समझौते के बिना 6.5 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की नौवीं समीक्षा पूरी होने के कुछ दिनों बाद आया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने उपायों के एक सेट पर सहमति व्यक्त की जो अभी भी सौदा हासिल करने में मदद कर सकता है। भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को धन की सख्त जरूरत है। अतीत में आईएमएफ से वित्तीय सहायता प्राप्त कर चुका है और वर्तमान में अपने ऋण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए संगठन के साथ चर्चा कर रहा है। कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा पर एक समझौता 8000 करोड़ रुपये से अधिक जारी करेगा। आईएमएफ कार्यक्रम की बहाली से पाकिस्तान के लिए फंडिंग के अन्य रास्ते भी खुलेंगे।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार गिरा – इस बीच, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो मुश्किल से तीन सप्ताह के नियंत्रित आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। इससे पहले, आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष लगे रहने के लिए सहमत हुए हैं और इस्लामाबाद में चर्चा की गई कर उपायों सहित नीतियों के कार्यान्वयन विवरण को अंतिम रूप देने के लिए आने वाले दिनों में आभासी चर्चा जारी रहेगी।

महंगे कर्ज के दौर में किस्त बढ़ाना बेहतर या अवधि, आरबीआई ने रेपो दर में की है 2.50 फीसदी वृद्धि

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई मई, 2022 से अब तक छह बार में रेपो दर में 2.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद बैंकों ने भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे होम लोन समेत सभी तरह के कर्ज महंगे हो गए हैं, जिससे कर्ज लेने वालों पर मासिक किस्त (ईएमआई) का बोझ बढ़ गया है। मई, 2022 में 7 फीसदी ब्याज दर पर होम लोन लेने वालों ग्राहकों को अब 9.50 फीसदी ब्याज चुकाना पड़ रहा है। महंगे कर्ज के दौर में ग्राहकों के सामने दो विकल्प बचते हैं। वे अपनी ईएमआई बढ़वा सकते हैं या कर्ज भुगतान अवधि। हालांकि, बैंकिंग विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज के अनावश्यक बोझ से बचने के लिए ग्राहकों को बढ़ी ईएमआई का विकल्प ही चुनना चाहिए। कर्ज अवधि बढ़वाना आखिरी विकल्प होना चाहिए। अगर किसी ग्राहक ने मई, 2022 से पहले 7 फीसदी की ब्याज दर पर 15 साल (180 महीने) के लिए 50 लाख रुपये का लोन लिया था तो उसे हर महीने 44,941 रुपये की ईएमआई भरनी पड़ रही थी। अब ब्याज दर बढ़कर 9.50 फीसदी होने पर उसे 52,211 रुपये की मासिक किस्त चुकानी पड़ रही है। यानी हर माह उसकी ईएमआई 7,270 रुपये बढ़ गई है। वहीं, पूरी कर्ज अवधि में उसे ब्याज के रूप में कुल 43.44 लाख रुपये चुकाने होंगे। ब्याज दर बढ़ने के बाद अब अगर कोई ग्राहक मासिक किस्त की जगह कर्ज अवधि बढ़ाने का विकल्प चुनता है और हर महीने 44,941 रुपये की ही किस्त भरना चाहता है तो उसकी कर्ज अवधि 180 महीने से बढ़कर 270 महीने पहुंच जाएगी। यानी उसकी कर्ज अवधि 7 साल बढ़ जाएगी। इस दौरान उसे 71.30 लाख रुपये का ब्याज भरना होगा, जबकि मई, 2022 में रेपो दर बढ़ने से पहले ब्याज की यह रकम 30.89 लाख रुपये बन रही थी। ब्याज दरें बढ़ने के साथ ग्राहकों पर ईएमआई का बोझ बढ़ता है। आमतौर पर बैंक ग्राहकों को कर्ज अवधि बढ़ाने का विकल्प देते हैं। इसका तत्काल प्रभाव तो नहीं दिखता, लेकिन कर्ज भुगतान की अवधि बढ़ने से ब्याज काफी बढ़ जाता है। इसलिए, बढ़ी ईएमआई चुकाने में सक्षम हों तो अवधि न बढ़वाएं।

अगले वित्त वर्ष में 6प्रतिशत की दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था, हिंडनबर्ग मामले के बीच 7600 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि पिछले आठ साल के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार के सुधारों के कारण भारत ऊंची वृद्धि दर की राह पर चलता रहेगा।अगले वित्त वर्ष यानी 2023-24 में देश की अर्थव्यवस्था के छह फीसदी दर से बढ़ने की उम्मीद है। उत्तर अमेरिकी व यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं में एक साथ आने वाली मंदी से बड़े जोखिम भी सामने आएंगे। कुमार ने कहा, आर्थिक वृद्धि दर को लेकर कई जोखिम हैं। विशेषरूप से अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य इसकी प्रमुख वजह है। हमें इन चुनौतियों का सामना सावधानी से तैयार नीतिगत उपायों से निर्यात को समर्थन देकर करना होगा। विदेशी स्रोतों से निजी निवेश का प्रवाह बढ़ाना होगा।

चीन के बाजार में अधिक अवसर के लिए जुड़ना चाहिए

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने कहा, भारत को चीन के बाजार में अधिक पहुंच के लिए उसके साथ फिर से जुड़ना चाहिए। कई उत्पाद हैं जो हम चीन को अधिक मात्रा में निर्यात कर सकते हैं।अदाणी मामले में कहा, एक निजी कंपनी के साथ ऐसी घटना से बुनियादी ढांचे के सरकार के प्रयास में कोई बाधा नहीं आएगी। वहीं, अदाणी समूह पर अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में 7,600 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उसके पहले के हफ्ते यानी 7-12 फरवरी के बीच इन्होंने 3,920 करोड़ रुपये की निकासी की थी। विश्लेषकों के मुताबिक, पिछले हफ्ते अदाणी समूह के शेयरों में सुधार दिखा और इसका बाजार पर भी असर दिखा। इससे एफआईआई ने बाजार में वापसी की। जनवरी में जो बिकवाली बाजार में थी, वह अब खत्म हो गई है। हालांकि, यह आशंका जरूर बनी है कि बाजार की तेजी आने पर फिर से बिकवाली हो सकती है।

गेल और सीबीडीटी ने समझौते पर किए हस्ताक्षर

गेल इंडिया लिमिटेड और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौते पर हस्ताक्षर किया है। सीबीडीटी के संयुक्त सचिव (एफटी, आरटी-1) रश्मि रंजन दास और गेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक आरके जैन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया।

ओयो के फाउंडर ने पीएम को दिया शादी का न्योताः पैर छूकर आशीर्वाद लिया, पीएम को शॉल उढ़ाई; इस साल मार्च में शादी

नई दिल्ली।

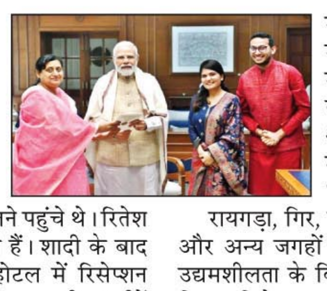

हॉस्पिटैलिटी चेन ओयो के फाउंडर रितेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी शादी में आमंत्रित किया है। वह हाल ही में शादी का न्योता देने पीएम से मिलने पहुंचे थे। रितेश की इस साल मार्च में शादी हैं। शादी के बाद दिल्ली के एक 5 स्टार होटल में रिसेप्शन होगा। रितेश ने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में रितेश अपनी मां और होने वाली पत्नी के साथ दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में कपल ने पीएम के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। दूसरी में, अग्रवाल प्रधानमंत्री के कंधों पर एक शाल लपेटते हुए दिख रहे हैं। रितेश ने लिखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आशीर्वाद से, हम एक नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शब्द उस गर्मजोशी को व्यक्त नहीं कर सकते जिसके साथ उन्होंने हमारा स्वागत किया।

मेरी मां, जो महिला सशक्तिकरण के लिए उनके विजन से प्रेरित हैं, उनसे मिलने के लिए उत्साहित थीं। अपना कीमती समय निकालने और आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।

रायगड़ा, गिर, लद्दाख, रामेश्वरम, मेघालय और अन्य जगहों पर भारत में पर्यटन और उद्यमशीलता के विकास को सक्षम करने के लिए कमिटेड!

2013 में ओयो बनाया, पीएम ने मन की बात में किया जिक्र

रितेश देश के सबसे कम उम्र के अरबपतियों में से एक है। उन्होंने ओयो की स्थापना 2013 में की थी। तब वह सिर्फ 19 साल के थे। रितेश ने बताया था, मेरी मां को ओयो की सफलता पर बहुत वक्त तक भरोसा नहीं था, जब तक नरेंद्र मोदी ने मन की बात में इसका जिक्र नहीं किया। उन्हें यही लगता था कि मुझे कोई अच्छी नौकरी कर लेनी चाहिए।

मेलबॉर्न में दिखे अलिबाबा के फाउंडर जैक मा: करीब 4 दशक पुराना है मा का ऑस्ट्रेलियाई परिवार से रिश्ता, इससे पहले टोक्यो में दिखे थे

नई दिल्ली।

चीन में जिनपिंग सरकार की आलोचना के बाद गायब हुए दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा के फाउंडर जैक मा ऑस्ट्रेलिया में दिखाई दिए। चीनी मीडिया रिपोर्टों ने एक ग्रुप फोटो का हवाला देते हुए कहा कि वह एक ऑस्ट्रेलियाई परिवार के साथ हैं। सोशल मीडिया पर भी मा की कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। एक फोटो में मा कोक पीते हुए अपना मोबाइल फोन ब्राउज कर रहे हैं। ये मेलबॉर्न के एक होटल की तस्वीर बताई जा रही है। ऑस्ट्रेलिया के मॉर्ले परिवार को मा करीब 4 दशक से जानते हैं। 1980 के दशक में मा के भविष्य को आकार देने में इस फैमिली का बड़ा रोल रहा है। मॉर्ले फैमिली 1980 में मा के होमटाउन हांग्जो आई थी। 1985 में इस परिवार ने मा को उनकी पहली ओवरसीज

ट्रिप के लिए न्यूकैसल, न्यू साउथ वेल्स इनवाइट किया। 2017 में मा ने अपने दिवंगत मेंटर केन मॉर्ले के नाम पर 20 मिलियन डॉलर का यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप फंड बनाया। अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि वो टोक्यो में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टोक्यो में वे खुद को काफी लो प्रोफाइल रखते हैं। जैक के रहने की जगह से वाकिफ लोगों ने बताया कि वे चीन से अपना पर्सनल शेफ और सिक्योरिटी भी लाए हैं। जापान में वह समय गुजारने के लिए वाटर कलर पेंटिंग करते हैं। चीनी सरकार के क्रैकडाउन के बाद मा को स्पेन और नीदरलैंड जैसे देशों में भी देखा गया। चीनी सरकार ने मा की एक कंपनी एंट ग्रुप के दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ को रोक दिया गया था और अरबों डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद मा पब्लिकली दिखाई नहीं दिए। नवंबर 2020 में उन्होंने आखिरी ट्वीट किया था और 2021 में उनका एक वीडियो सामने आया था। वीडियो में जैक कह रहे हैं कि महामारी खत्म होने के बाद हम दोबारा मिलेंगे। जैक मा 24 अक्टूबर 2020 को एक मीटिंग के दौरान निशाने पर आए थे। इस मीटिंग में चीनी राजनीति और अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े अधिकारी पहुंचे हुए थे। इसमें जैक मा ने चीनी बैंकों की आलोचना की थी।

भारत सरकार के सीईए अनंत नागेश्वरन ने कहा, सरकार ने बद से बदतर हो रही स्थिति से बचाया

नई दिल्ली।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी अनंत नागेश्वरन का मानना है कि अर्थव्यवस्था सुनहरे दौर से गुजर रही है। खासकर, तब जब वैश्विक हालात अच्छे नहीं हैं। इस दौरान हमने सरकार की तमाम योजनाओं और कोशिशों का परिणाम देखा है। आगे भी हमारी योजना इसी तरह की रहेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में मेरा विश्वास काफी हद तक इस तथ्य के कारण है कि बैंक अच्छी स्थिति में आकर अब कर्ज देने लगे हैं। कंपनियों ने भी अपनी बैलेंस शीट में सुधार किया है। अगर विकसित देशों में मंदी है, तो भारत के लिए नकारात्मक से अधिक सकारात्मक बातें होंगी। अमेरिका इस साल ब्याज दरें बढ़ाता है तो भी रुपये पर पिछले साल की तरह दबाव नहीं होगा। 2023-24 के बजट में सामाजिक क्षेत्र के आवंटन में कटौती की गई है, इसका प्रभाव किस तरह से पड़ेगा यह हर तबके के लिए संतुलित बजट है। बजट में आपको कई चीजों में संतुलन बिठाना पड़ता है। ये सरकार पिछले कई वर्षों से संतुलन का काम अच्छे से कर रही है। 2014-15 के बाद से हमारे बैंक विभिन्न मुश्किलों से जूझ रहे थे। एनपीए में फंसे थे। इसलिए उन्हें फिर से पूंजी देनी पड़ी। भारतीय कंपनियां निवेश नहीं कर रही थीं क्योंकि उनके पास भी बैलेंस शीट की समस्या थी। ऐसे मुश्किल हालात में अर्थव्यवस्था में जान डालने के लिए सरकार को निवेश करना पड़ा। अब सवाल उठ सकता है कि सरकार को निवेश क्यों करना चाहिए इसलिए नहीं कि इससे सिर्फ नए हवाईअड्डे, नई सड़कें और नए पुल बनते हैं, बल्कि इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि रोजगार पैदा होते हैं। अगर आप इसका सबूत देखना चाहें तो इसमें समस्या यह है कि सरकार इन सभी क्षेत्रों में निवेश तो कर रही है, पर अगर निजी क्षेत्र अब भी मुश्किल में है, तो आपको सरकारी निवेश का असर नहीं दिखेगा। मान लें कि आप दो लोग दो व्यवसाय चला रहे हैं। मैं आपके व्यवसाय में निवेश करता हूं और दुनिया को यह बताता हूं कि आपकी फर्म 200 लोगों को काम पर रखेगी। अब मान लें कि आपका काम अच्छा नहीं चला और आपकी फर्म ने 100 लोगों को नौकरी से निकाल दिया तो रोजगार सृजन केवल 100 होगा। इस तरह, अगर देखें तो 200 नौकरियां पैदा हुईं, लेकिन 100 लोगों की छंटनी की वजह से सिर्फ 100 नए रोजगार ही पैदा हुए। मेरा कहना है कि सरकारी खर्च से नौकरियां पैदा हुईं। अर्थव्यवस्था में अन्य चीजें भी हो रही थीं। निजी क्षेत्र की तरह रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र...सब मुश्किल दौर में थे। हाउसिंग फाइनेंस

कंपनियों की हालत पतली थी। आईएलएंडएफएस डूब गई और फिर महामारी आ गई। इस दौरान हमने करोड़ों लोगों का टीकाकरण पूरा कर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का काम किया। इसके बाद पिछले साल कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं। खाद के दाम बढ़े। दुनियाभर में ब्याज दरें बढ़नी शुरू हो गईं। ऐसे माहौल में सरकार के निवेश से कुछ हद तक भरपाई होती है। लेकिन सोचिए, अगर सरकार ने निवेश नहीं किया होता, तो ऐसे नकारात्मक घटनाक्रम के दौर में कितना बुरा असर होता। सरकार ने स्थिति को बद से बदतर होने से बचाया। कई उपाय किए। कई योजनाएं लागू कीं। अर्थव्यवस्था में जान फूंकी। इसका जवाब वित्त मंत्री दे चुकी हैं। मैं भी फिर से कहना चाहूंगा कि ऐसा इसलिए क्योंकि सरकार ग्रामीण इलाकों में किफायती घर बनाने जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में आवंटन बढ़ा है। पेयजल मिशन हो या जल जीवन मिशन, इनका भी आवंटन बढ़ा है। ये परियोजनाएं पर्याप्त लेबर के बिना लागू नहीं हो सकतीं। हमें लगता है कि ऐसी योजनाओं से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। अर्थव्यवस्था में भी सुधार हो रहा है। गांव के लोग वापस शहर जाएंगे तो नौकरी भी पाएंगे। यदि इनसे नौकरियां पैदा नहीं होती हैं और अधिक लोग मनरेगा से भुगतान चाहते हैं, तो उन्हें यह भी दिया जाएगा।

आर्थिक सर्वे में हमने कहा है कि भारत इस दशक में 2030 तक अच्छा काम करेगा क्योंकि बैंकों की बैलेंस शीट बहुत अच्छी है। 2020 के पिछले दशक तक महामारी आने से पहले हमारे बैंक बैलेंस शीट की समस्या से जूझ रहे थे। उस अवधि में बैंकों ने बहुत उधार बांटकर एनपीए बढ़ा दिया था। लेकिन, ऐसा सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में होता है। इसलिए, भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में मेरा विश्वास काफी हद तक इस तथ्य के कारण है कि बैंक अच्छी स्थिति में आकर अब कर्ज देने लगे हैं। कंपनियों ने भी अपनी बैलेंस शीट में सुधार किया है। कॉरपोरेट, बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां...ये तीनों क्षेत्र पिछले दशक में संकट में थे क्योंकि उन्होंने पूर्व के दशक में अधिक कर्ज लिया था और अधिक उधार भी बांटे थे। पहले दशक में आपने अधिक खाया। दूसरे दशक में उसे पचाया और तीसरे दशक में आप फिर उसे आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। हमने अपनी अर्थव्यवस्था खोली है। इसका अर्थ है कि हम दुनिया के लिए खुले हैं और प्रभावित कर रहे हैं। यह बड़ा बदलाव है। सेवा क्षेत्र की जीडीपी में हिस्सेदारी 20 वर्षों में बहुत अधिक रही है। मुझे लगता है कि भारत मैन्युफैक्चरिंग पावर हाउस बनेगा। जीडीपी में इसका हिस्सा बढ़ेगा और यह बड़ा बदलाव होगा। लेकिन, किसी भी तरह से कृषि का महत्व कम नहीं होगा। मुझे लगता है कि कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और सेवाओं के बीच आगे जाकर बेहतर संतुलन होगा। मुझे नहीं लगता, एक समूह में जो हो रहा है, उससे सरकार के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करने की योजना प्रभावित होगी।

बोनी कपूर के कहने पर चांदनी में काम करने के लिए तैयार हुई थीं श्रीदेवी, अनिल कपूर ने बताया पुराना किस्सा

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म निर्माता यश चोपड़ा ने अपने करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक चांदनी, उस समय बनाई थी, जब वह उस दौर में बन रही हिंसक फिल्मों से बेहद ऊब चुके थे। श्रीदेवी के निर्देशन में बनी यह फिल्म उनकी पहली आउट-एंड-आउट रोमांटिक ड्रामा थी। लेकिन, फिल्म निमार्ता को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि श्रीदेवी से कैसे संपर्क किया जाए। नेटफ्लिक्स की नई डॉक्यू-सीरीज द रोमैंटिक्स में, एक एपिसोड में दिवंगत फिल्म निमार्ता ने 1989 की फिल्म के बारे में विस्तार से बात की है। चांदनी को बनाने की वजह के बारे में बात करते हुए यश चोपड़ा ने कहा, हमारा उद्योग हिंसा के संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गया था। तो, मैं ऐसा था, मैं अपने जीवन का सबसे बड़ा जुआ करूँगा, चाहे कुछ भी हो जाए। मैं किसी फॉमूर्ले या कैलकुलेशन के साथ फिल्म नहीं बनाऊंगा। मैं एक ऐसी फिल्म बनाऊंगा जो मेरे दिल को छू लेगी। मैंने चांदनी शुरू की। उन्होंने कहा कि उन्होंने श्रीदेवी के साथ कभी काम नहीं किया था, लेकिन अमिताभ बच्चन द्वारा उन्हें दिखाए गए तमिल नाटक मूंदराम पिराई में उनके प्रदर्शन से प्रभावित थे। अनिल कपूर ने तब साझा किया कि कैसे श्रीदेवी उस समय शीर्ष स्टार थीं और चोपड़ा नहीं जानते थे कि उनसे कैसे संपर्क किया जाए। इसलिए, उन्होंने बोनी कपूर से श्रीदेवी को फिल्म करने के लिए राजी करने के लिए कहा। अनिल कपूर ने खुलासा किया, उन्होंने मेरे भाई बोनी कपूर से बात करने के लिए कहा। श्रीदेवी के फिल्म करने के लिए सहमत होने के बाद, फिल्म में उनकी उनकी वेशभूषा को लेकर संकट था। जहां यश चोपड़ा उन्हें पूरी तरह से सफेद रंग के कपड़े पहनाना चाहते थे, वहीं उन्हें लगा कि वह उन पोश-ाकों में सुस्त दिख रही हैं। फिल्म निमार्ता ने कहा मैं उसे सबसे सादे कपड़े पहनना चाहता था, चांदनी को शुद्ध मासूमियत में होना चाहिए। उनकी पत्नी पामेला चोपड़ा ने आगे कहा, यश को हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जाना जाता था जो अपनी अभिनेत्रियों को खूबसूरती से तैयार करता था। उसने चांदनी को पूरी तरह से सफेद कपड़ों में देखा था। यश चोपड़ा के एक पुराने इंटरव्यू में करण जौहर को बताया था कि कैसे श्रीदेवी उनके पास गईं और कहा, यश जी, यह सब सफेद क्यों है? यह बहुत सुस्त है। फिर उन्होंने उससे कहा, मुझे आप पर एक अभिनेता के रूप में, आपके प्रदर्शन पर विश्वास है, अगर आपको एक निर्देशक के रूप में मुझ पर विश्वास है, तो मैं आपको वैसे ही पेश करना चाहता हूं जैसा मैं चाहता हूं। श्रीदेवी के बाद उनकी मां उनके पास आईं और बोलीं, हमारी बिरादरी में गोरे को बिल्कुल भी उत्सव नहीं माना जाता। इस समय, पामेला चोपड़ा ने याद किया, यश चोपड़ा ने श्रीदेवी की मां से उनकी दृष्टि पर भरोसा करने के लिए कहा और उन्हें समझाने की कोशिश की।

शहजादा बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन असफल साबित

-एक पर एक फ्री टिकट का दिया गया था प्रलोभन

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की फिल्म शहजादा बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन असफल साबित हो गई है। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म से दर्शकों को अपने साथ जोडने के लिए पहले दिन एक पर एक फ्री टिकट का प्रलोभन दिया, जिससे इसे बॉक्स ऑफिस पर लगभग 7 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त हुई। भूल भुलैय्या के बाद से उम्मीद की जा रही थी कि शहजादा बॉक्स ऑफिस पर 10-12 करोड़ का कारोबार करने में सफल होगी, लेकिन यह अनुमान धूमिल साबित हुए। अर्ली एस्टिमेट्स रिपोर्ट्स का दावा है कि ये फिल्म पहले दिन 6.75 से लेकर 7 करोड़ रुपये की रेंज के बीच कारोबार करने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर टक्कर दे रही शाहरुख खान की फिल्म पठान से खासा नुकसान हुआ है। जबकि, साथ ही हॉलीवुड फिल्म एंटमैन और वॉसप क्वांटमेनिया भी शहजादा को सिनेमाघरों में टक्कर देती दिख रही है। जिसकी वजह से कार्तिक आर्यन की फिल्म की रफ्तार धीमी रही। दिलचस्प बात ये है कि इस स्थिति का सामना करने के लिए शहजादा की टीम पहले ही बाय 1 गेट 1 टिकट्स का ऑफर लेकर आई थी। जिसका कुछ हद तक फिल्म को फायदा होता दिखा है। अब सभी की नजरें शनिवार-रविवार के आंकड़े पर हैं। जिसमें महाशिवरात्री होने की वजह से उछाल देखने को मिल सकता है। इस बीच ये भी कहा जा रहा है कि कार्तिक आर्यन को रीमेक फिल्म करने का नुकसान हुआ है। ऐसे वक्त में जब ज्यादातर साउथ फिल्में डब वर्जन में पहले ही दर्शकों के लिए मौजूद हैं। उस वक्त रीमेक करना बॉलीवुड स्टार्स के लिए किसी गहरी खाई में कूदने से कम नहीं है। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन के चार्म के बावजूद दर्शक शहजादा देखने भारी संख्या में नहीं पहुंचे हैं। ये फिल्म टॉलीवुड सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर फिल्म अला वैकुंठपुरमलो की हिंदी रीमेक है, जिसका हिन्दी वर्जन गोल्डमाइन्स यूट्यूब चैनल के साथ ही अन्य चैनलों पर है। गौरतलब है कि भूल भुलैय्या-2 ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 14 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए स्वयं को 187 करोड़ तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त की थी।अभी फिल्म के कारोबार की आधिकारिक रिपोर्ट्स सामने नहीं आई है।

पठान 500 करोड़ के आंकड़े को छूने में सफल

-शाहरुख और सलमान एक साथ आए थे नजर

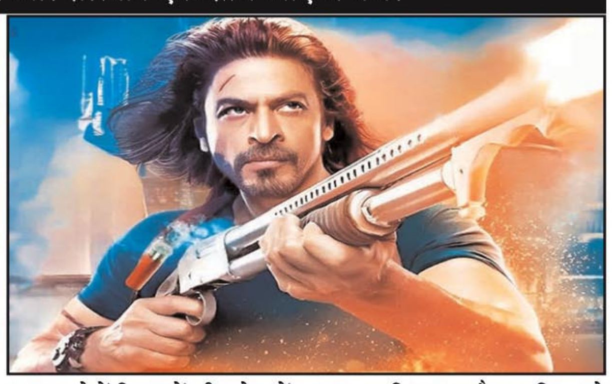

मुंबई (ईएमएस)। हालिया प्रदर्शित एक्टर शाहरुख खान और दीपिका पादूकोण की फिल्म पठान ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ के आंकड़े को छूने में सफलता प्राप्त कर ली है। पठान में शाहरुख खान और सलमान खान एक साथ नजर आए थे। दर्शकों ने उन दृश्यों का भरपूर आनंद लिया जिसमें यह दोनों सितारे एकसाथ थे। सूत्रों का कहना है कि यशराज फिल्म्स अब इन दोनों सितारों को लेकर एक बड़े बजट की फिल्म बनाने की तैयारी कर रहा है। इस फिल्म में यह दोनों एक-दूसरे से टकराते नजर आएंगे।शाहरुख की फिल्म पठान में सलमान खान के कैमियो को लोगों ने काफी पसंद किया था। अब टाइगर 3 में शाहरुख खान का कैमियो होने वाला है। लेकिन टाइगर 3 की रिलीज से पहले एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया पर धमाका कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वाईआरएफ इन दोनों स्टार्स को एक फिल्म में साथ लेकर आने वाला है। इस बार दोनों फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म की बेसिक कहानी फाइनल हो गई है। इस फिल्म में दोनों एक दूसरे के खिलाफ खड़े हुए नजर आएंगे। यानी ये फिल्म पठान बनाम टाइगर होने जा रही है। ये ठीक वैसा ही होगा जैसा मार्वल सिनेमेटिक यूनिवर्स में देखने को मिलता है। शाहरुख खान और समलान खान की इस फिल्म के नाम को लेकर अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है और न ही इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर खुलासा किया गया है। इस फिल्म से पहले सलमान खान और शाहरुख खान की जोड़ी फिल्म टाइगर 3 में दिखाई देगी जो 10 नवंबर 2023 को रिलीज होने वाली है। मालूम हो कि पठान फिल्म की सफलता ने एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर खान तिकड़ी का रूतबा जमा दिया है। हालांकि अभी आमिर खान को भी स्वयं को फिर से सफल सिद्ध करना है। उनकी पिछली फिल्म लालसिंह चड्ढा को असफलता का मुंह देखना पड़ा था।

करण ने सिद्धार्थ-कियारा के साथ नहीं किया अनुबंध

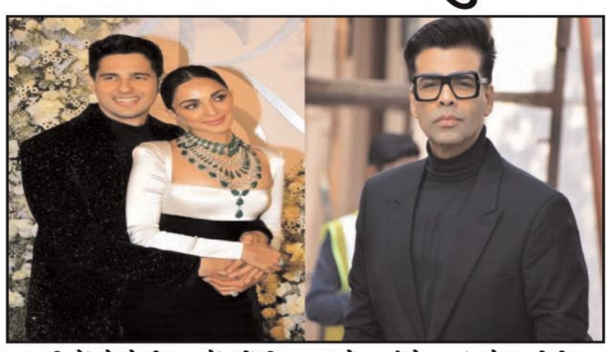

कुछ दिनों से ऐसी खबरें थीं कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी दोनों की शादी हो जाने के बाद, फिल्म निर्माता करण जौहर ने उन्हें अपने धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित होने वाली फिल्मों में अभिनय करने के लिए तीन फिल्मों के लिए अनुबन्ध किया है। हालांकि, करण ने इस दावे को खारिज किया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के साथ डील साइन की है, तो फिल्म निमार्ता के हवाले से कहा गया, बिल्कुल नहीं। रिपोर्ट में आगे धर्मा प्रोडक्शंस के करीबी सूत्र का हवाला दिया गया, जिन्होंने भी अफवाहों का खंडन किया और कहा कि अभिनेता युगल करण के इतने करीब हैं कि उन्हें फिल्म अनुबंध से बंधे रहने की जरूरत नहीं है। उन्हें बस इतना करना है कि उनसे पूछें और वे उनके द्वारा ऑफर की जाने वाली किसी भी फिल्म का हिस्सा होंगे। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी इससे पहले धर्मा प्रोडक्शंस के प्रसिद्ध युद्ध नाटक शेरशाह में अभिनय कर चुके हैं।

सेल्फी का एक और ट्रेलर जारी किया

- फिल्म में अक्षय कुमार पर भारी पड़े है इमरान

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म सेल्फी को लेकर अब दर्शकों में काफी बज नजर आ रहा है। बालीवुड के खतरों के खिलाडी अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की यह फिल्म 24 फरवरी को प्रदर्शित होने वाली है। पिछले माह इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों ने खासा पसन्द किया था। अब सेल्फी का एक और ट्रेलर जारी किया गया है। इस ट्रेलर की विशेषता इसमें बॉलीवुड बॉयकॉट का तडका लगाया गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि इमरान हाशमी फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार के खिलाफ बायकॉट का मोर्चा खोल देते हैं। अक्षय कुमार की फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा है। ट्रेलर में जहाँ इमरान हाशमी एक पुलिस अफसर भूमिका में हैं। वहीं अक्षय कुमार एक फिल्म स्टार के रोल में है। अक्षय कुमार ने इसे शेयर करते हुए लिखा, आम आदमी की कहानी तो बहुत सुन ली, अब विजय वर्मा की भी सुन ली। इस ट्रेलर के एक सीन ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सोशल मीडिया पर लोग इसी सीन की चर्चा कर रहे हैं।सेल्फी के नए सेल्फी की शुरूआत में एक न्यूज रिपोर्टर चिल्लाते हुए कहता है, आ-रटीओ ऑफिसर ओम प्रकाश ने एक सुपरस्टार को उसकी जगह दिखाई। मैं कहता हूं इस सुपरस्टार को बैन कर देना चाहिए। हैशटैग बायकॉट विजय कुमार, बायकॉट बॉलीवुड.. ट्रेलर के इस सीन पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। मालूम हो कि रियल लाइफ में भी इन दिनों ट्विटर पर बायकॉट बॉलीवुड लगातार ट्रेंड करते रहता है। कई मूवीज अब तक इसके चपेट में आ चुकी है। इस लिस्ट में अक्षय कुमार की कई फिल्मों का नाम शामिल है।अक्षय कुमार के लिए साल 2022 कुछ खास नहीं रहा था। बीते साल उनकी कई फिल्में रिलीज हुई लेकिन किसी भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि साल 2023 अक्षय कुमार के लिए बेहद खास है। इस साल उनकी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिसमें सेल्फी का भी नाम शामिल है।

प्रभास का नया फिल्म प्रोजेक्ट संक्रांति पर करेगा धमाका

महाशिव रात्रि के दिन निमार्ताओं ने अपनी मेगा बजट फिल्म प्रोजेक्ट के प्रदर्शन की तिथि को दर्शकों के लिए घोषित किया। उन्होंने बताया कि उनका महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के आगामी वर्ष मकर संक्रांति के मौके पर दर्शकों के सामने आएगा। इस फिल्म में प्रभास के साथ-साथ दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का दर्शकों में अपनी शुरूआत से क्रेज है। इसकी सबसे बड़ी वजह अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण हैं। यह पहला मौका होगा जब प्रभाव व अमिताभ बच्चन तथा दीपिका पादुकोण किसी फिल्म में एक साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म में पहली दफा अदाकारा दीपिका पादुकोण और प्रभास की जोड़ी बनेगी। जबकि, अमिताभ बच्चन भी जबरदस्त किर-दार में दिखेंगे। ये निर्देशक नाग अश्विन की टॉप क्लास साई फाई पैन इंडिया रिलीज फिल्म है, जिसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में बनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि निमार्ताओं ने इस फिल्म का निर्माण 400 करोड़ से ज्यादा में किया है।

स्टार-स्टडेड रोस्टर का हिस्सा बनेंगे रणवीर

- मार्वल स्टार सिमू लियू और अन्य के साथ खेलेंगे

मुंबई (ईएमएस)। साल्ट लेक सिटी में एनबीए ऑल-स्टार सेलिब्रिटी गेम के स्टार-स्टडेड रोस्टर का हिस्सा बनने के लिए बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह तैयार हैं। एक्टर मार्वल स्टार सिमू लियू, कॉमेडियन हसन मिन्हाज, लैटिन वैश्विक संगीत आइकन और अभिनेता निकी जैम के साथ अन्य लोगों के साथ खेलेंगे। खेल के लिए रणवीर के साथ शामिल होने वाले अन्य लोगों में पांच बार के अमेरिकी संगीत पुरस्कार विजेता केन ब्राउन, ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकॉर्डिंग कलाकार 21 सैवेज, ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकॉर्डिंग कलाकार और अभिनेत्री जेनेल मोने, ग्रैमी पुरस्कार-नामांकित रिकॉर्डिंग कलाकार कॉर्डे, अभिनेता सिनक्वा वॉल्स और एवरेट ओसबोर्न शामिल हैं।एनबीए ऑल-स्टार रोस्टर का हिस्सा बनने वाली अन्य हस्तियां रेगेटन कलाकार ओजुना, सिएटल सीहॉक्स के व्यापक रिसीवर डीके मेटकाफ, प्रो फुटबॉल हॉल ऑफ फेमर केल्विन जॉनसन, 11 बार के एमएलबी ऑल-स्टार अल्बर्ट पुजोल्स, एबीसी के जिमी किमेल लाइव संवाददाता गुइलेर्मो रो-ड्रिग्ज, टेनिस स्टार फ्रांसेस टियाफो, डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार-द मिज, ब्राजीलियाई टीवी होस्ट मार्कोस मियोन और रोस्टर में सामग्री निमार्ता जेसर हैं। बता दें कि रणवीर सिंह 2021 से एनबीए इंडिया के ब्रांड एंबेसडर हैं।

उन्होंने 2022 के सेलिब्रिटी गेम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने मशीन गन केली और रैपर क्वावो के साथ अन्य लोगों के साथ खेला। रणवीर पूर्व मियामी हीट प्लेयर ड्वेन वेड की टीम के लिए खेलेंगे। वह वेड के बहुत बड़े प्रशंसक हैं और पिछले साल क्लीवलैंड में ऑल-स्टार सप्ताहांत के दौरान उनसे मिलने और बातचीत करने का मौका मिला था।

तवायफों के इर्द-गिर्द पर घूमती है हीरामंडी की कहानी

बालीवुड के फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी अपकमिंग एपिक सीरीज हीरामंडी की तवायफों के इर्द-गिर्द पर घूमती है। कल फिल्म का मुंबई में बहुप्रतीक्षित स्ट्रीमिंग सीरीज का टीजर रिलीज किया। टीजर में मेकर्स दर्शकों को हीरामंडी की दुनिया से परिचित कराते है। टीजर में भारतीय शास्त्रीय संगीत बज रहा है। सीरीज 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल वाली पृष्ठभूमि के खिलाफ तवायफों और उनके संरक्षकों की कहानियों के माध्यम से एक चकाचौंध करने वाले जिले, हीरामंडी की सांस्कृतिक वास्तविकता की पड़ताल करती है। नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सा-रंडोस और भंसाली शनिवार को भारतीय और वैश्विक कहानी कहने की बढ़ती दुनिया पर अंतर्दृष्टि का आदान-प्रदान करने के लिए मुंबई में एक साथ आए। इसमें एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी, मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख नजर आ रही हैं, जिन्होंने तवायफों का किर-दार निभाया है।

फैंस को ड्रेस से दीवाना बनाती दिखीं मलाइका

हाल ही में अदाकारा मलाइका अरोड़ा मुंबई में स्पॉट हुईं। जहां अदाकारा बीच सडक अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस को दीवाना बनाती दिखीं। अदाकारा ने इस दौरान बेहद टाइट व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी थी। जिसमें वो 50 के स्थान पर 25 वर्ष की दिखाई दीं। अदाकारा की ये तस्वीरें देख फैंस भी हैरान हो गए। इस दौरान अदाकारा मलाइका अरोड़ा बेहद बोल्ड एंड ब्यूटीफुल नजर आईं। अदाकारा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गईं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा इस दौरान कैमरे के आगे बोल्ड अंदाज में तस्वीरें क्लिक करवाती दिखीं। जिसकी तस्वीरें आते ही छा गईं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा इस दौरान पलट-पटल कर पोज मारती दिखीं। ये तस्वीरें वहां मौजूद पैपराजी के कैमरों में कैद हो गईं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा इन तस्वीरों में अपनी हॉटनेस से फैंस को क्लीन बोल्ड करती दिखीं। अदाकारा मलाइका अरोड़ा की स्किन इन तस्वीरों में खासा चमक रही थी। करीब 50 की हो चलीं अदाकारा मलाइका अरोड़ा इन तस्वीरों में सिर्फ 25 साल की ही नजर आ रही हैं। जिसके बाद लोग उनके परफेक्ट फिगर की तारीफ कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6349

★★★★☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6348 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्दजाल- 7096

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	आँ	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	डॉ	र	रू
ती	जं	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	ट	जी	म्हा	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल में अर्जुन रामपाल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

डॉन, डरना जरूरी है, एक अजनबी, ऐलान, वादा, दिल का रिश्ता, आँखें, दीवानापन, असंभव, दिल है तुम्हारा.

शब्दजाल - 7095 का हल

ए	म	मा	डॅा.	न	गे	न्द्र	सिं	ह	क	वि
हो	न	सू	ह	म	ल	जी	स	ल	न	ज
सु	वी	गो	द	अ	नो	त	र	थ	ल	टी.
कु	र	दा	पा	ल	क	ह	ना	ह	व	ए
मा	जे.	न	ष	ल	म	मी	र	म्म	सी	स.
र	मी	ए	स	जि	स्वा	क	प	सिं	गु	कृ
से	ह	बु	म.	टी	म	मी	टे	बी.	ह	ष्ण
न	पू	सु	पा	लिं	पं.	सौ	ल	बी.	ना	मू.
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	टं	न	र्ति
आ	र.	के.	त्रि	वे	दी	दो	ह	ड	क	थ
टी.	ए	न	शे	ष	न	इ	ह	न	ह	धी

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6049

		3	4	5		
2	23	1	26		40	6
	7		4		6	
4	38		24	4	29	4
		6		2		
6	47	7	35		26	2
7			4	3		1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6048 का हल

7	5	3	6	1	2	4
2	31	7	31	4	28	2
4	2	1	6	3	5	7
5	28	6	31	6	39	3
1	5	4	3	2	7	6
3	29	5	32	7	40	5
6	3	2	4	5	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

इंडिया गेंदबाजी की वजह से टेस्ट में बेस्ट : हर कंडीशन में विपक्षी को ऑलआउट करने में सक्षम, जरूरत पड़ी तो बल्लेबाजी भी करते हैं

मुंबई।
भारत ने एक बार फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। टीम ने दिल्ली टेस्ट 6 विकेट से जीता है। पिछले 10 साल से भारत को उसके घर में हराना असंभव-सा हो गया है। टीम घर में ही नहीं, बल्कि विदेशी सरजमीं पर भी जीतने लगी है। 1 जनवरी 2013 के बाद के आंकड़ों पर गौर करें तो इन दस वर्षों में भारतीय टीम घर में महज 2 टेस्ट ही हारी है, जबकि 36 में उसे जीत मिली है। विदेशी सरजमीं पर टीम ने 54 में 21 मैच जीते हैं।

गाबा में मिली जीत तो याद ही होगी...जहां 2 साल पहले भारत की यूथ ब्रिगेड ने ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया था। टीम ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की थी। इससे पहले विराट कोहली की कप्तानी में 2018 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी। इंग्लैंड में भी हमने सीरीज ड्रॉ कराई। वेस्टइंडीज, श्रीलंका, बांग्लादेश जाकर भी हमारी टीम जीती। आखिर भारत घर और विदेश में इतने टेस्ट कैसे जीतने लगा जवाब है हमारी बॉलिंग यूनिट। पिच चाहे जैसी हो, हमारे गेंदबाज विरोधियों के 20 विकेट गिराने की काबिलियत रखते हैं। जरूरत पड़ी तो ये बल्ले से भी मैच पलट देते हैं। हाल के दो टेस्ट में जडेजा, अश्विन और अक्षर ने ऐसा करके भी दिखाया।

घर में तो हमारे स्पिनर्स हमेशा जीत दिलाते रहे हैं। पहले अनिल कुंबले, हरभजन सिंह और प्रज्ञान ओझा टीम को जिताते थे और अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल जैसे स्पिन ऑलराउंडर्स ने ले ली है। ये न केवल विरोधी टीम के बल्लेबाजी ऑर्डर को धराशायी कर देते हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर रन भी बनाते हैं। थ्री डायमेंशनल प्लेयर हैं, जो बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों ही विभागों में अपना योगदान देते हैं। फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, जडेजा जरूरत पड़ने पर टीम के संकट मोचक साबित होते हैं। वे बॉलिंग में दुनिया के किसी भी बल्लेबाज को आउट करने की काबिलियत रखते हैं। साथ ही बैट से अपने दम पर मैच का रुख पलट देने का दम रखते हैं। सबसे अहम कि बाएं हाथ की बल्लेबाजी बैटिंग ऑर्डर में वैरिएशन लाती है। जरूरत पड़ने पर रन बनाते हैं। उनकी वेरिएशन ही उनकी सबसे बड़ी स्ट्रेंथ है। भारत को कई बार मुश्किल परिस्थितियों से उबार चुके हैं। साथ ही हर तरह की पिच में विकेट निकालने सकते हैं। ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं। कैरम बॉल और टॉप स्पिन से बल्लेबाज चकमा खा जाते हैं। अश्विन कभी-कभी लेग स्पिन भी करा देते हैं। उनके पास वेरिएशंस की कोई कमी नहीं है। बैट और बॉल से कमाल करते हैं, दिल्ली टेस्ट में अर्धशतक जमाकर भारत को पहली पारी में बराबरी पर लाए।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट सीरीज के बीच ऑस्ट्रेलिया जाएंगे कमिंसः फैमिली मेंबर की तबीयत बिगड़ी, इंदौर टेस्ट से पहले होगी वापसी

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस दिल्ली टेस्ट में मिली हार के बाद अपने घर सिडनी लौटे हैं।

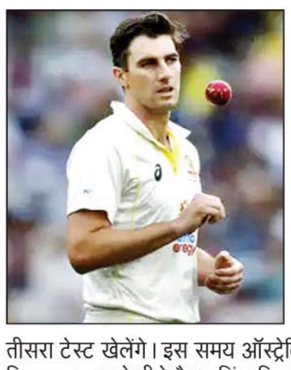

कमिंस की फैमिली में स्वास्थ्य संबंधी समस्या आई है, जिस वजह से टूर के बीच में उन्होंने घर जाने का फैसला लिया। हालांकि, वे 1मार्च को इंदौर में खेले जाने वाला तीसरा टेस्ट खेलेंगे। इस समय ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ 2-0 से पीछे है। कमिंस दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में एकमात्र फास्ट बॉलर थे। हालांकि, उन्होंने चौथी पारी में गेंदबाजी नहीं की। भारत ने 115 रन के टारगेट को आसानी से चेज किया और मैच जीत लिया। कमिंस इंदौर टेस्ट में खेलेंगे। हालांकि, अगर वे किसी कारण नहीं आ पाए तो टीम के उपकप्तान स्टीव स्मिथ लीड करेंगे। दो मौकों पर स्मिथ कमिंस की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर चुके है। कमिंस एडिलेड में 2021-22 एशेज का दूसरा टेस्ट कोरोना की वजह से नहीं खेल पाए थे। वे 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डे-नाईट टेस्ट में भी थाई की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। उस समय स्मिथ ने टीम की कमान संभाली थी। कमिंस के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पास मिचेल स्टार्क और जोश हाजेलवुड हैं, जो अगले मैच में वापसी कर सकते हैं ,जबकि स्कॉट बोलैंड और लांस मॉरिस अभी भी दस्ते के साथ हैं। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन भी अपनी चोट से उबर चुके है और सेलेक्शन के लिए मौजूद हैं। इस सीरीज में अभी दो टेस्ट मैच बाकी हैं और ऑस्ट्रेलिया इन दोनों को जीतकर 2-2 की बराबरी कर सकता है। ऐसे में आप पूछ सकते हैं कि दो मैच जीतने पर ही ट्रॉफी भारत के नाम कैसे हो गई। इसका जवाब यह है कि पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारत ने जीती थी। दो टीमों के बीच टेस्ट सीरीज जब किसी ट्रॉफी के लिए होती है, तो सीरीज के ड्रॉ होने की स्थिति में भी ट्रॉफी उसी टीम को मिलती है, जिसने पिछली बार उस पर कब्जा जमाया हो। एशेज में भी ऐसा ही होता है।

14 मई को हो सकता है धोनी का फेयरवेल मैचः चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारी ने पुष्टि की, चेपक में खेल सकते हैं आखिरी मैच

मुम्बई । आईपीएल का 16वां सीजन 31 मार्च से शुरू होना है, जो 28 मई तक चलेगा। रिपोर्ट्स के

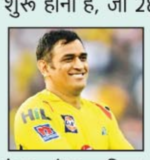

अनुसार, मौजूदा सीजन महेंद्र सिंह धोनी का बतौर खिलाड़ी आखिरी सीजन हो सकता है। चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। उनके मुताबिक, अगर टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाती तो 14 मई को चेपक स्टेडियम धोनी के फेयरवेल मैच की मेजबानी करेगा। टीम को अंतिम लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स से दिल्ली में 20 मई को खेलना है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, धोनी चेपक में फेयरवेल मैच खेलना चाहते हैं। उन्होंने 2021 में यह बात कही भी थी कि वे चाहते हैं कि चेन्नई में अपना आखिरी टी20 खेलें। एक खिलाड़ी के तौर पर यह एमएस का आखिरी सीजन होगा। हम यही जानते हैं, लेकिन जाहिर है यह उनका फैसला है।

मेसी-एम्बाप्पे ने पीएसजी को हार से बचाया, रोमांचक मैच में लिल को 4-3 से दी शिकस्त

पेरिस । फ्रांस की फुटबॉल लीग लीग-वन में पेरिस सेंट जर्मेन ने रोमांचक मुकाबले में लॉस्क लिल को 4-3 से

हरा दिया। लियोनल मेसी और किलियन एम्बाप्पे के आखिरी कुछ मिनटों में किए गए बेहतरीन गोल की बदौलत पीएसजी ने जीत हासिल की। इस जीत के साथ पीएसजी की टीम लीग-1 में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। हर तरह के कॉम्पिटिशन को मिलाकर लगातार तीन हार के बाद यह पीएसजी की पहली जीत है। मैच का पहला गोल एम्बाप्पे ने किया। उन्होंने 11वें मिनट में नेमार के पास पर गोल कर पीएसजी को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद नेमार ने 17वें मिनट में विटिन्हा के पास पर गोल दाग टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। दो गोल खाने के बाद लिल ने वापसी की और 24वें मिनट में बफोदे दियाकिटे और 58वें मिनट पर पेनल्टी पर जोनाथन डेविड ने गोल दाग स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। 69वें मिनट में जोनाथन बाम्बा ने गोल कर लिल को पीएसजी पर 3-2 की बढ़त दिला दी। मुश्किल में दिख रही पीएसजी की टीम को एम्बाप्पे ने बचाया। उन्होंने 87वें मिनट में गोल कर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। मैच में सात मिनट का इंजरी टाइम मिला। 90+5वें मिनट में लियोनल मेसी ने बॉक्स के बाहर से फ्री-किक पर गोल दाग पीएसजी को 4-3 से आगे कर दिया। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और पीएसजी ने जीत हासिल की। यह लीग-वन में मेसी का 11वां गोल रहा।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और आयरलैंड: जीते तो सेमीफाइनल, हारने पर बाहर होंगे हम

केबेरा।
विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-2 में भारत का मुकाबला आयरलैंड से होगा। केबेरा के सेंट जॉर्जिया पार्क मैदान में दोनों ही टीमों का ग्रुप स्टेज में यह आखिरी मुकाबला होगा। भारत जहां मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचना चाहेगा। वहीं, आयरलैंड को अब भी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश है। ग्रुप स्टेज के तीसरे मैच में इंग्लैंड से हार के बाद भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा था, लेकिन टीम के पास अब भी अंतिम-4 में पहुंचने का मौका है।

भारत का पलड़ा भारी

दोनों टीमें टी-20 इंटरनेशनल में अब तक एक ही बार भिड़ी हैं। 2018 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने आयरलैंड को 52 रन से हराया था। दोनों के बीच 13 वनडे मुकाबले भी खेले गए। 12 भारत ने जीते, वहीं एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। ऐसे में टीम इंडिया ही इस मैच को जीतने की फेवरेट मानी जा रही है।

आयरलैंड को पहली जीत की तलाश

भारत जहां टूर्नामेंट में 2 जीत दर्ज कर चुका है। वहीं, आयरलैंड को अब भी टूर्नामेंट में पहली जीत की तलाश है। टीम को ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज से हार का सामना करना पड़ा है।

सेमीफाइनल में कैसे पहुंचेगा भारत

टीम इंडिया ग्रुप-2 के पॉइंट्स टेबल में 4 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। टीम ने 3 मैच खेले, 2 में जीत और एक में हार मिली। इंग्लैंड 6 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। 4 पॉइंट्स के साथ वेस्टइंडीज तीसरे और 2 पॉइंट्स के साथ पाकिस्तान चौथे स्थान पर है। वहीं, आयरलैंड आखिरी नंबर पर है।

वेस्टइंडीज के सभी मैच खत्म हो चुके हैं, वहीं पाकिस्तान अगर इंग्लैंड के खिलाफ ग्रुप स्टेज में अपना आखिरी मैच जीत ले तो भी 4 से ज्यादा पॉइंट्स नहीं ले पाएगा। ऐसे में टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ मैच जीतते ही 6 पॉइंट्स लेकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा।

रिचा, रेणुका भारत की टॉप प्लेयर

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने 3 मैच खेले। पहले मैच में जेमिमा रोड्रिग्ज और दूसरे में दीप्ति शर्मा प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। तीसरा मैच हम हार गए। तीनों ही बार टीम इंडिया ने चेज किया और तीनों ही बार विकेटकीपर रिचा घोष भारत की उम्मीद बन कर टिकी रहीं। इस टूर्नामेंट में उन्हें अभी तक कोई भी आउट नहीं कर सका है। टूर्नामेंट के 3 मैचों में उन्होंने भारत के लिए 122 रन बनाए हैं। बॉलर्स में रेणुका सिंह ठाकुर और दीप्ति शर्मा टीम की टॉप बॉलर हैं। रेणुका ने 3 मैचों में 6 विकेट लिए हैं तो वहीं दीप्ति के नाम 3 मैचों में 5 विकेट हैं।

पिच रिपोर्ट

केबेरा के मैदान पर विमेंस टी-20 के 3 मैच खेले गए। एक बार पहले बैटिंग और 2 बार बाद में बैटिंग करने वाली टीमों ने मैच जीते। भारत को यहां पिछले मुकाबले में इंग्लैंड से हार मिली थी। वहीं, आयरलैंड ने अभी तक इस ग्राउंड पर कोई मुकाबला नहीं खेला।

वेदर कंडीशन

केबेरा में सोमवार को हल्की बारिश होने के आसार हैं। 14 से 26 डिग्री के बीच तापमान रहेगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पिछले मैच में भी यहां बारिश की संभावनाएं थीं, लेकिन तब मौसम साफ था।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, रिचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, शिखा पांडे, राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह।

आयरलैंड : लौरा डिलेनी (कप्तान), एमी हंटर, गेबी लुईस, ओरला प्रेंडरगास्ट, एलमीर रिचर्डसन, लुईस लिटिल, एरलीन केली, मैरी वालड्रॉन, लीह पॉल, कारा मरे और जेन मेगुअर।।

श्रीलंका विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

न्यूजीलैंड ने 102 रन से हराया; उनकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम

पार्ल।
विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड विमेंस टीम ने श्रीलंका को एकतरफा मुकाबले में 102 रन से हराया। बोलैंड पार्क में हुए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट खो कर 162 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका 60 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इसके साथ ही श्रीलंका सेमीफाइनल की रेस से बहार हो गई। न्यूजीलैंड और श्रीलंका दोनों के 4 मैच के बाद 4 अंक हैं, लेकिन, न्यूजीलैंड का रन रेट बेहतर है। ग्रुप में इस समय साउथ अफ्रीका के भी अंक 4 हैं, लेकिन उनके पास 1 मैच बचा है। साउथ अफ्रीका का आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ है। जीतने पर साउथ अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लेगी। न्यूजीलैंड की ओपनर बेटस के साथ ओपनिंग करने उतरी बर्नडाइन बेजुइडेनहो 32 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद सूजी बेट्स और एमिलीया केर के बीच दूसरे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी हुई। बेट्स ने 49 गेंद में 56 रन बनाए। वहीं एमेलिया कैर ने 48 गेंद में 66 रन स्कोर किए। दोनों खिलाड़ी इनिंग्स के आखिरी ओवर में आउट हो गईं। आखिरी ओवर में कप्तान सोफी डिवाइन ने 3 रन बनाए। श्रीलंका ने शुरुआत से ही विकेट खोना शुरू कर दिए। 22 रन पर पहला विकेट आया। हर्षिता समविक्रमा 8 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई गुरूरत्ने और नीलाक्षी दोनों 0 पर आउट हो गईं। कप्तान चमारी अथापथ्थु ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए। श्रीलंका 15.5 ओवर में 60 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड की ओर से एमिलीया केर और लेया ताहुहु को 2 विकेट मिले। वहीं, फ्रेन जोनस, हैना रोह, इडन कारसन और जेस केर को 1-1 विकेट मिला।

राहुल को उपकप्तानी से हटाया गया, अश्विन ओर पुजारा को मिल सकती है ये जिम्मेदारी

मुम्बई।
टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल को लगातार खराब प्रदर्शन के कारण उपकप्तानी से हटा दिया है। राहुल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दोनो टेस्ट मैचों में असफल रहे हैं।

बीसीसीआई चयन समिति ने उन्हें हालांकि अगले दो मैचों के लिए टीम में बनाये रखा है पर उपकप्तानी से हटाकर ये सख्त संदेश दे दिया है कि अब अगले कदम के तौर पर उन्हें हटाया जा सकता है। पिछले काफी समय से राहुल उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इस कारण दिग्गजों ने उन्हें टीम से हटाने को कहा है। राहुल एक जनवरी 2020 से 11 टेस्ट की 21 पारियों में 30 की औसत से 636 रन ही बना सके हैं। इस दौरान उन्होंने केवल 2 शतक और 2 अर्धशतक लगाया है। इस प्रकार वह 17 पारियों में 50 रन तक भी नहीं बना पाये हैं। वहीं अंतिम 10 पारियों को देखें, तो वे किसी में भी 30 रन के आंकड़े तक पहुंच सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टीम के उपकप्तान की दौड़ में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा शामिल हैं। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की भी संभावनाएं बतायीं जा रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा टीम के उप-कप्तान का चयन स्वयं करेंगे। अश्विन उपकप्तान की दौड़ में सबसे आगे हैं क्योंकि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। वहीं जडेजा अभी चोट से उबरे हैं। ऐसे में शायद उन्हें यह जिम्मेदारी ना दी जाये। पुजारा का दावा भी मजबूत है। दिल्ली में उन्होंने अपने करियर का 100वां टेस्ट भी खेला है। ऐसे में उनके पास अनुभव भी अच्छा है। तीसरा टेस्ट 1 मार्च से इंदौर में खेला जाना हैं। यहां की पिच को भी स्पिनर्स के अनुकूल माना जाता है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की मुश्किलें कम होने की संभावना नहीं है।

हार्दिक पंड्या पहली बार वनडे टीम की कप्तानी करेंगे : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मैच नहीं खेलेंगे रोहित; जडेजा की वापसी, बुमराह बाहर

मुंबई।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी 2 टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा कर दी गई है। टेस्ट टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ। हार्दिक पंड्या पहली बार वनडे फॉर्मेट में भी भारत की कप्तानी करेंगे। रवींद्र जडेजा की वनडे टीम में वापसी हुई है, वहीं जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे भी नहीं खेलेंगे। रोहित शर्मा पारिवारिक कारणों से पहला वनडे नहीं खेलेंगे। वह दूसरे वनडे से टीम के साथ जुड़ेंगे और कप्तानी करेंगे। टेस्ट टीम में उप कप्तान के रूप में किसी भी खिलाड़ी का नाम नहीं दिया गया। ऐसे में संभव है कि केएल राहुल अब टीम के उप कप्तान नहीं हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टेस्ट टीम में किसी भी प्लेयर को उप कप्तान नहीं रखा गया। शुरुआती 2 टेस्ट में केएल राहुल के नाम के आगे उप कप्तान लिखा था। ऐसे में केएल राहुल ही टीम के उप कप्तान हैं या नहीं, इस पर संदेह है। राहुल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों टेस्ट में मौके दिए गए, लेकिन वे 20, 17 और एक रन के स्कोर ही बना सके। अगर टेस्ट टीम से राहुल की उप कप्तानी छीन ली गई है तो अब टीम

इंडिया रोहित के साथ शुभमन गिल से तीसरे टेस्ट में ओपनिंग करा सकती है। टेस्ट टीम में इसके अलावा कोई बदलाव नहीं हुए। शुरुआती 2 टेस्ट नहीं खेलने वाले ईशान किशन, कुलदीप यादव, उमेश यादव और जयदेव उनादकट टीम में बरकरार हैं। तीसरा टेस्ट एक मार्च से इंदौर और चौथा टेस्ट 8 मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज खत्म होने के बाद टीम इंडिया को कंगारुओं के खिलाफ 3 वनडे भी खेलने हैं। सीरीज के पहले मैच में हार्दिक पंड्या टीम की कप्तानी करेंगे। रोहित शर्मा फिलहाल पहला मैच नहीं खेलेंगे। सीरीज का पहला वनडे मैच 17 मार्च को मुंबई, दूसरा मुकाबला 19 मार्च को विशाखापट्टनम और आखिरी वनडे 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा। हार्दिक ने अब तक वनडे में टीम की कप्तानी नहीं की है। उन्होंने अब तक टी-20 में ही टीम इंडिया की कमान संभाली है। अपनी कप्तानी के 11 में से 8 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई। 2 में हार मिली और एक मुकाबला टाई रहा। अपनी कप्तानी में सौराष्ट्र को घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जिताने वाले जयदेव उनादकट को 10 साल बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ डेब्यू के 12 साल बाद टेस्ट टीम में जगह मिली थी। उन्होंने एक टेस्ट खेला भी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी टेस्ट टीम में भी जगह बनाई। 2013 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे डेब्यू के बाद उन्होंने भारत के लिए 7 मैच खेले, लेकिन 2013 के बाद से उन्हें मौके नहीं मिले। घुटने में इंजरी के बाद टेस्ट टीम में शानदार वापसी करने वाले ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वनडे टीम में भी वापसी हुई है। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे टीम से भी बाहर रखा गया है। वह भी इंजरी के चलते पिछले 5 महीनों से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल सके हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए किसने लगाई बोली, कौन होगा नया मालिक

नई दिल्ली।
इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड की नीलामी की प्रक्रिया जारी है। कई ग्रुप इस क्लब को खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। क्लब के मौजूदा मालिक ग्लेजर परिवार ने क्लब खरीदने की इच्छुक पार्टियों के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 17 फरवरी रखी थी। इस समय तक सभी इच्छुक पार्टियों ने अपने आवेदन जमा कर दिए हैं। कतर के शेख और ब्रिटेन के अरबपति भी इस क्लब को खरीदने की रेस में हैं। इस क्लब को खरीदने की प्रक्रिया क्या है, अब तक किन लोगों ने बोली लगाई है और किस कीमत पर क्लब नीलाम हो सकता है। आइए जानते हैं

किन लोगों ने लगाई बोली - मैनचेस्टर यूनाइटेड का मालिकाना हक हासिल करने के लिए कई ग्रुप ने बोली लगाई है, लेकिन इस बारे में कोई आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि, कतर के शेख और ब्रिटेन के अरबपति ने खुद बताया है कि वह इस क्लब को खरीदने के इच्छुक हैं। कतर के शेख जसीम बिन हमद अल थानी कतर इस्लामिक बैंक के मालिक हैं और अपने ग्रुप की तरफ से उन्होंने इस क्लब को खरीदने की

बोली लगाई है। उन्होंने बिना कर्ज के टीम का संचालन और हर तरह के खर्च के लिए पैसा लगाने की बात कही है। वन नाइन ग्रुप इसके लिए पैसा उपलब्ध कराएगा।

ब्रिटेन के अरबपति जिम रैटक्लिफ की कंपनी ने औपचारिक रूप से पिछले महीने यूनाइटेड को खरीदने के लिए बोली प्रक्रिया में प्रवेश किया था। क्लब के अमेरिकी मालिकों ग्लेजर परिवार ने नवंबर में कहा कि उन्होंने नए निवेश या संभावित बिक्री सहित विकल्पों को देखना शुरू कर दिया है। इस ग्रुप ने पिछले साल चेल्सी को भी खरीदने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हुए थे। वह इस क्लब को पांच हजार पाउंड (49810 करोड़ रुपये) से कम कीमत पर खरीदना चाहते हैं। इन दोनों के अलावा सऊदी अरब के कई ग्रुप भी मिलकर यह क्लब खरीदना चाहते हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मौजूदा मालिक ग्लेजर परिवार इस क्लब को छह बिलियन पाउंड (59773 करोड़ रुपये) से कम कीमत पर नहीं बेंचना चाहते हैं। ग्लेजर परिवार का कहना है कि क्लब के संचालन के लिए यह राशि जरूरी है। खिलाड़ियों की फीस के अलावा मैदान के रखरखाव युवा खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और अन्य कामों के लिए कम से कम यह राशि जरूरी है। इस क्लब को खरीदने में कई ग्रुप ने रुचि दिखाई है। ऐसे में पूरी संभावना है कि ग्लेपर परिवार को मनचाही रकम मिलेगी।

महिला टी20 विश्व कप : हेली के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को हराया

पार्ल । वेस्टइंडीज ने महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को तीन रनों से हरा दिया। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने अंतिम गेंद पर मिली जीत के साथ ही सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें बनाये रखी हैं। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रशादा विलियम्स के 30 रनों की सहायता से 6 विकेट पर 116 रन बनाए। इसके बाद 117 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर ही 113 रन ही बना पायी। पाक की ओर से केवल निदा डार , 27, बिस्माह मारुफ 26 और एलिजा रियाज 29 रन बना पायीं बाकि खिलाड़ी दो अंकों में भी नहीं पहुंच पायीं। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान हेली मैथ्यूज ने चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिये। पाकिस्तान के अब 3 मैच में एक जीत के साथ दो अंक हैं। उसे आखिरी मैच मजबूत इंग्लैंड से खेलना है , उसके सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इस मैच को बड़े अंतर से जीतना होगा। वहीं वेस्टइंडीज के चार अंक हैं पर उसका रन औसत माइंस में है। वहीं भारत का अधिक है, ऐसे में वेस्टइंडीज की टीम तभी सेमीफाइनल में पहुंचेगी जब भारतीय टीम आयरलैंड से हारे पर इसकी संभावनाएं नहीं हैं। वहीं भारत अगर आयरलैंड से हारता है और पाकिस्तान इंग्लैंड को हराता है तभी पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच पाएगी।

खान-पान

सर्दियों में गाजर खाने के कई फायदे

सर्दी के मौसम में खान-पान का खास-ख्याल रखना पड़ता है। सर्दी के मौसम में लोग ज्यादातक साग, बथुआ और गाजर की सजी खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके इलावा इस मौसम में रोजाना 1 कच्ची गाजर और इसके जूस का सेवन कई हेल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। कैरीटोनॉइड, पोटेशियम, विटामिन॒ और श्व के गुणों से भरपूर गाजर का सेवन कैंसर और दिल की बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। सर्दी के मौसम में खान-पान का खास-ख्याल रखना पड़ता है। सर्दी के मौसम में लोग ज्यादातक साग, बथुआ और गाजर की सजी खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके इलावा इस मौसम में रोजाना 1 कच्ची गाजर और इसके जूस का सेवन कई हेल्थ प्रॉलम को दूर करता है। कैरीटोनॉइड, पोटेशियम,विटामिन ए और ई के गुणों से भरपूर गाजर का सेवन कैंसर और दिल की बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा कच्ची गाजर या इसके जूस का सेवन इयून पॉवर को भी बढ़ाता है। आप इसे सजी, सलाद, जूस या सूप किसी भी तरह से डाइट में शामिल कर सकते है। तो आइए जानते है सर्दियों में खाई जाने वाली गाजर से मिलने वाले फायदे के बारे में।

जानिए इसके लाभ

कैंसर-गाजर में पाया जाने वाला कैरीटोनॉइड शरीर के इयून पॉवर बढ़कर बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव करता है।

सर्दियों में क्यों खानी चाहिए गाजर

सर्दी-खांसी-150 ग्राम गाजर, 3 लहसुन और लौंग की चटनी बनाकर रोजाना सुबह खाने से पुरानी या सर्दी की खांसी दूर हो जाएगी। इसके अलावा इससे सर्दियों में होने वाली बीमारियां भी दूर रहती है।

दिल का रखें ख्याल

रोजाना 1 कच्ची गाजर को भून कर खाने से दिल स्वस्थ रहता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन, अल्फा कैरोटीन और लुटेइन जैसे एंटीऑसीडेंट गुण हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों को दूर करते है।

दिल का रखें ख्याल-

ब्लड प्रेशर कंट्रोल-रोज 1 गिलास गाजर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसमें मौजूद पोटेशियम में ब्लड प्रेशर को घटने या बढ़ने नहीं देता। इसके अलावा इसके जूस का सेवन शरीर को भी गर्म रखता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

खून की कमी-गाजर में भरपूर आयरन और विटामिन॒ पाया जाता है,जिससे शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान इसका सेवन हैवी लड लो को कम करने में मदद करता है।

यूरिन में इंफेशन

इसमें आंवला का रस और काला नमक मिला कर खाने से यूरिन में इंफेशन और जलन की समस्या से छुटकारा मिल जाता है।

आंखों की रक्षा

गाजर में भरपूर मात्र में विटामिन ए पाया जाता है, जो आंखों के लिए बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन मोतियाबिंद और एनीमिया जैसी बीमारियों को दूर करता है।

सर्दियों में क्यों खानी चाहिए गाजर

स्किन समस्याएं-गाजर का सेवन खून से गंदगी को अलग करके यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। जिससे स्किन हेल्दी रहती है और दाग-धबे, कील-मुंहासें जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

गठिया-गाजर खाने से गठिया, पीलिया और अपच की समस्यां से छुटकारा पाया जा सकता है। गाजर का सेवन पेट की

सफाई करता है। इसके अलावा पीलिया के मरीजों के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

गठिया

पथरी की समस्यां-दिन में 2 बार गाजर के जूस का सेवन किडनी स्टोन की प्रॉब्लम को खत्म करता है। इसके अलावा पथरी से छुटकारा पाने के लिए गाजर का मुरबा भी फायदेमंद होता है।

नारियल तेल का इस तरह करेंगे इस्तेमाल तो सर्दियों में भी चमकेगी त्वचा

नारियल तेल का इस्तेमाल खाना बनाने से लेकर ब्यूटी बढ़ाने तक किया जाता है। ये एक ऐसा तेल है जो हर घर में आसानी से मिल जाता है। वहीं, त्वचा के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं। सर्दियों में इसका इस्तेमाल करने से ड्राई स्किन जैसी कई स्किन प्रॉब्लमस दूर होती है। आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप नारियल तेल से अपनी स्किन खूबसूरत बना सकते है।

बॉडी स्क्रब बनाएं

अगर आप चाहते है कि आपकी त्वचा भी सेलिब्रिटी की तरह दमकती रहें तो नारियल तेल में श?कर मिलाकर बॉडी पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। कुछ देर बाद धो लें। इस स्क्रब के रोजाना इस्तेमाल से आपकी त्वचा पर चमकदार बनेगी।

मेकअप रिमूवर

नारियल तेल को सबसे अच्छा और प्राकृतिक लींजर माना जाता है। यह आपका मेकअप हटाने के साथ-साथ त्वचा में जमी गंदगी और बैक्टीरिया को भी हटाता है। एक कॉटन पैड पर नारियल तेल लगाकर मेकअप रिमूव करें।

बालों के लिए..

बालों को घना, चमकदार और खूबसूरत बनाने में नारियल तेल चमत्कारी रूप से काम करता है। यह बालों को दिन भर की धूल-मिट्टी व अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाता है। सप्ताह में दो

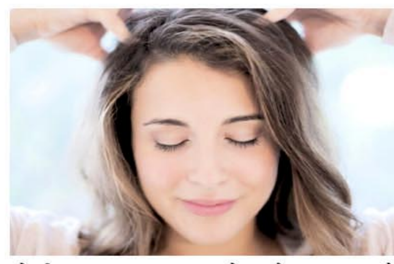

से तीन बार अगर आप इस तेल को गुनगुना करके बालों की जड़ों में मसाज करते है तो दो मुंहे बालों की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

त्वचा के लिए फायदेमंद

नारियल का तेल एक बेहतरीन प्राकृतिक मॉइश्चरॉइजर है। यह आपकी त्वचा को डिटॉसीफाई करता है और प्रदूषण से बचाता है। अगर आप चाहते है कि बदलते मौसम में भी आपकी त्वचा स्वस्थ रहे तो नहाने के बाद नियमित रूप से त्वचा पर नारियल तेल लगाएं।

प्राइमर

नारियल तेल को आप मेकअप प्रॉडट की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। फाउंडेशन लगाने से पहले नारियल तेल की कुछ बूंदे प्राइमर के तौर पर लगाएं। यह फाउंडेशन के लिए बेस का काम करेगा साथ ही आपके चेहरे को पूरा दिन मॉइश्चरॉइजर भी प्रदान करेगा।

इन मदिरों में मर्दों की एन्ट्री नहीं

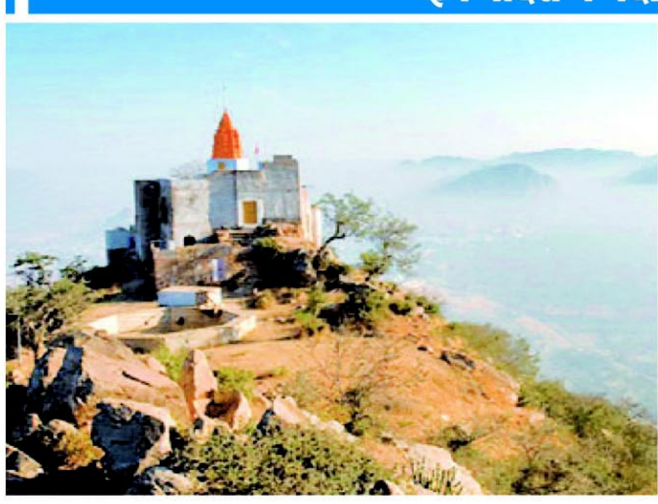

भारत में कई मंदिर ऐसे है जहां पर महिलाओं का जाना वर्जित है। इन मंदिरों के बारे में अधिकतर लोग जानते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ मंदिर ऐसे भी हैं जहां पुरुषों का जाना मना है। जी हां, भारत में ऐसे कई मंदिर है जहां पर विशेष दिनों या फिर बाकी दिनों में पुरुषों को मंदिर में जाने नहीं दिया जाता।

संतोषी माता का मंदिर, राजस्थानः राजस्थान में स्थित इस मंदिर में शुक्रवार के दिन पुरुषों का जाना मना है। यहीं नहीं, इस मंदिर में पुरुष पूजा भी नहीं कर सकते।

माता का मंदिरः बिहार में स्थित इस मंदिर में माता का महीना होने के दौरान पुरुषों का जाना मना है। इन दिनों पुजारी भी माता के दर्शन नहीं कर सकते।

बह्मा मंदिर, पुष्कर : इस मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के दौरान शादीशुदा मर्दों का आना मना है। यहां पर बह्मा के सम्मान में पूजा की जाती है जिसके दौरान पुरुषों का आना वर्जित है।

सावित्री मंदिरः यह मंदिर राजस्थान के पुष्कर में बना है। इस मंदिर में सिर्फ महिलाएं ही जा सकती है। यहां पुरुषों का जाना मना है।

हेल्थ टिप्सः

सुबह उठते ही न करें ये पांच गलतियां, पूरे दिन रहेंगे फ्रेश

सुबह का पहला काम ही आपके पूरे दिन के मूड को तय करता है। इसलिए अगर कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो पूरा दिन खुद को तरोताजा रखा जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सुबह उठते ही पांच बातों का ध्यान रखा जाए तो पूरे बॉडी सिस्टम को ठीक रखा जा सकता है। माना जाता है कि सोकर उठने के वक्त हमारा बॉडी सिस्टम स्लो रहता है इसलिए बिस्तर से एकदम से उठने की बजाए इन पांच बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दिन को खुशनुमा बनाने के लिए ध्यान रखें ये बातें

1- सोने के बाद सुबह बिस्तर से एकदम खड़े न हों बल्कि खड़े होने से पहले शरीर को थोड़ी-थोड़ी दाएं और बाएं मोड़ें इसके बाद उठें। ऐसा करने से शरीर में ऊर्जा का संतुलन रहता है।

2- बिस्तर पर बैठे हुए ही आंखें बंद करें और मन को शांत रखते हुए गहरी सांस लें। इसके बाद कमरे के टम्परेचर रखा पानी पिएं। इससे दिन बेहतर रहेगा।

3- दिन की शुरुआत चाय- कॉफी या पेट में एसिड बनाने वाली और गर्म चीजों की बजाए लेमन जूस, सेब, ग्रीन टी या फिर सिर्फ पानी से ही करें।

4- सुबह -सुबह ऑफिर मेल, वॉट्सएप चेक करने की बजाए 20 मिनट तक योगा करें और पेपर आदि पढ़ें।

5- हम में से ज्यादातर लोग बिना ब्रेकफास्ट के ही काम पर निकल जाते हैं जो कि नुकसान देह है। रात के भोजन और सुबह के नाश्ते में ज्यादा गैप होने से शरीर का एजर्जी लेवल काफी कम हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप ब्रेकफास्ट जरूर लें। ब्रेकफास्ट न करने से खून में शुगर का लेवल काफी कम हो जाता है जिससे कई बीमारियों भी आपको जकड़ सकती हैं। सुबह भीगे हुए बादाम, दूध या फल आदि लें तो अच्छा रहेगा।

सकारात्मक सोच के जादू से जीवन बनेगा खुशहाल

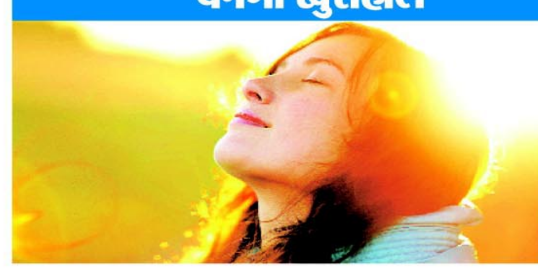

एक आदमी समुद्र तट पर चल रहा था। उसने देखा कि कुछ दूरी पर एक युवक ने रेत पर झुक कर कुछ उठाया और आहिस्ता से उसे पानी में फेंक दिया। उसके नजदीक पहुंचने पर आदमी ने उससे पूछा, ''और भाई, क्या कर रहे हो?'' युवक ने जवाब दिया, ''मैं इन मछलियों को समुद्र में फेंक रहा हूं।'' ''लेकिन इन्हें पानी में फेंकने की क्या जरूरत है?'' आदमी बोला। युवक ने कहा, ''ज्वार का पानी उतर रहा है और सूरज की गर्मी बढ़ रही है। अगर मैं इन्हें वापस पानी में नहीं फेकूंगा तो ये मर जाएंगी।''आदमी ने देखा कि समुद्र तट पर दूर-दूर तक मछलियां बिखरी पड़ी थीं। वह बोला, ''इस मीलों लम्बे समुद्र तट पर न जाने कितनी मछलियां पड़ी हुई हैं। इस तरह कुछ एक को पानी में वापस डाल देने से तुम्हें क्या मिल जाएगा? इससे क्या फर्क पड़ जाएगा? युवक ने शांति से आदमी की बात सुनी, फिर उसने रेत पर झुककर एक और मछली उठाई और उसे आहिस्ता से पानी में फेंक कर बोला, ''आपको इससे कुछ मिले न मिले, मुझे इससे कुछ मिले न मिले, दुनिया को इससे कुछ मिले न मिले लेकिन इस मछली को सब कुछ मिल जाएगा।'' दोस्तो यह केवल सोच का फर्क है। सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को लगता है कि उसके छोटे-छोटे प्रयासों से किसी को बहुत कुछ मिल जाएगा लेकिन नकारात्मक सोच के व्यक्ति को यही लगेगा कि यह समय की बर्बादी है? दोस्तो यह हम पर है कि हम कौन सी कहावत पसंद करते हैं। ''अकेला चना पहाड़ नहीं फोड़ सकता।'' या 'बूंद-बूंद से ही घड़ा भरता है।''

खतरनाक है ड्राइविंग के दौरान ये काम

गाड़ी चलाते समय अगर छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखें तो आप सुरक्षित रह सकते हैं। ये सावधानियां किसी तरह की दुर्घटना के खतरे को कम कर देती हैं। आइये आज जानते हैं ऐसी ही कुछ सावधानियों के बारे में...

ध्यान न भटकने दें

ड्राइविंग के समय आपका हाथ वहीं जाता है, जहां आपकी आंखें देख रही होती हैं। इसलिए पूरी तरह ड्राइविंग पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होता है। आपको उन चीजों से परहेज करना चाहिए, जिनसे ध्यान भटकने का खतरा है। जैसे मोबाइल पर बात करना, नंबर डायल करना या मेसेज करना खतरनाक साबित हो सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फोन डायल करने से क्रैश होने का खतरा तीन गुना बढ़ जाता है। वहीं, मेसेज करने से खतरा 23 गुना बढ़ जाता है। इसलिए कार चलाते समय मोबाइल से जितना परहेज करें, उतना बेहतर है।

अपनी सीट नीचे करें जो ड्राइवर सीटी ऊंची करके बैठते हैं, उनको ऐसा लगता है कि गाड़ी धीमी रफ्तार से चला रहे हैं। ऐसे में एसयूवी ड्राइवरों को तेज गाड़ी भगाने का खतरा ज्यादा रहता है, जिससे दुर्घटना हो सकती है। इसलिए सीटी नीची करके बैठें ताकि तेज रफ्तार का अहसास रहे और किसी तरह की अनहोनी से बचें।

लाइट्स ऑन करें

कनाडा में हुई एक स्टडी से पता चला कि दिन के समय हेडलाइट्स ऑन करके गाड़ी चलाने से दुर्घटना का खतरा 11 फीसदी कम हो जाता है।

ठीक पोजिशन लें

बैठने से पहले अपने रियरव्यू मिरर और लेफ्ट मिरर को सही तरीके से अजस्ट करें। अपने रियरव्यू को वैसे ही सेट करें, जैसे आमतौर पर करते हैं। उसके बाद इसे थोड़ा ऊपर की ओर झुकाएं ताकि आप सीधे बैठ सकें। अपने सिर को ड्राइवर के विंडो की ओर झुकाएं, उसके बाद अपने लेफ्ट मिरर को सेट करें ताकि अपनी कार के पिछले किनारे को आप देख सकें। उसके बाद राइट मिरर को दुरुस्त करने के लिए दायीं तरफ झुकें।

रोजाना खाएं अदरक 1 टुकड़ा, मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। इसकी तासीर गर्म होने के कारण इसका अधिकतर सेवन सर्दियों में किया जाता है। इस मौसम में अदरक खाने से खांसी- जुकाम, बलगम जैसी परेशानियों से बचा जा सकता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

1. जी मिचलाना : जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

2. गठिया दर्द में रहातः अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. मासिक धर्म में फायदेमंद : कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

4. सर्दी- जुकाम और फ्लू : सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी छोटी-मोटी समस्या होना आम है। इससे बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

5. माइग्रेन का इलाज : जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

6. दिल को रखता है स्वस्थ : अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

7. पाचन तंत्र मजबूत : अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

8. मॉर्निंग सिकनेस : मॉर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मॉर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

9. ऊर्जा करें प्रदान : सर्दियों में अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

खाना खजाना

बाजरे की खिचड़ी

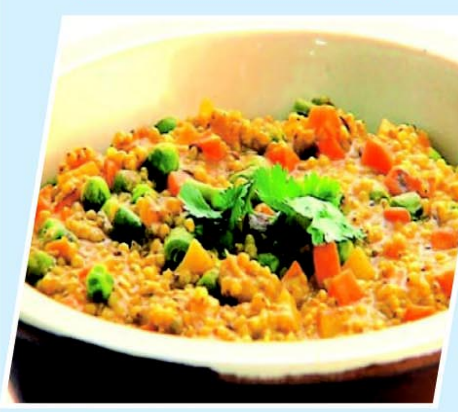

सामग्री

110 ग्राम बाजरा
500 मि.ली पानी
120 ग्राम अंकुरित मूंग दाल
1 1/2 टीस्पून नमक
1 टीस्पून घी
1 टीस्पून जीरा
1/2 टीस्पून हींग
1/4 टीस्पून हल्दी

विधि

रात को पानी में बाजरा भिगोकर रख दें। एक पैन में पानी, भिगा हुआ बाजरा, अंकुरित मूंग दाल और नमक डालकर उबालें। एक पैन में घी गर्म करें। इसमें जीरा, हींग और हल्दी डालकर मध्यम आंच पर भूनें। अब इसमें उबला हुआ मिक्सर डालें और मध्यम आंच पर 7 से 10 मिनट के लिए पकाएं। बाजरे की खिचड़ी तैयार है। इसे गरमा-गरम सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)